{ विश्वास वही रफ्तार नई }

बालाघाट
गुरुवार 23 अक्टूबर 2025
कार्तिक शुक्ल 02 विक्रम सम्वत 2082
वर्ष 16, अंक 30
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

पद्मेश मीडिया समूह का प्रकाशन

बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

सेंसेक्स	84,426.34
निफ्टी	25,868.60
सोना	1,25,890
चांदी	1,60,000
डॉलर	87.70

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

खास खबर

भारत कुल वन क्षेत्र के मामले में विश्व स्तर पर 9वें स्थान पर

नई दिल्ली।एजेंसी। फूड एंड एग्रीकल्चर ऑर्गनाइजेशन (एफएओ) द्वारा जारी ग्लोबल फॉरेस्ट रिसोर्सेज असेसमेंट (जीएफआरए) 2025 के अनुसार, भारत अब कुल वन क्षेत्र के मामले में विश्व स्तर पर 9वें स्थान पर पहुंच गया है। (पिछला स्थान 10वां) था। भारत ने वार्षिक वन क्षेत्र वृद्धि के मामले में वैश्विक स्तर पर अपना तीसरा स्थान बनाए रखा है। केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव ने इस उपलब्धि का श्रेय मोदी सरकार की वन संरक्षण और संवर्धन के लिए योजनाओं और नीतियों, राज्य सरकारों के व्यापक स्तर पर वृक्षारोपण प्रयासों, और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में वन संरक्षण, वनीकरण और समुदाय के नेतृत्व में पर्यावरणीय कार्रवाई को दिया है। केंद्रीय मंत्री यादव ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के एक पेड़ मां के नाम के आह्वान और पर्यावरण चेतना पर उनके जोर का उल्लेख किया, जिसने लोगों को वृक्षारोपण और संरक्षण में सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए प्रेरित किया है, जिससे सामूहिक जिम्मेदारी की भावना को बढ़ावा मिला है।

जुबीन के बाद अब सिंगर ऋषभ टंडन की दिल का दौरा पड़ने से मौत

मुंबई।एजेंसी। सिंगर ऋषभ टंडन की मंगलवार को दिल का दौरा पड़ने से मौत हुई। ये आशिकी, इश्क फकीराना और चांद तू जैसे गानों को आवाज देने वाले ऋषभ ने दिल्ली में आखिरी सांस ली। ऋषभ की मौत की पुष्टि उनके एक करीब दोस्त ने की है। ऋषभ अपने परिवार के मिलने दिल्ली में अपने घर आए हुए थे जहां पर हार्ट अटैक से उनकी जान गई।

सोशल मीडिया पर ऋषभ की आखिरी पोस्ट उनकी पत्नी ओलेस्या टंडन के साथ है, जिसमें वे उनके साथ करवाचौथ मनाते नजर आ रहे हैं। ऋषभ ने उजबेकिस्तान की ओलेस्या से लव मैरिज की थी। ओलेस्या एक मॉडल और अभिनेत्री हैं। ऋषभ के निधन की खबर विरल भयानी ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर पोस्ट की है जिस पर कमेंट सेक्शन में ढेरों लोगों ने शोक प्रकट किया है।

बता दें कि इसके पहले पिछले दिनों अचानक जुबीन गर्ग के निधन की खबर ने देश को हिला दिया था। असम की आन बान और शान जुबीन का यूं अचानक चले जाना लोगों की आंखें नम कर गया था। ऋषभ टंडन ने अपने करियर की शुरुआत साल 2008 में टी-सीरीज के म्यूजिक एल्बम फिर से वही के जरिए की थी। इसके बाद उन्होंने ये आशिकी, चांद तू, धू धू करके और फकीर की जुबां जैसे गाने गाए जो सीधा लोगों के दिलों पर राज करते चले गए।

महागठबंधन में सीटों पर तनातनी बढ़ी

लालू-तेजस्वी से मिले अशोक गहलोत; कहा- कल जॉइंट प्रेस कॉन्फ्रेंस होगी, सब साफ हो जाएगा

पटना।एजेंसी। बिहार चुनाव से पहले महागठबंधन में कांग्रेस और ऋछ्ष्ठ के बीच सीटों और साझा घोषणा पत्र को लेकर खींचतान बढ़ गई है। मामला सुलझाने के लिए कांग्रेस आलाकमान ने अशोक गहलोत को पटना भेजा है। गहलोत बुधवार सुबह पटना पहुंचे। उन्होंने ऋछ्ष्ठ प्रमुख तेजस्वी यादव और लालू यादव से उनके आवास पर एक घंटे मुलाकात की। गहलोत ने कहा, 'हमारी लालू जी और तेजस्वी यादव से अच्छी बातचीत हुई है। कल एक प्रेस कॉन्फ्रेंस होगी और सब कुछ स्पष्ट हो जाएगा।'

उन्होंने कहा कि हम एनडीए के खिलाफ मजबूती से चुनाव लड़ने जा रहे हैं। राहुल गांधी और तेजस्वी यादव मिलकर चुनाव अभियान की शुरुआत करेंगे। बिहार में कुल 243 सीटें हैं, और कभी-कभी 5-7 सीटों पर दोस्ताना मुकाबला हो सकता है। हम साथ मिलकर प्रचार करेंगे और चुनाव जीतेंगे। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक,कांग्रेस के वरिष्ठ नेता केसी वेणुगोपाल ने भी तेजस्वी से बात की है।

तेजस्वी के 3 चुनावी घोषणाएं

तेजस्वी ने सुबह प्रेस कॉन्फ्रेंस की। गठबंधन पर कुछ भी कहने से इनकार कर दिया। उन्होंने कहा- गठबंधन पर कल बात करेंगे। 12 सीटों पर महागठबंधन के दल एक-दूसरे के खिलाफ चुनाव लड़ रहे हैं। इसके अलावा उन्होंने चुनावी ऐलान भी किए।

पहला- सीएम जीविका दीदियों को सरकारी कर्मचारी दर्जा दिया जाएगा। इनकी सैलरी 10 हजार से बढ़ाकर 30 हजार रुपए महीने की जाएगी।

दूसरा- सभी संविदा कर्मियों को स्थायी किया जाएगा।

तीसरा- हर परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी दी जाएगी।

चुनावी जंग के बीच लालू परिवार को चुनौतियों ने घेरा, सीबीआई ने खड़ी कर दी गवाहों की फौज

बिहार में विधानसभा चुनाव जीतने की जंग हर एक राजनैतिक दल लड़ रहा है। सभी अपनी जीत के लिए जनता के बीच जाकर वादे कर रहे हैं उन्हे बता रहे हैं कि आपका सबसे ज्यादा हित कौन कर सकता है। इसी बीच लालू परिवार तमाम चुनौतियों से जूझ रहा है। केंद्रीय जाँच ब्यूरो यानी सीबीआई ने आईआरसीटीसी होटल मामले में करीब एक दर्जन गवाहों की सूची अदालत को सौंपी है, जो पूर्व रेल मंत्री लालू प्रसाद, उनकी पत्नी राबड़ी देवी, बेटे तेजस्वी यादव और अन्य के खिलाफ मामले में उनकी कथित संलिप्तता के बारे में गवाही देंगे। बता दें कि इस महीने की शुरुआत में ही एक विशेष सीबीआई अदालत ने राजद अध्यक्ष लालू प्रसाद, राबड़ी देवी, तेजस्वी यादव और अन्य के खिलाफ आईआरसीटीसी होटल मामले में उनकी कथित संलिप्तता के लिए आरोप तय किए हैं। अदालत ने लालू प्रसाद के खिलाफ भ्रष्टाचार (भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत), आपराधिक षड्यंत्र, धोखाधड़ी और अन्य आरोप तय किए हैं। राबड़ी देवी, तेजस्वी यादव और अन्य पर षड्यंत्र और धोखाधड़ी सहित कई अपराधों का आरोप है। हालांकि, तीनों ने अदालत में खुद को निर्दोष बताया है। मामले से जुड़े लोगों के अनुसार, आरोपी इस आदेश को चुनौती दे सकते हैं।सीबीआई पहले ही इन गवाहों को औपचारिक नोटिस जारी कर चुकी है और उन्हें 27 अक्टूबर को कोर्ट में पेश होने को कहा है। उस दिन से इस मामले में ट्रायल शुरू होना है। एक रिपोर्ट में कहा गया है कि सीबीआई इन गवाहों की गवाही बिना किसी सबूत के आधार पर जल्दी से पूरा करने की कोशिश करेगी।

तमिलनाडु में भारी बारिश, 5 जिलों में स्कूल बंद, चेन्नई के मरीना बीच पर तूफान का खतरा

केरल, आंध्र और पुडुचेरी में भी भारी बारिश की चेतावनी

चेन्नई।एजेंसी। उत्तर-पूर्वी मानसून के सक्रिय होने से दक्षिण भारत के कई राज्यों में पिछले दो दिनों से लगातार तेज बारिश हो रही है। तमिलनाडु में स्थिति सबसे गंभीर बनी हुई है। मौसम विभाग ने बुधवार को चेन्नई, तिरुवल्लूर, कांचीपुरम, चेंगलपट्टू और डेल्टा जिलों में भारी बारिश की चेतावनी जारी की गई है। कुछ जगहों पर तेज हवा के कारण पेड़ गिरे हैं, लेकिन राहत की बात है कि किसी के हताहत होने की फिलहाल कोई जानकारी नहीं है।

चेन्नई में लगातार हो रही बारिश के कारण सभी स्कूल बंद कर दिए गए हैं। राज्य सरकार ने प्रशासन को अलर्ट मोड में रहने के निर्देश दिए हैं। वहीं, कुड्डालोर, विल्लुपुरम, रानीपेट और थूथुकुडी जिलों में भी स्कूल-कॉलेजों में छुट्टी घोषित की गई है। इधर, चेन्नई के मरीना बीच पर तेज हवाओं के साथ ऊंची लहरें उठ रही हैं। यहां कुछ जगहों पर पेड़ गिरने की खबर है, लेकिन फिलहाल राहत की बात यह है कि इस दौरान किसी के हताहत होने की कोई जानकारी नहीं है। मौसम विभाग ने अगले कुछ दिनों तक तूफान की आशंका जताई है। प्रशासन ने तटीय इलाकों के निवासियों और मछुआरों को समुद्र में न जाने की सख्त चेतावनी दी है।

पड़ोसी राज्यों में भी बारिश का असर

केरल, आंध्र प्रदेश और पुडुचेरी में भी लगातार बारिश हो रही है। पुडुचेरी और कराईकल में स्कूल-कॉलेज बंद रखे गए हैं। आंध्र प्रदेश के नेल्लोर जिले में प्रशासन ने अलर्ट जारी करते हुए स्कूलों में छुट्टी कर दी है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार, आने वाले 7 दिनों तक दक्षिण भारत में बारिश का सिलसिला जारी रहेगा। तमिलनाडु, केरल, पुडुचेरी, आंध्र प्रदेश, लक्षद्वीप और दक्षिण कर्नाटक में 64 से 111 मिमी तक वर्षा होने की संभावना है।

तमिलनाडु के इरोड, नीलगिरी, कोयंबटूर, डिंडीगुल, मदुरै, तिरुप्पुर, रामनाथपुरम, तंजावुर, तिरुवरुर, नागपट्टिनम और कराईकल जिलों में भारी से बहुत भारी बारिश का अलर्ट है।

आईएमडी ने चेतावनी दी है कि केरल और कर्नाटक के तटीय क्षेत्रों में 35 से 45 किमी प्रति घंटा की रफ्तार से हवाएं चल सकती हैं, जो 55 किमी प्रति घंटा तक पहुंच सकती हैं।

देश के 10 सबसे प्रदूषित शहरों में 8 हरियाणा के, जींद सबसे आगे

हिसार।एजेंसी। दिवाली के बाद हरियाणा में वायु प्रदूषण का स्तर चिंताजनक रूप से बढ़ गया है। स्थिति इतनी गंभीर है कि देश के 10 सबसे अधिक प्रदूषित शहरों में 8 हरियाणा के शामिल हैं। जींद इस सूची में सबसे ऊपर है, जहां एयर क्वालिटी इंडेक्स (एक्यूआई) 421 दर्ज किया गया, जो गंभीर श्रेणी में आता है। ऐसी हवा में लंबे समय तक सांस लेना स्वास्थ्य के लिए बेहद हानिकारक है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के आंकड़ों के अनुसार, जींद, धारूहेड़ा (रेवाड़ी), नारनौल, रोहतक, गुरुग्राम, बहादुरगढ़ (झज्जर), चरखी दादरी और सिरसा में वायु गुणवत्ता बेहद खराब स्थिति में है। इनमें जींद और धारूहेड़ा में एक्यूआई 400 से भी ऊपर दर्ज हुआ। वहीं, राजस्थान का भिवाड़ी प्रदूषण के मामले में 7वें और दिल्ली इस सूची में 10वें स्थान पर है। विशेषज्ञों के मुताबिक, दिवाली की रात हरियाणा के 15 जिलों में एक्यूआई 500 तक पहुंच गया था। डॉक्टरों ने इसे स्वास्थ्य के लिए अत्यंत घातक बताते हुए लोगों से सतर्क रहने की अपील की है। चिकित्सकों ने कहा कि ऐसे प्रदूषण में घर से बाहर निकलते समय एन-95 या डबल सर्जिकल मास्क जरूर पहनें। बच्चे, बुजुर्ग और सांस या हृदय रोग से पीड़ित लोग विशेष सावधानी बरतें। विशेषज्ञों का मानना है कि पटाखों के धुएं, पराली जलाने और ठंडी हवाओं की वजह से हवा में प्रदूषक कणों की मात्रा तेजी से बढ़ी है।

कर्नाटक में आया 2.9 तीव्रता का भूकंप

बेंगलुरु। कर्नाटक के विजयपुरा जिले में बुधवार को 2.9 तीव्रता का भूकंप आया। कर्नाटक राज्य प्राकृतिक आपदा निगरानी केंद्र ने जानकारी देते हुए कहा कि लोगों को घबराने की जरूरत नहीं है, क्योंकि इसकी तीव्रता बहुत कम है। भूकंप सुबह सात बजकर 43 मिनट पर आया और इसका केंद्र विजयपुरा जिले में बसवाना बागेवाड़ी तालुक के यारानाल ग्राम पंचायत के हत्तारकीहल गांव से 2.5 किलोमीटर उत्तर पश्चिम में जमीन से पांच किलोमीटर की गहराई में था।

निगरानी केंद्र ने कहा कि भूकंप के केंद्र से भूकंपीय तीव्रता मानचित्र के मुताबिक तीव्रता कम देखी गई है और भूकंप का झटका इसके केंद्र से 50-60 किलोमीटर की दूरी तक महसूस किया गया। इस प्रकार के भूकंप से स्थानीय समुदाय को कोई नुकसान नहीं होगा क्योंकि इसकी तीव्रता कम है। स्थानीय स्तर पर कंपन महसूस किया जा सकता है।

मुंबई-नेवार्क एअर इंडिया फ्लाइट में तकनीकी खराबी, दो उड़ानें रद्द

मुंबई। मुंबई से नेवार्क (न्यू जर्सी, अमेरिका) जाने वाली एअर इंडिया फ्लाइट एआई-191 में बुधवार को अचानक तकनीकी खराबी आ गई, जिससे विमान को सुरक्षा की दृष्टि से सावधानी के साथ वापस मुंबई लौटाना पड़ा। जानकारी अनुसार एअर इंडिया का बोइंग 777 विमान नेवार्क के लिए समयानुसार उड़ान भर रहा था। तकनीकी खराबी के चलते फ्लाइट को सुरक्षित रूप से मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उतारा गया। लौटने के बाद विमान की तकनीकी जांच की जा रही है। मुंबई से नेवार्क जाने वाली एआई-191 उड़ान रद्द कर दी गई। इसी वजह से नेवार्क से मुंबई के लिए निर्धारित एआई-144 भी रद्द कर दी गई। जानकारी अनुसार एअर इंडिया ने सभी प्रभावित यात्रियों के लिए होटल में ठहरने और वैकल्पिक उड़ानों की व्यवस्था की। फ्लाइट ट्रैकिंग वेबसाइट के अनुसार, एआई-191 विमान बुधवार सुबह लगभग 1:50 बजे मुंबई से नेवार्क के लिए उड़ान भरने के बाद तीन घंटे से अधिक समय तक हवा में ही घूमता नजर आया।

कर्नाटक के मुख्यमंत्री ने दिया बयान...

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पर प्रतिबंध नहीं

बेंगलुरु।एजेंसी। आरएसएस को निशाना बनाने के आरोपों पर प्रतिक्रिया देकर कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने कहा कि राज्य सरकार ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) पर प्रतिबंध नहीं लगाया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि फिर जारी किए सर्कुलर में केवल 2013 में बीती बीजेपी सरकार से जारी आदेश को दोहराता है, जिसमें शैक्षणिक संस्थानों में सभी संगठनों को गतिविधियों के लिए अनुमति लेना जरूरी है। उन्होंने कहा कि संघ का नाम उस आदेश में कहीं नहीं है, जो स्कूल और कॉलेज परिसरों में संगठनों को गतिविधियों के लिए अनुमति लेने के बारे में है। उन्होंने कहा कि यह नियम सभी पर लागू है और किसी खास समूह को निशाना नहीं बनाया गया है।

इस कदम से अटकलें थीं कि यह सार्वजनिक संस्थानों में आरएसएस के कार्यक्रमों को सीमित करने के उद्देश्य से किया गया है। बता दें, इससे पहले कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने 'सनातनियों' से दूरी बनाकर रखने की अपील की थी। उन्होंने

कहा था कि आरएसएस और संघ परिवार ने हमेशा डॉ. आंबेडकर और उनके संविधान का विरोध किया। वहीं मुख्यमंत्री सिद्धारमैया पर बीजेपी भड़क गई। बीजेपी नेताओं ने उन पर 'तानाशाही' का आरोप लगाकर कहा कि कांग्रेस सरकार संघ की गतिविधियों को रोकने के नाम पर हिंदू संगठनों को दबा रही है।

मथुरा के करीब मालगाड़ी के 12 डिब्बे पटरी से उतरे, दिल्ली-मुंबई रेल मार्ग प्रभावित

मथुरा।एजेंसी। मथुरा के निकट मंगलवार रात एक मालगाड़ी के 12 डिब्बे पटरी से उतर गए, जिससे दिल्ली-मुंबई रेल मार्ग पर यातायात प्रभावित हो गया। अधिकारियों ने बताया कि बेपटरी हुए डिब्बों में माल लदा हुआ था।

यह घटना आगरा रेल मंडल के मथुरा-पलवल खंड में वृंदावन रोड स्टेशन और आझई स्टेशन के बीच मंगलवार रात करीब 8:24 बजे हुई। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, घटना में कोई हताहत नहीं हुआ और ट्रेन के चालक दल के सभी सदस्य सुरक्षित हैं। हालांकि, इस दुर्घटना के कारण डाउन मेन लाइन, अप मेन लाइन और तीसरी लाइन सभी बाधित हो गईं। अधिकारियों ने चेताया कि इससे दिल्ली-मुंबई और दिल्ली-कोटा मार्ग पर कई ट्रेनों की आवाजाही पर गंभीर असर पड़ेगा। रेलवे विभाग ने तुरंत बचाव और पटरी सुधार का काम शुरू कर दिया है, ताकि यातायात को जल्द बहाल किया जा सके। संबंधित लाइन के रेल यात्रियों से अपील की गई है कि वे ट्रेनों की समय सारणी और अपडेट्स के लिए रेलवे की वेबसाइट या संबंधित स्टेशन से जानकारी लेते रहें।

13 साल से कोर्ट के चक्कर लगा रहे युवक को अब मिला न्याय

नई दिल्ली।एजेंसी। मामला सितंबर 2012 का है। एचडीएफसी बैंक की ओर से शिकायत दर्ज कराई गई थी कि रामदत्त शर्मा ने अपनी नियोक्ता कंपनी (जिसमें वह कार्यरत थे) फर्स्ट सेलेक्ट प्राइवेट लिमिटेड से मिले 6,326 के वेतन चेक में हेराफेरी कर 60,326 कर दिया। शिकायत के आधार पर लगभग छह महीने बाद मार्च 2013 में सरिता विहार थाने में पुलिस ने रामदत्त के खिलाफ मामला दर्ज किया। इस पर साकेत जिला अदालत ने 13 वर्ष पुराने चेक फर्जीवाड़ा मामले में आरोपी रामदत्त शर्मा को धोखाधड़ी और जालसाजी के सभी आरोपों से बरी कर दिया है। अदालत में पेश लिखावट के नमूनों की रिपोर्ट ने आरोपी की बेगुनाही को साबित कर दिया। न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी अरिदमन सिंह चीमा की अदालत ने कहा कि

केवल शक या अनुमान के आधार पर किसी व्यक्ति को दोषी नहीं ठहराया जा सकता। अदालत ने कहा कि अभियोजन पक्ष अपना मामला साबित करने में विफल रहा है।

मामले की जांच के दौरान पुलिस ने आरोपी की लिखावट के नमूने लेकर उन्हें फॉरेंसिक जांच के लिए भेजा। अदालत में पेश एफएसएल रिपोर्ट ने मामले की कहानी को ही पलट कर रख दिया। रिपोर्ट में चेक पर मौजूद लिखावट और आरोपी की लिखावट में अंतर है। अदालत ने कहा कि जब वैज्ञानिक साक्ष्य ही मामले को खारिज कर रहे हों, तो दोष सिद्ध नहीं हो सकता। अदालत ने टिप्पणी करते हुए कहा कि पुलिस न तो चेक जारी करने वाली कंपनी के किसी अधिकारी को गवाह बना सकी, न ही बैंक में जमा पर्ची या लेनदेन का कोई ठोस प्रमाण पेश किया गया। वहीं, प्राथमिकी दर्ज करने में भी छह माह की देरी की गई। अदालत ने कहा कि केवल संदेह के आधार पर किसी को अपराधी नहीं ठहराया जा सकता। अदालत ने कहा कि मामले में न तो जालसाजी साबित हुई और न ही धोखाधड़ी।

कुछ ना कहना

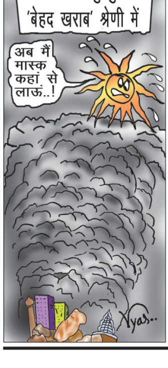

कोर्ट ने पुलिस को चेताया कहा-

आत्महत्या के मामले में ओला के सीईओ को परेशान न करें

बेंगलुरु।एजेंसी। एक इंजीनियर की आत्महत्या के मामले में कर्नाटक हाईकोर्ट ने पुलिस को निर्देश दिया कि वे ओला के सीईओ भविष्य अग्रवाल और कंपनी के वरिष्ठ अधिकारी सुब्रत कुमार दास को आत्महत्या मामले की जांच के नाम पर परेशान न करें। यह मामला ओला इलेक्ट्रिक के 38 साल के एक इंजीनियर के. अरविंद की आत्महत्या से जुड़ा है, जिन्होंने कथित रूप से अपनी सुसाइड नोट में कंपनी के वरिष्ठ अधिकारियों पर मानसिक उत्पीड़न और आर्थिक शोषण का आरोप लगाया था।

आत्महत्या मामले की शिकायत अरविंद के भाई अश्विन कन्नन ने दर्ज कराई थी, जिसमें आरोप लगाया गया कि ओला इलेक्ट्रिक में नौकरी के दौरान अरविंद को मानसिक रूप से प्रताड़ित किया गया और उनकी सैलरी व भत्ते रोके गए, जिसके चलते उन्होंने आत्महत्या कर ली।शिकायत के अनुसार, अरविंद ने 28 सितंबर को बेंगलुरु के चिकलासंद्रा स्थित अपने घर में जहर खाकर आत्महत्या कर ली थी। परिवार का दावा है कि उनकी मृत्यु के दो दिन बाद 17,46,313 रुपये उनके बैंक खाते में ट्रांसफर किए गए, जिसे उन्होंने संदिग्ध बताया। परिवार के मुताबिक, सुसाइड नोट में स्पष्ट रूप से भविष्य अग्रवाल और सुब्रत कुमार दास के नाम लिखे गए

हैं और उन्हें इस त्रासदी के लिए जिम्मेदार ठहराया गया है।मामले की सुनवाई न्यायमूर्ति मोहम्मद नवाज की एकल पीठ ने की। अदालत ने कहा, बेंगलुरु शहर के सुब्रमण्यपुरा पुलिस स्टेशन में दर्ज अपराध संख्या 372/2025 के मामले में जांच कर रही पुलिस याचिकाकर्ताओं को जांच के बहाने परेशान नहीं करेगी।

यह आदेश ओला इलेक्ट्रिक के संस्थापक भविष्य अग्रवाल और होमोलोगेशन इंजीनियरिंग प्रमुख सुब्रत कुमार दास द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई के दौरान दिया गया। दोनों ने एफआईआर रद्द करने की मांग की थी, जिसमें उन पर आत्महत्या के लिए उकसाने (धारा 108, भारतीय न्याय संहिता 2023) का आरोप लगाया गया है। हाईकोर्ट ने अब राज्य सरकार और शिकायतकर्ता अश्विन कन्नन दोनों से इस मामले में जवाब दाखिल करने को कहा है।

भारत ने फिर खोला काबुल में दूतावास, तकनीकी मिशन का दर्जा बढ़ाया

नई दिल्ली।एजेंसी। भारत ने अफगानिस्तान में तालिबान सरकार को राजनीतिक मान्यता देते हुए तत्काल प्रभाव से तकनीकी मिशन का दर्जा बढ़ाकर उसे दूतावास बनाने की घोषणा की है। दोनों पक्षों के बीच हुए समझौते के अनुसार, भारत काबुल में राजदूत की नियुक्ति से पहले वहां स्थित मिशन के प्रमुख को चार्ज डीअफेयर्स नियुक्त करेगा, जबकि तालिबान द्वारा नवंबर तक दो राजनयिकों को नई दिल्ली भेजने की उम्मीद है। बता दें कि हाल ही में तालिबान शासित अफगानिस्तान के विदेश मंत्री आमिर खान मुत्तकी एक हफ्ते के भारत दौरे पर थे। उनकी यात्रा के दौरान की गई घोषणा के बाद, सरकार ने मंगलवार को काबुल में अपने दूतावास को फिर से बहाल कर दिया है।

बता दें कि अफगानिस्तान में तालिबान के कब्जे के बाद भारत ने अगस्त 2021 में अपना काबुल दूतावास बंद कर दिया था, लेकिन काबुल से सुरक्षा आश्वासन मिलने के बाद, मानवीय सहायता की निगरानी के लिए जून 2022 में वहां एक तकनीकी मिशन फिर से खोल दिया गया था। अब उस मिशन को दूतावास का दर्जा दे दिया गया है। विदेश मंत्रालय ने मंगलवार रात को एक वक्तव्य जारी कर कहा कि अफगानिस्तान के विदेश मंत्री की पिछले सप्ताह की भारत यात्रा के दौरान लिए गए निर्णय के अनुरूप सरकार तत्काल प्रभाव से काबुल स्थित भारतीय तकनीकी मिशन का दूतावास का दर्जा बहाल कर रही है। यह निर्णय पारस्परिक हित के सभी क्षेत्रों में अफगानिस्तान के साथ अपने द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने के भारत के संकल्प को रेखांकित करता है। काबुल स्थित भारतीय दूतावास अफगान समाज की प्राथमिकताओं और आकांक्षाओं के अनुरूप, अफगानिस्तान के व्यापक विकास, मानवीय सहायता और क्षमता निर्माण पहलों में भारत के योगदान को और बढ़ाएगा।

शहीदों को नमन

बोली- नक्सलियों ने काट डाली थी पति सुखलाल के हाथ-पांव की उंगलियां

शहीद की पत्नी ने मांगी नौकरी, एसपी बोले सहायता सेल से पुलिस करेगी परिजनो की मदद, कर्तव्य के दौरान शहीद हुए अमर जवानों को दी गई श्रद्धांजलि

पद्मेश न्यूज। बालाघाट।
अपने कर्तव्य के दौरान शहीद हुए परमवीरों की शौर्यगाथा को याद कर उन्हें श्रद्धाजंलि देने के लिए 21 अक्तूबर मंगलवार को पुलिस स्मृति दिवस का आयोजन गया। स्थानीय पुलिस लाइन में आयोजित इस कार्यक्रम में शहीद स्मारक स्थल पर पुलिस व जन शहीदों को श्रद्धाजंलि दी गई। वही शहीदों के परिजनों को शाल श्रीफल देकर सम्मानित किया गया।आयोजित इस कार्यक्रम की शुरुवात अतिथियों के आगमन से हुई। इसके बाद अपने कर्तव्य के दौरान शहीद हुए पुलिस जवानों के नाम का पाठन कर उन्होंने श्रद्धाजलि दी गई।आयोजित कार्यक्रम के दौरान शहीद नामावली सूची का पाठन किया जिसके उपरांत,अमर शहीद जवानों को शोक परेड में शामिल परेड जवानों ने शोक बैड की धुन पर अपने अनोखे अंदाज में सलामी देकर श्रद्धाजंलि दी, जिसके उपरांत कार्यक्रम में उपस्थित सांसद भारती पारधी, पुलिस महानिरीक्षक संजय कुमार, पुलिस अधीक्षक आदित्य मिश्रा सहित अन्य अतिथियों, अधिकारियों, शहीदों के परिजनों और उपस्थितजनो ने बारी बारी से शहीद स्मारक स्थल पर पहुचकर अमर जवान ज्योति पर पुष्पचक्र अर्पित कर शहीदों को श्रृद्धांजलि दी।वहीं कार्यक्रम के अंत मे शहीदों के परिजनों का शाल श्रीफल व पुष्प गुच्छ देकर सम्मानित किया गया।इस दौरान अधिकारियों ने शहीदों के किसी एक परिजन को पुलिस विभाग में नौकरी देने और शहीदों के परिजनों की हर संभव मदद किए जाने का भरोसा दिलाया है।

शहीद के बच्चों को विशेष भर्ती में भी नही मिली जगह

मंगलवार को पुलिस लाइन में आयोजित पुलिस स्मृति दिवस पर, शहीद जवानों के परिवारों ने आला अधिकारियों से मुलाकात कर उन्हें अपनी आपबीती बताई। इस दौरान नक्सली घटना में शहीद हुए पति सुखलाल उईके की पत्नी जीराबाई ने, हर किसी का ध्यान अपनी ओर खींच लिया।जहां शहीदों के परिजनों के सम्मान समारोह के दौरान शाहिद की पत्नी जीराबाई ने नौकरी की मांग करते हुए एक ज्ञापन भी सौपा है। जिले के रूपझर थाना अंतर्गत तल्लाबोड़ी की रहने वाली जीराबाई, आज भी वर्ष 1999 में पति सुखलाल उईके की दर्दनाक हत्या को बयां कर गमजदा हो गई,और रोने लगी, जिसने 21 अक्टूबर को मनाए गए पुलिस स्मृति दिवस पर सम्मान लेते हुए एसपी को एक आवेदन सौंपा। जिसमें उसने पढ़े-लिखे बेटो के लिए नौकरी की मांग की।

विशेष भर्ती में शहीद के पढ़े लिखे पुत्र को नही मिला अवसर- जीराबाई

महिला जीराबाई ने मीडिया से चर्चा कर बताया कि उनके पति पुलिस विभाग में नौकरी करते थे, 1919 में एक नक्सली घटना में, नक्सलियों ने उनके पति को पकड़ लिया था, उनकी बेरहमी से पिटाई की, यहां तक की उन्हें बाधकर उनके पति के हाथ पांव की उंगलियां तक काट दी थी, पति की हत्या के बाद वह अपने बच्चों के साथ जिंदगी गुजर रही है उनके बच्चों को उन्होंने पढ़ा लिखाकर काबिल बनाया है, ताकि वे भी देश की सेवा कर सके, लेकिन उन्हें इसका अवसर नहीं मिल रहा है उन्होंने आगे बताया कि हाल में नक्सली क्षेत्र से युवाओं की हुई विशेष भर्ती में आईटीआई और कॉलेज कर रहे उसके बेटो को अवसर नहीं मिला। यही नहीं बल्कि शहीद पुलिस जवानो के परिवारों ने भी पेंशन और अन्य समस्याओं के बारे में मीडिया से चर्चा कर अपनी बात रखी।

शहीद पुलिसकर्मी की बेटी पहनेगी पुलिस की वर्दी

उधर वर्ष 1999 में नक्सलियों घटना में शहीद हुए जवान टेकाम की बेटी प्रियंका टेकाम, बुधवार से पुलिस की वर्दी पहनेगी। पिता की तरह ही जनसेवा के भाव के प्रियंका ने पुलिस सेवा में भर्ती ली है। जिसे पुलिस विभाग में नौकरी मिली है और आज पिता को शहीद श्रद्वाजंलि अर्पित करने के बाद वह कल 22 अक्टूबर से पिता की तरह पुलिस वर्दी में अपनी जनसेवा की शुरूआत करेगी।

1959 से मनाया जा रहा शहीद पुलिस स्मृति दिवस

बताया गया कि 21 अक्टूबर 1959 को लद्दाख में देश की सुरक्षा की प्रथम पंक्ति में तैनात केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के एक छोटे से गश्ती दल पर चीनी सेना द्वारा भारी संख्या में घात लगाकर हमला किया गया था। इस लड़ाई में 10 केरिपुबल के रण बांकुरो ने सर्वोच्च बलिदान दिया था। तब से सुरक्षा में लड़ते हुए रणबांकुरों शहीद पुलिस एवं जनशहीदों की याद में पूरे देश मे प्रतिवर्ष 21 अक्टूबर को पुलिस स्मृति दिवस मनाया जाता है, इसी के तहत बालाघाट पुलिस लाईन स्थित शहीद स्मारक स्थल पर शहीद स्मृति दिवस मनाकर, शहीदों को याद कर, उन्हें श्रद्धांजलि दी जाती है।

शहीदों के परिजनों की हर सम्भव मदद की जाएगी

कार्यक्रम के बाद सांसद भारती पारधी और पुलिस अधिकारियों ने शहीदों के परिजनों से व्यक्तिगत भेंट की जिन्हें शाल श्रीफल और पुष्प कुछ देकर सम्मानित किया ।इस दौरान उन्होंने और शहीदो के परिजनों को हरसंभव मदद और सहयोग का भरोसा भी दिलाया है।तो वही अधिकारियों ने शहीदों के परिजनों की मदद के लिए खासतौर पर एक टीम का गठन करने की भी जानकारी दी है, ताकि शहीदों के परिजनों को किसी भी परेशानी के लिए इधर-उधर भटकना न पड़े।

191 शहीदों की सूची में, जिले के 104 जवानों का भी शमावेश

इस कार्यक्रम में पुलिस अधीक्षक आदित्य मिश्रा ने 01 सितंबर 2024 से 31 अगस्त 2025 की अवधि में सम्पूर्ण भारत वर्ष में ड्यूटी के दौरान शहीद हुए 191 जवानों की सूची का वाचन किया।बताया गया कि इस कार्यक्रम में पिछले एक वर्ष की अवधि में देश के विभिन्न क्षेत्रों में सेवा के दौरान शहीद हुए जवानों की सूची का वाचन किया जाता है।बालाघाट जिले के अब तक 104 जवान शहीद हुए हैं। इसमें 70 जवान बालाघाट जिले में और 34 जवान अन्य राज्यों व जिलों में शहीद हुए हैं।

शहीदों के परिजनों की हर सम्भव मदद की जाएगी- मिश्रा

एसपी आदित्य मिश्रा ने बताया कि आम जनता से पुलिस को सहयोग करने वालो के लिए समय-समय पर सरकार की नीति के प्रावधानों के तहत उन्हें लाभांवित किया जाता है। मैने महिला का आवेदन लिया है, हमारा प्रयास होगा कि हम हरसंभव उसके परिवार को मदद कर पाए। साथ ही उन्होंने शहीद पुलिस जवानों के लिए नक्सल सेल में एक सहायता सेल बनाए जाने की जानकारी देते हुए बताया कि हम, स्वयं शहीद के परिवारों से उनकी समस्या को जानकर उसका निराकरण करने का प्रयास करेंगे। आयोजित कार्यक्रम में पुलिस उपमहानिरीक्षक विनीत जैन, कलेक्टर मृणाल मीना, 36 वीं वाहिनी कनकी के डिप्टी कमांडेंट आलोक शर्मा, सीआरपीएफ 123 वीं बटालियन के डीआईजी अनूप कुमार सिंह, हाक फोर्स के सीओ षियाज खान, कोबरा बटालियन के सहायक कमांडेंट पंकज कुमार मीना, पिछड़ा वर्ग कल्याण आयोग की सदस्य श्रीमती मौसम हरिनखडे, जिला पंचायत सीईओ अभिषेक सराफ, अपर कलेक्टर जी एस धुर्वे, वारासिवनी एसडीएम कार्तिकेय जायसवाल, सहायक कलेक्टर आकाश अग्रवाल, नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती भारती ठाकुर, पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल, पूर्व विधायक डा योगेन्द्र निर्मल, पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष रमेश रंगलानी, समाजसेवी ऋषभदास वैद्य, अन्य गणमान्य नागरिक, अधिकारी एवं पुलिस के जवान उपस्थित रहे।

दादिया में जमीन विवाद बना हिंसा का कारण, दोनों पक्षों पर मामला दर्ज

पुलिस की निष्क्रियता से नाराज़ पक्ष ने एसपी से लगाई न्याय की गुहार

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जमीनी विवाद को लेकर बीते रात्रि हुए पड़ोसी परिवारो के बीच संघर्ष में दो महिलाए सहित तकरीबन एक दर्जन लोग घायल हो गए। जिसमें एक महिला और पुरूष को बेहतर उपचार के लिए गोंदिया रिफर किया गया है। इस मामले में लालबर्रा पुलिस पर पक्षपातपूर्ण कार्यवाही का आरोप लगाते हुए ग्रामीणों ने मंगलवार को एसपी कार्यालय पहुंचकर शिकायत की। सायंकाल 5 बजे एसपी कार्यालय पहुंचे

ग्रामीणों ने बताया कि लालबर्रा थाना क्षेत्र के ग्राम ददिया में बीती रात एक ही परिवार के दो पक्ष आपस में भिड़ गए और दोनों पक्ष के बीच चले हाथ बुक्के और लाठी में एक पक्ष के दो महिला सहित 6 लोग घायल हो गई। रात्रि में तकरीबन 11 बजे घर में सोए लोगो पर हमला करने वालो के खिलाफ की गई शिकायत के बावजूद, लालबर्रा पुलिस कोई कार्यवाही नहीं कर रही है। जिससे ग्राम के लोग, कार्यवाही की मांग को लेकर एसपी कार्यालय में शिकायत करने पहुंचे है। घटनाक्रम के अनुसार यादवराव बिसेन अपने परिवार के साथ खेती किसानी करते हैं। जिनका अपने ही घर के सदस्य के साथ जमीन को लेकर विवाद चल रहा है और जमीन विवाद के चलते दोनों परिवार के बीच झगड़ा होते रहता है। बीती रात तकरीबन 11 बजे राधेलाल बिसेन और परिवार के सदस्यों ने घर में सो रहे बुजुर्ग यादोराव बिसेन, उनके पुत्र, नाती तथा महिलाओं पर जानलेवा हमला किया। जिसमें ज्यादा चोटें आने पर यादोराव बिसेन के पुत्र सीताराम बिसेन को गंभीर चोटें आने पर गोंदिया के निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जिससे गांव में अशांति का माहौल है। ददिया निवासी मनीराम भोयर ने बताया कि इस मामले में लालबर्रा पुलिस ने काउंटर मामला दर्ज किया है, जबकि यादोराव बिसेन के परिवार के लोगों को ज्यादा चोटें है और उनके परिवार के सदस्यों पर रात में घर में घुसकर, हमला किया गया है। जिसमें लालबर्रा पुलिस की कार्यवाही पक्षपातपूर्ण है, जिसकी शिकायत लेकर हम आए है। हमले में घायल एक पक्ष के यादोराव पिता अमृतलाल बिसेन(79), बेटे नारायण बिसेन (50), पत्नी कुसमत बाई बिसेन (70), बहू शिलाबाई पति सीताराम बिसेन (40), नाती रजनीश पिता नारायण बिसेन (28) को लालबर्रा के अस्पताल से प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल में रिफर पर भर्ती कराया गया है। जबकि दूसरे पक्ष के दो घायल प्रशांत पिता राधेलाल बिसेन (35) और हिमांशु पिता राधेलाल बिसेन(30) का लालबर्रा अस्पताल में उपचार चल रहा है।

मामला दर्ज किया गया है - अभिषेक चौधरी

इस मामले में एसडीओपी अभिषेक चौधरी ने बताया कि मामले में दोनो पक्षो की शिकायत पर मामला दर्ज किया गया है। एमएलसी रिपोर्ट आने के बाद नियमानुसार कार्यवाही की जाएगी।

अन्नकुट पर भगवान कृष्ण को लगाया 56 भोग, राजस्थानी समाज ने मनाया अन्नकूट पर्व

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। दीपावली के दूसरे दिन मनाए जाने वाले अन्नकूट का पर्व, आज 22 अक्टूबर बुधवार को राजस्थानी समाज ने मनाया। सनातन परंपरा में अन्नकूट पर्व का विशेष महत्व है, अन्नकूट का पर्व भगवान श्रीकृष्ण के इंद्रदेवता के मान-मर्दन के उपलक्ष्य में मनाया जाता है, कहा जाता है कि जब भगवान कृष्ण ने वृंदावनवासियों से, भगवान इंद्र की पूजा की प्रथा को बंद करवाकर, गोवर्धन पर्वत की पूजा करने कहा, तब इंद्रदेव ने नाराज होकर वृंदावन में घनघोर वर्षा करवा दी। जिससे वृंदावनवासियों को बचाने के लिए भगवान श्रीकृष्ण ने गोवर्धन पर्वत को उंगलियों पर उठाकर सात दिनों तक ऐसे ही खड़ा रहे। सात दिनों तक भुखे रहे भगवान श्रीकृष्ण, जब इंद्रदेव के बारिश को बंद कर दिए जाने के बाद घर लौटे तो माता यशोदा ने चार पहर के भोजन के रूप में भगवान श्रीकृष्ण को 56 भोग परोसा था। इसी मान्यता को लेकर, राजस्थानी महिला समाज ने बुधवार को अन्नकूट का पर्व मनाया और भगवान श्रीकृष्ण को 56 भोग लगाया। यहां सामाजिक महिलाओं ने सजीव रूप में भगवान श्रीकृष्ण का स्वरूप तैयार कर उन्हें भोग खिलाया। इस दौरान महिलाएं, भगवान श्रीकृष्ण की भक्ति में डूबी दिखाई दी। राजस्थानी महिला मंडल अध्यक्ष ज्योति जुगल शर्मा ने बताया कि भगवान इंद्रदेव की घनघोर बारिश से वृंदावनवासियों को बचाने भगवान श्रीकृष्ण, ने गोवर्धन पर्वत उठाकर, सात दिनों तक भुखे रहकर, वृंदावनवासियों की रक्षा की। जिनके सात दिनों बाद घर लौटने पर मां यशोदा ने उन्हें 56 भोग कराया थां इसी मान्यता के तहत, राजस्थानी समाज की महिलाओं ने आज अन्नकूट का त्यौहार मनाकर भगवान श्रीकृष्ण को 56 प्रकार के व्यंजनों का भोग कराया।

फाँसी के फंदे पर लटकर महिला ने की ईहलीला समाप्त

हत्या के मामले में जेल में बंद है महिला का पति, बेटे से विवाद के बाद,फाँसी लगाने की कही जा रही बात

पद्मेश न्यूज। बालाघाट।
दीपावली की खुशियां उस वक्त मातम में बदल गई जब अज्ञात कारणों के चलते एक महिला ने घर पर ही फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली।मामला जिला मुख्यालय से करीब 5 किलोमीटर दूर ग्राम पंचायत भरवेली के अंतर्गत आने वाली सिवनी कैंप मंगल चोपड़ा परिसर का बताया गया है।जहां भरवेली पुलिस ने मामले की जानकारी मिलने पर मौके पर पहुंचकर महिला के शव को फांसी के फंदे से बरामद कर, पंचनामा सहित अन्य आवश्यक कार्यवाही पूरी की, वहीं शव का पोस्टमार्टम कराकर अंतिम संस्कार के लिए शव उनके परिजनों के सुपुर्द किया है ।वही मामले की जांच शुरू कर दी गई है। मृतक महिला का नाम ग्राम भरवेली सिवनी कैंप मंगल झोपड़ा निवासी 39 वर्षीय छोटी बाई पति सुनील टेकाम बताया गया है। जानकारी के मुताबिक महिला का पति सुनील टेकाम हत्या के एक मामले में नरसिंहपुर की जेल में बंद है।बीती रात बेटे के साथ किसी बात को लेकर विवाद होने पर, महिला द्वारा फांसी लगाकर आत्महत्या किए जाने की बात कही जा रही है,जिसकी जांच भरवेली पुलिस द्वारा शुरू कर दी गई है।

पुत्र से विवाद की कही जा रही बात

प्राप्त जानकारी के अनुसार हत्या के एक मामले में जेल जाने के बाद सुनील टेकाम की पत्नी छोटी बाई अपने साथ अपने 18 वर्षीय पुत्र आशीष टेकाम और 17 वर्षी पुत्री के साथ निवास करती थी। बताया गया कि बीती रात पुत्र आशीष टेकाम शराब के नशे में चिकन लेकर घर आया था। जिसे बनाने के लिए अपनी मां छोटी बाई से कहा। जानकारी के मुताबिक किसी बात को लेकर उनके बीच विवाद हो गया उसके उपरांत आशीष घर से कहीं बाहर चला गया, इसी दरमियान महिला ने घर पर फांसी लगा ली।जिससे उसकी मौत हो गई।उधर मामले की जानकारी मिलने पर गुरुवार की सुबह भरवेली एएसआई सोमनाथ कावरे, आरक्षक कुंदन नगपुरे, घटनास्थल पहुंचे, जहां उन्होंने घटनास्थल का निरीक्षण किया। वही आवश्यक कार्यवाही कर शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल लाया गया, जहां शव का पोस्टमार्टम कराकर अंतिम संस्कार के लिए शव उनके परिजनों के सुपुर्द किया गया है। भरवेली पुलिस ने बताया कि मामले में मर्ग कायम कर जांच में लिया गया है। मामले में पीएम रिपोर्ट और जांच के बाद ही साफ हो पाएगा कि महिला की मौत की वजह क्या है और आखिर, उसने किस कारण से यह कदम उठाया है।

यात्री बसों में निर्धारित किराये से अधिक किराया वसूलना भारी पड़ेगा : शिकायत के लिए नम्बर जारी

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। त्यौहारों के सीजन में भोपाल एवं इंदौर की बसो में यात्रियों से अधिक किराया लिये जाने की शिकायतों पर परिवहन विभाग द्वारा कार्यवाही की जा रही है। जिला परिवहन कार्यालय द्वारा यात्री बसों में निर्धारित किराये से अधिक किराया वसूले जाने पर शिकायत के लिए मो.न. जारी किये गए है। यात्री इन मो.न. पर अपनी शिकायत दर्ज करा सकते है। जिला परिवहन अधिकारी अनिमेष गढ़पाल ने बताया कि लंबी दूरी की बसों में निर्धारित से अधिक किराया लिए जाने पर यात्री जिला परिवहन कार्यालय बालाघाट में शिकायत कर सकते हैं, उनकी शिकायत पर त्वरित कार्यवाही की जाएगी। उन्होंने बताया कि बालाघाट से भोपाल सुपर लग्जरी एसी बस का किराया 1120 रुपये, बालाघाट से इंदौर सुपर लग्जरी एसी बस का किराया 1583 रुपए, बालाघाट से भोपाल स्लीपर बस का किराया 896 रुपये एवं बालाघाट से इंदौर स्लीपर बस का किराया 1267 रुपये निर्धारित है ।इससे अधिक किराया लिए जाने पर बस संचालकों के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी। यात्रियों से अधिक किराया लिये जाने पर यात्री प्रमोद कुमार उइके के मोबाईल नं. 9301990393, जितेन्द्र कटरे के मो.न. 8871700936 या भूपेंद्र नारनौरे के मो.न. 7489530837 पर शिकायत कर सकते हैँ। शिकायत प्राप्त होते ही परिवहन विभाग बस संचालक के विरूद्ध त्वरित कार्यवाही की जाएगी।

श्री राम मंदिर में मनाया गया अन्नकूट

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। नगर के प्राचीन श्रीराम मंदिर में २२ अक्टूबर को अन्नकूट और गोवर्धन पूजा पर्व मनाया गया। इस अवसर पर दिन भर नगर के हजारो लोगो ने मंदिर में प्रसाद ग्रहण कर धर्मलाभ अर्जित किये। गौरतलब है कि दीपावली के दूसरे दिवस श्रीराम मंदिर ट्रस्ट के इस आयोजन में लगभग समूचा नगर सहभागिता कर भोजन रूपी महाप्रसाद ग्रहण कर एकता की मिसाल और आपसी सामंजस्य प्रस्तुत करता है। चर्चा में श्रीराम मंदिर ट्रस्ट के सदस्य राजेंद्र कोहाड़ ने बताया

कि अन्नकूट और गोवर्धन पूजा के कार्यक्रम में सर्वप्रथम श्रीराम प्रभू और हनुमान जी का विधि विधान से विशेष पुजा अर्चना करने के बाद भक्तो को अन्नकूट और गोवर्धन पूजा का महत्व भी बताया गया। तत्पश्चात महाआरती के बाद विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। इस अवसर पर नगर के जनप्रतिनिधि गणमान्य नागरिक सहित ट्रस्ट के पदाधिकारी सदस्यगण उपस्थित रहे।

भाईयों की आरती कर बहनों ने मनाया भाईदूज पर्व

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। भाईदूज पर्व के साथ ही ५ दिवसीय दीपावली पर्व का समापन हो गया। भाई बहन के अटूट स्नेह का पर्व पर बहनों ने भाई की आरती उतारकर उनका तिलक वंदन किया वहीं भाईयों ने भी अपनी बहिन की रक्षा का वचन दिया। सुबह से ही बहन व भाई के अटूट स्नेह के इस पर्व को मनाने के लिये हिंदू धर्माबलंबियों में काफी उत्साह

देखा गया। विशेष मुहूर्त में यमराज व यमुना की पूजा अर्चना की गई तत्पश्चात बहिनों ने भाईयों की आरती उतारकर उन्हे तिलक लगाया। वहीं भाईयों ने भी अपनी अपनी बहनों की रक्षा का वचन दिया साथ ही आकर्षक गिफ्ट भी उन्हे भेंट किये। गौरतलब है कि हिंदू धर्माबलंबीयों में भाईदूज पर्व की अलग ही महत्ता बताई गई है। भाईदूज पर्व के साथ ही ५ दिवसीय दीपावली पर्व का समापन भी होता है। भाईदूज पर्व पर बहने भाई की लंबी उम्र की मनोकामना करती है। वहीं भाई भी अपनी बहनों को उत्तम वर मिलने सौभाग्यवती होने इस बात की भगवान से प्रार्थना करता है। बहने अपने भाई के माथे पर तिलक लगाकर सदैव खुश रहने का आर्शीवाद देती है। साथ ही मुँह मीठा करवाकर उसके दीघार्यु होने की कामना की गई।

बारबेड वायर (कांटेदार तार) एवं चेन लिंक जाली
उचित दाम पर उपलब्ध
लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध
निर्माता
तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स
मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोन:- 07632-243531
मो:- 8989976858, 9425139998

गाँव के आखरों में अन्नकूट और गोवर्धन पूजा, गाय खिलाने की हुई रस्म

आखर मैदानों में दिखी संस्कृति की झलक, मंडई मेलो का दौर हुआ शुरू

पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

नगर सहित पूरे जिले मे दीपावली के त्यौहार की धूम रही। शहर का हर वर्ग उत्साह के साथ इस धार्मिक त्यौहार मे शामिल हुआ। धनतेरस से गोवर्धन पूजा तक इस पारंपरिक और खुशहाली के त्यौहार मे रौनक छायी रही। इस दौरान घरों के सामने रंगोली भी खूब सजी। उसके बाद 22 अक्टूबर को जिला मुख्यालय सहित ग्रामीण अंचलों में गाय खिलावन की रस्म पुरी की गई, जिसमें भगवान गोवर्धन की पूजा कर गाय खिलावन की रस्म अदा की गई, जिसमें शहर व ग्रामीण क्षेत्रों में किसान भाइयों द्वारा अपने मवेशियों को सुबह से ही नहला, धुलाकर एवं पूरी सजावट के साथ आखर मैदान में लाया गया, जहां पुरे विधि विधान के साथ गाय खिलावन की रस्म अदा की गई, इसी क्रम में जिला मुख्यालय से लगी ग्राम पंचायत कोसमी में भी यह गाय खेलावन की रस्म आयोजित की गई । जहां बड़ी संख्या में ग्रामीण बंधु और नन्हे मुन्ने बच्चे इस परंपरा का निर्वहन करते हुए एकत्रित हुए एवं बताया जा रहा है कि आज गाय खेलावन के बाद शाम 4:00 बजे से आखर मैदान कोसमी में मंडई का कार्यक्रम आयोजित किया गया है एवं रात्रि को देवी जागरण का कार्यक्रम भी रखा गया है ।

पांच दिवसीय इस पर्व मे धनतेरस को मां धनवंतरी की पूजा अर्चना के साथ साथ जमकर खरीदी भी हुई। छोटी दिवाली कहे जाने वाले नरक चतुर्दशी मे लोगो ने नर्का पूजा की। जिसके बाद व्यापारियों के लिए विशेष माने जाने वाले लक्ष्मी पूजा के दिवस शुभ मुहूर्त में भगवान गणेश और मां लक्ष्मी की पूजा अर्चना कर सुख समृद्धि और शांति की कामना की गई। गोवर्धन पूजा में भी ग्रामीण क्षेत्रों में अधिक उत्साह रहा। गोवर्धन पूजा के दिन भगवान कृष्ण और गौ माता की अराधना कर प्रसाद वितरण किया गया। ग्रामीण क्षेत्रों में वैसे तो दीपावली का पर्व 5 दिनों तक मनाया जाता है। जिसमें सभी दिन प्रमुख होते हैं और विधि विधान के साथ दीपावली के पर्व को जिले में मनाया जाता है किंतु ग्रामीण क्षेत्रों में गोवर्धन पूजा और गाय खिलावन की रस्म बड़े ही धूमधाम के साथ अदा की जाती है । जहां सुबह से ही आखर मैदान में साफ सफाई और गोवर्धन जी के स्थल को सजाया जाता है। उसके बाद दोपहर से ही ग्रामीण क्षेत्रों में सभी ग्रामीण अपने मवेशियों को सजाकर आखर मैदान पहुंचते हैं और वहां गोवर्धन की पूजा कर गाय खिलावन की रस्म अदा की जाती है । जिसमें एक गाय और उसके बछड़े को लेकर आखर मैदान पहुंचकर गोवर्धन के स्थल पर गाय खिलावन की रस्म अदा की जाती है। जिसमें ग्रामीण इस रस्म को बड़े ही विधि विधान के साथ करते हैं और उसके बाद गोवर्धन के प्रसाद को ग्रामीण क्षेत्रों में नन्हे मुन्ने बच्चों को खिलाया जाता है ।इसी की एक झलक जिला मुख्यालय से लगी ग्राम पंचायत कोसमी में देखने को मिली जहां पर पूरे धूमधाम के साथ ग्रामवासियों ने गाय खिलावन की रस्म को पूरा किया।

दो तिथियों पर अदा की जा रही गाय खिलावन की रस्म

जिले के अलग-अलग क्षेत्र में गाय खिलावन की रस्म ,इस बार दो तिथियों के आधार पर अदा की जा रही है। 22 अक्टूबर को जिला मुख्यालय से लगे ग्राम कोसमी, गोंगलाई के साथ मुख्यालय स्थित बूढी , स्थानीय बस स्टैंड के कृष्ण मंदिर और अलग-अलग क्षेत्र में धूमधाम और रीति रिवाज के साथ गोवर्धन पूजा कर गाय खिलावन की रस्म अदा की गई, तो वहीं बताया जा रहा है कि जिले के कुछ क्षेत्रों में 23 अक्टूबर को भी गाय खिलावन की रस्म अदा की जाएगी और अपने क्षेत्र की पहली मंडई का आयोजन किया जाएगा । इस बार दो तिथियों में लक्ष्मी जी की पूजा के साथ ही गोवर्धन पूजा और गाय खिलावन की रस्म को जिले में अलग-अलग क्षेत्र में अदा की जा रही हैं ।

मड़ई मेलों का दौर हुआ शुरू

ग्रामीणों द्वारा बताया गया कि गोवर्धन पूजा और गाय खिलावन की रस्म के पूरे होते ही अब मड़ई, मेलों का दौर शुरू हो गया है एवं कोसमी में गाय खेलावन की रस्म के बाद शाम 4:00 बजे दीपावली की पहली मंडई भरायी जाएगी और यहां रात्रि के समय सांस्कृतिक कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया है , उन्होंने बताया कि यह मड़ई कई वर्षों से गाय खिलावन की रस्म के बाद शाम को भरायी जाती है और यह क्रम निरंतर वर्षों से चलता आ रहा है ।

ग्वालवंशी समाज की वेशभूषा और नृत्य रहा आकर्षण का केंद्र

गाय खिलावन की रस्म में ग्वालवंशी समाज द्वारा पारंपरिक नृत्य का आयोजन किया गया। जिसमें समाज के पुरुषों और युवाओं ने पारंपरिक वेशभूषा में ढोल, डंडा जैसे पारंपरिक वाद्ययंत्रों के साथ नृत्य कर अपनी सांस्कृतिक को जीवंत किया। यह नृत्य सिर्फ मनोरंजन नहीं, बल्कि ग्वालवंशी समाज की परंपरा, गौरव और सामाजिक एकता का प्रतीक माना जाता है। नृत्य आमतौर पर दीपावली पर्व के अवसर पर किया जाता है, नृत्य के दौरान पुरुष सफेद धोती, रंग-बिरंगे साफे और पारंपरिक गमछे पहनते हैं। उनके हाथों में लकड़ी के डंडे, कुल्हाड़ी और घंटी जैसे पारंपरिक प्रतीक होते हैं। ढोल और मंजीरे की ताल पर वे एक लयबद्ध तरीके से गोल घेरा बनाकर नाचते हैं। इस नृत्य की सबसे बड़ी विशेषता इसकी जोशीली लय और समूह सामंजस्य होता है, जो दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर देता है। कोसमी , गोंगलाई और बूढी ,बस स्टेंड में अलग-अलग माध्यमों से समाज के युवाओं ने दोहे गाकर ढोल, नगाड़े और डीजे की धुन पर नृत्य किया जो गाय खिलावन की रस्म में प्रमुख आकर्षण का केंद्र रहा ।

कोतवाली मालखाना कांड के बाद कामेश धूमकेती को कोतवाली की कमान

पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

कोतवाली के मालखाना से 55 लाख से अधिक की नकदी और जेवर चुराने के मामले के बाद पुलिस अधीक्षक आदित्य मिश्रा ने बड़ा बदलाव किया है। 2013 बैच के निरीक्षक कामेश धूमकेती को कोतवाली की कमान सौंपी गई है। मालखाना प्रभारी आरोपित राजीव पंद्रे के कारनामों की गाज गिरने के बाद निरीक्षक विजय

राजपूत को लाइन अटैच किया गया है। प्रधान आरक्षक राजीव पंद्रे के साथ-साथ विवेक उर्फ लाला श्रीवास्तव और अन्य दो आरोपीयों को जेल भेजा जा चुका हैं। इस विषय पर अब धीरे-धीरे आरोपियों की संख्या बढ़ रही है । पुलिस को इस मामले में जुआ खेलने और खिलाने वाले बड़े नेटवर्क का पर्दाफाश करने में सफलता मिल रही है । पहले सिवनी , बालाघाट फिर गोंदिया के साथ-साथ अब जुआ खेलने वालों के नाम जबलपुर से भी जुड़ रहे हैं । जिस पर पुलिस लगातार कार्रवाई करते जा रही है।

जिले के बहुचर्चित मालखाने से चोरी मामले में मुंशी समेत चार आरोपितों की दीपावली की रात जेल में कटी। न्यायालय ने आरोपित कार्य. प्रधान आरक्षक राजीव पंद्रे, विवेक श्रीवास्तव उर्फ लाला, ऋतुराज मोहारे और हेमराज रनगिरे को जेल भेज दिया। राजीव पंद्रे और लाला से लंबी पूछताछ के बाद पुलिस को मालखाने से चोरी और सिवनी में फैले जुए के जाल की कई कड़ियां मिलीं है। बालाघाट पुलिस अब इन कड़ियों को जोड़कर जांच आगे बढ़ा रही है। अब तक की जांच में मुंशी द्वारा सिवनी में मालखाने की रकम से बड़े स्तर पर जुए खेलने की जानकारी के साथ सिवनी में फैले जुए के रैकेट का पर्दाफाश हुआ है। इससे पहले आरोपित मुंशी और विवेक श्रीवास्तव की पुलिस ने दो बार रिमांड बढ़ाई है। सूत्रों की मानें, तो पुलिस ने लाला से सिवनी में फैले जुए के जाल में बालाघाट के जुआरियों की भूमिका से जुड़े कई राज उगलवाए हैं।

कामेश धूमकेती ने लिया कोतवाली थाने का प्रभार

पिछले दिनों कलेक्टर मृणाल मीना की फर्जी फेसबुक आइडी बनाकर लोगों से ठगी का प्रयास करने वाले आरोपितों को 1400 किमी दूर जाकर खोज निकालने वाली पुलिस की टीम में कामेश धूमकेती ने अहम भूमिका निभाई थी। कामेश ने ही इस टीम को लीड किया था। कामेश ने चर्चा में कहा कि शहरी क्षेत्र में चोरी की घटनाएं बढ़ी हैं, जिस पर निश्चित ही अंकुश लगाया जाएगा। बहुचर्चित मालखाना से पैसे-जेवर चोरी के मामले पर निरीक्षक कामेश ने कहा कि इस मामले की बारीकी से जांच होगी। कामेश धूमकेती के पास पुलिसिंग का लंबा अनुभव है। वह पांच वर्षों तक राजधानी भोपाल में सेवाएं दे चुके हैं। ओल्ड भोपाल के शहजहानाबाद, हनुमानगंज, गौतम नगर जैसे इलाकों में जिम्मेदारी संभाल चुके हैं। इसके बाद कामेश ने चार साल मंडला और दो साल डिंडौरी जिले में भी अपनी सेवाएं दी हैं। माओवादियों के खिलाफ चलाए जा रहे मिशन 2026 के तहत मप्र पुलिस द्वारा लाई गई गृह जिले में स्थानांतरण की नीति के तहत कामेश का बालाघाट जिले में स्थानांतरण हुआ है। वह मूलतः बैहर तहसील के निवासी हैं।

लाठी डंडे से पीट-पीटकर सगे पुत्र ने पिता की जान ली

मलाजखंड थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम भड़गांव का मामला, हत्या कर, आरोपी पुत्र हुआ फरार, तलाश में जुटी पुलिस

पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

मलाजखंड थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम भड़गांव में उस वक्त सनसनी मच गई,जब एक कुपुत्र ने अपने ही पिता की लाठी डंडों से मारकर निर्मम हत्या कर दी। रिश्तो के कत्ल का यह मामला भड़गांव के वार्ड नं 15 से सामने आया है।जहा कुपुत्र कृष्णा मेरावी ने मंगलवार की देर शाम अपने पिता धनराज मेरावी के साथ किसी बात को लेकर उपजे विवाद में उनकी हत्या कर दी।वही हत्या की वारदात को अंजाम देने के बाद कुपुत्र कृष्णा मेरावी मौके से फरार हो गया। जिसकी तलाश मलाजखंड पुलिस द्वारा शुरू कर दी गई है।

खेत और घर में काम नहीं करने को लेकर हत्या की कही जा रही बात

हालांकि इस हत्या के पीछे प्रमुख वजह क्या है फिलहाल इसके कारणों का पता नहीं चल पाया है। लेकिन बताया जा रहा है कि कृष्णा मेरावी ने अपने पिता धनीराम मेरावी की हत्या महज इसीलिए कर दी की उनके पिता धनराज मेरावी ने उसे खेत और घर में काम नहीं करता कहकर फटकार लगाई थी। हत्या की यह वारदात मंगलवार शाम 6:30 बजे की बताई गई है, जिसकी शिकायत उनके परिजनों द्वारा बुधवार को मलाजखंड थाने में दर्ज कराई गई, जहां परिजनों से मिली शिकायत पर पुलिस मौके पर पहुंचकर घटना स्थल का निरीक्षण कर आवश्यक कार्यवाही की, वहीं परिजनों के बयान दर्ज कर पंचनामा सहित अन्य आवश्यक कार्यवाही पूरी कर शव को अपने कब्जे में लिया। वही शव का स्थानीय अस्पताल में पोस्टमार्टम कराकर अंतिम संस्कार के लिए शव उनके परिजनों के सुपुर्द किया गया है। तो वही पिता की हत्या के आरोपी उसके पुत्र कृष्ण मेरावी की तलाश पुलिस द्वारा शुरू कर दी गई है।

काम करने को लेकर अक्सर पिता लगाते थे फटकार

बताया गया कि पिता धनीराम मेरावी, अपने निकम्मे बेटे को अक्सर काम करने को लेकर डांटा करते थे। वह बेटे को घर और खेत में काम के लिए कहते थे और बेटा काम नहीं करता था। गत दिवस देरशाम भी, पिता ने इसी बात को लेकर अपने बेटे कृष्णा मेरावी पर चिल्लाया था। जिसमें बेटे कृष्णा मेरावी ने गुस्से में आकर, घर में रखे बांस के डंडे से पिता की पीट-पीटकर हत्या कर दी और फरार हो गया।उधर मामले की सूचना मिलने पर पुलिस के साथ मौके पर पहुची एफएसएल टीम ने घटनास्थल को आसपास से कवर कर बारिकी से घटनास्थल की जांच की।

घर के छप्पर में खून से लतपथ पड़ी थी लाश

परिजनों से मिली जानकारी के मुताबिक लाठी डंडों से पीटकर, हत्या करने के बाद कृष्णा मेरावी मौका स्थल से भाग गया। तब तक वहां गाँव मोहल्ले के लोग जमा हो गये थे।उसके बाद धनीराम मेरावी को उसकी पुत्री सीता बाई ,भतीजे नन्दलाल मेरावी और परिजन नरेश मेरावी ने उठाकर घर के अंदर कमरे मे ले गये, सोचे की ईलाज करवा लेगें, किन्तु नाक के पास हांथ लगाकर देखे तो धनीराम की सांसे चलना बंद हो गई थी, उनकी मौत हो गई थी।रात का समय होने व साधन नही होने से परिजनों ने थाना मलाजखंड को सूचित नही किया।जिसकी शिकायत बुधवार को परिजनों द्वारा ग्राम कोटवार सुमरन दास सार्वे और रामचरण पन्द्रे के साथ थाने में की गई। परिजनों से मिली शिकायत पर मलाजखंड पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

पुत्र कृष्णा ने की है, बड़े पिता की हत्या-नन्दलाल

चर्चा के दौरान मृतक धनीराम के भतीजे नंदलाल मेरावी ने पुलिस को बताया कि मंगलवार 21 अक्टूबर की शाम, वह पड़ोस वाले अपने घर मे सोया हुआ था, शाम करीबन 6.30 बजे उनके बड़े पिता धनीराम मेरावी के घर के तरफ से बचाओ बचाओ मार पीट हो रही है ऐसी आवाज आई, हल्ला सुनकर अपने बड़े पिता के घर गया ,तो देखा की बड़े पिता धनीराम मेरावी जमीन पर खून से लथपथ होकर गिरे पड़े थे, उनके सिर से खून निकल रहा था, आंगन मे धनीराम की लड़की सीता बाई खड़ी थी, सीता बाई ने बताया कि उसके भाई कृष्णा मेरावी और पिता धनीराम मेरावी के बीच मे झगड़ा हो रहा था,इसी दरमियान कृष्णा मेरावी ने डंडा से पिता धनीराम पर हमला कर उन्हें लहूलुहान कर दिया।जिससे पिता जमीन पर गिर गये, जहां उनकी मौके पर ही मौत हो गई। उधर पुलिस ने आरोपी पुत्र कृष्णा मेंरावी के खिलाफ संबंधीत धाराओं के तहत मामला दर्ज के मामले की जांच शुरू कर दी है।

आरोपी को जल्द गिरफ्तार किया जाएगा- नरेंद्र यादव

इस पूरे मामले को लेकर दूरभाष पर की गई चर्चा के दौरान मलाजखंड थाना प्रभारी नरेंद्र यादव ने बताया कि हत्या की वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी कृष्णा फरार हो गया है, जिसकी तलाश जारी है, उसे गिरफ्तार करने के लिए अलग से एक टीम का गठन किया गया है, जो जगह-जगह उसकी तलाशी कर रही है। आरोपी को जल्द ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा। उन्होंने बताया कि आसपड़ोस के लोग बता रहे है कि अक्सर शराब पीकर घर आने के चलते पिता धनीराम द्वारा उसे डांट फटकार लगाई जाती थी, लेकिन उसने अपने पिता की हत्या किस वजह से की, फिलहाल यह पता नहीं चल पाया है। आरोपी की गिरफ्तारी के बाद ही इसका खुलासा हो पाएगा ,हमारी टीम आरोपी को गिरफ्तार करने उसकी तलाश कर रही है।

पूजा के दीये से फलों की दुकान में लगी भीषण आग

दीपावली की रात बस स्टैंड में मची अफरा तफरी, आगजनी से दुकान में रखा सामान जलकर खाक, फायर ब्रिगेड ने मौके पर पहुंचकर आग पर पाया काबू

पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

दीपावली की रात नगर के बस स्टैंड में उस वक्त अफरा तफरी का माहौल निर्मित हो गया, जब दीपावली की खुशियों के बीच बस स्टैंड स्थित पेट्रोल पंप की समीप लगी एक फल फरूट की दुकान में भीषण आग लग गई। जहां लगी इस आग को देख लोग सकते में आ गए और कुछ देर के लिए वहां चीख पुकार मच गई, हालांकि आगजनी की सूचना मिलने पर, मौके पर पहुंचकर फायर ब्रिगेड की टीम ने दुकान में लगी उक्त आग पर काबू पा लिया, लेकिन तब तक काफी देर हो चुकी थी और दुकान का समान पूरी तरह जलकर खाक हो चुका था।

पूजा के दिये से लगी थी दुकान में आग

प्राप्त जानकारी के अनुसार नगर के वार्ड नंबर 10 पुराना मटन मार्केट निवासी 50 वर्षीय धर्मेंद्र पिता रामलाल पिपरा पिछले कई वर्षों से नगर के बस स्टैंड शास्त्री पेट्रोल पंप के पास टीन से बने हुए दुकाननुमा ठेले पर फल फरूट की दुकान लगाते हैं। जानकारी के मुताबिक रोजाना की तरह सोमवार को भी उन्होंने शास्त्री पेट्रोल पंप के पीछे की तरफ अपनी फल फरूट की दुकान लगाई थी, दिनभर व्यवसाय करने के बाद रात करीब 9 से 10 बजे के दरमियान उन्होंने दुकान में माता लक्ष्मी की पूजा अर्चना की और जलते हुए दिये के साथ-साथ जलती हुई अगरबत्ती दुकान के भीतर रखकर चारों तरफ से दुकान को बंदकर, ताला लगा दिया।वही स्थानीय व्यापारियों से मुलाकात कर दीपावली की खुशियां परिवार के साथ मनाने के लिए घर चले गए। बताया गया कि इसी दरमियान पूजा के रखे हुए जलते दीये से दुकान के भीतर आग लग गई, पहले तो स्थानीय लोगों को दुकान से हल्का धुआं उठते दिखाई दिया, लेकिन लोगो को लगा कि दुकान के भीतर अगरबत्ती दीया जल रहा है, ये उसी का धुआं होंगा, लेकिन इससे पहले की कोई कुछ समझ पाता, वहां अचानक से आग लग गई, जिसने देखते ही देखते पूरी दुकान को उक्त आग में अपनी आगोश में ले लिया, दुकान चारो तरफ से जलने लगी।जिससे दुकान के भीतर रखे फल फरूट, कुछ नगद चिल्लर, पानी की केन और बैटरी सहित अन्य समाग्री जलकर खाक हो गई।

गम में बदली,दीपावली की खुशी

बताया गया कि दीपावली का पर्व होने से सोमवार की रात नगर के बस स्टैंड में आम लोगों के साथ-साथ दुकानदारों की चहल-पहल बनी हुई थी, यात्रीगण भी बसों में सवार होकर इधर से उधर आ जा रहे थे चारों ओर दीपावली की खुशियां मनाकर आतिशबाजी की जा रही थी। इसी बीच दुकान में आग लग जाने से दीपावली की खुशियां तुरन्त गम में बदल गई, दुकान में लगी इस भीषण आग को देख स्थानीय दुकानदारों ने, दुकानदार धर्मेंद्र पिपरा को फोन पर उक्त मामले की जानकारी दी। जहां धर्मेंद्र और उनके परिवार के लोग दौड़ते भागते मौके पर पहुंचे, जहा चारों तरफ अफरी तफरी का माहौल निर्मित था। इसी बीच नगर पालिका अध्यक्ष प्रतिनिधि सुरजीत सिंह ठाकुर भी मौके पर पहुंच गए, जिन्होंने तत्काल नगर पालिका फायर ब्रिगेड को मामले की सूचना देकर उन्हें,मौके पर बुलाया ,जहा दमकल कर्मियों ने कुछ ही देर में उक्त आग पर काबू पा लिया।

तो हो सकता था बड़ा हादसा

बताया गया कि यह फल की दुकान शास्त्री पेट्रोल पंप के पीछे लगाई गई थी, वही बस स्टैंड होने के चलते यहां हमेशा भीड़ बनी रहती है, जो बीती रात भी थी। जानकारी के मुताबिक पेट्रोल पंप और भीड़भाड़ वाले इस बस स्टैड में आगजनी की यह घटना किसी बड़े हादसे का रूप ले सकती थी, लेकिन समय रहते ही दमकल कर्मियों ने उक्त आग पर काबू पा लिया। यदि समय रहते उक्त आग पर काबू नहीं पाया गया होता तो संभवत दुकान में लगी यहा आग आजू-बाजू के दुकानों को भी अपनी चपेट में ले सकती थी, जिससे कोई बड़ा हादसा हो सकता था लेकिन समय रहते ही इस आग पर दमकल कर्मियों द्वारा काबू पा लिया गया।जिससे यहां एक बड़ा हादसा टल गया।

जिले भर में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया भाई दूज का पर्व

पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

भाई बहन के प्यार का प्रतीक भाई दूज का पर्व卐 जिला मुख्यालय सहित अन्य तहसील व ग्रामीण अंचलो में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया।बुधवार को उत्साह के साथ मनाए गए इस पर्व के दौरान बहनों ने अपने भाइयों के माथे को टीके से सजाया।वही मिठाई से मुह मीठा कराकर नारियल, रुमाल सहित अन्य सामग्रियां भेट की,वही भाइयो ने भी अपनी बहनों को स्नेह स्वरूप विभिन्न पुरस्कार दिए।इस विशेष पर्व पर भाइयो के माथे टीको से सजे दिखाई दिए। वही दिन भर बहनों का अपने भाइयों के यहां और भाइयों का बहनों के घर जाकर उनसे मिलने का सिलसिला जारी रहा।माथे पर टीका लगाते हुए बहनों ने अपने भाइयों की सलामती दीर्घायु की दुवाए मांगी।वहीं इस पर्व विशेष पर सुबह से ही नगर की दुकानों पर खरीदारी करने के लिए महिलाओं और युवतियों का तांता लगा रहा। जहा मिठाइयों से लेकर आकर्षक तोहफों की जमकर खरीददारी की गई। बहन भाई के प्रेम को दर्शाता भैया दूज का त्योहार शहर के साथ-साथ जिले भर में धूमधाम से मनाया गया।

मंदिरों में की गई पूजा-अर्चना

भाईबहन के अटूट प्रेम को सूत्र में पिरोते इस त्योहार पर जितना उत्साह बहनों में दिखा, उतने ही उत्साहित भाई भी नजर आए ।भाइयों ने भी अपनी बहनों को स्नेह स्वरूप उपहार दिए। बाजार में महिलाओं और युवतियों ने जमकर खरीदारी की। वही मंदिरों में इस मौके पर सुबह से ही पूजा-अर्चना के लिए तांता लगा रहा।उधर धनतेरस, छोटी दीपावली, लक्ष्मी पूजन, गोवर्धन पूजा और भैया दूज के साथ ही दीपावली का पर्व हर्षोल्लास के साथ संपन्न हो गया।

दीपों और आतिशबाजियों से जगमगाया क्षेत्र, माता लक्ष्मी की हुई विशेष पूजा

उमंग, उत्साह और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया दीपावली का पर्व

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। हिन्दु धर्मालंबियों का दीपों का उत्सव दीपावली का 5 दिवसीय पर्व धनतेरस पर्व के साथ प्रारंभ हो गया है और पर्व के तीसरे दिन कार्तिक अमावस्या के दिन खुशहाली, समृध्दि तथा अंधकार पर प्रकाश की विजय का पर्व दीपावली लालबर्रा मुख्यालय सहित क्षेत्र में 20 अक्टूबर को उमंग, उत्साह, धार्मिक आस्था एवं हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर घरों व दुकानों में प्रथम पूज्य भगवान श्रीगणेश, माता लक्ष्मी जी, माता सरस्वती जी की शुभ मुहुर्त पर विधि-विधान से पूजा अर्चना की गई। साथ ही घर-घर दीप जले और विद्युत की साज सज्जा से रोशनी की गई। साथ ही मकानों एवं दुकानों में जले दीपों से पूरा नगर मुख्यालय दीपों से जगमग नजर आया। दीपावली के दिन लक्ष्मी पूजा की तैयारियों में 20 अक्टूबर को प्रात:काल से ही बाजार में भारी भीड़-भाड़ रही। लोग माता लक्ष्मी-भगवान श्री गणेश-माता सरस्वती की प्रतिमायें, फोटो, दीया बत्ती, रूई, लाई बताशे, कमल, गेंदे के फूलों की माला, आम के पत्तों का तोरण, सजावट की सामग्री, पूजन सामग्री, नारियल, पटाखा एवं रांगोली आदि की खरीदी करते रहे। शाम होते ही नागरिकों ने अपने घरों में आम के पत्तों का तोरण, केले के पत्ते का बंदनवार, विविध रंगों की मनमोहक झालरें, लड्डू, आकाश दीप, सितारों की सजावट आदि सजाने-लगाने प्रारंभ कर दिये। जिसके पश्चात नये वस्त्र धारण कर घरों व दुकानों में पूजा मुहुर्त पर घर के बड़े-बुजुर्गों ने धन-वैभव की देवी माता लक्ष्मी की पूजा अर्चना की एवं आरती पश्चात मिठाई व प्रसाद का वितरण किया। साथ ही एक-दुसरे को दीपोत्सव पर्व की शुभकामनाएं दी और यह सिलसिला पूरी रात चलता रहा। वहीं लोगों ने एक दूसरे से मिलकर, फोन करके एवं वाट्सअप-एसएमएस करके दीपावली पर्व की शुभकामनायें दी। साथ ही चहुंओर दीपोत्सव की धूम रही। वहीं लक्ष्मी पूजा के पश्चात चारों तरफ छोटे छोटे ब च्चे और उनके परिवारजन अपने घरों के सामने तरह-तरह के फटाखों के साथ नजर आये। पर्व पर अपनी खुशियां जताते हुए एक ओर जहां छोटे ब च्चों ने फुलझड़ियां जलाई। वहीं दूसरी ओर नवयुवकों ने बड़े फटाखे फोड़े और हवाई आतिशबाजियां की जिससे सारा आकाश जगमगा उठा। इस दौर से महिलायें भी अछूती नही रही उन्होने भी अनारदानों एवं गोल फिरकियों से अपने आंगन व रंगोली को रौशन किया।

रांगोली से सजे घर-आंगन, देव जगाने घर-घर पहुंचे अहिर

सुख समृध्दि का प्रतीक दीपावली पर्व पर खास आकर्षण होता है एवं घरों के आंगन में बिखेरे जाने वाले कलात्मक रंग अर्थात रांगोली। प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी दीपावली पर्व के तीसरे दिन लक्ष्मी पूजन के अवसर पर नगर की महिलाओं ने उत्साह से अपने घर के आंगन को सुन्दर-सुन्दर रांगोली से रंग दिया, रांगोली बनाने में युवती एवं महिलाओं में खासा उत्साह देखा गया। उल्लेखनीय है कि लक्ष्मी पूजा पर वर्षों से नगर में सुंदर एवं कलात्मक रांगोलियां उकेरी जाती है। इस मंगल अवसर पर युवतियों एवं महिलाओं ने अपनी काल्पनिक शक्ति के आधार पर मनोरम एवं रोचक रांगोलियों का प्रस्तुतिकरण किया जो नगर में चर्चा का विषय बना रहा। दीपावली पर्व के साथ ही अहीरों के नृत्य का सिलसिला प्रारंभ हो चुका है। दीपावली के दिन देव जगाने के लिए देर शाम अहीरों का जत्था प्रत्येक घरों में नाचते गाते हुए छाहर लेकर पहुंचे, ऐ हई, ओ हऊ' जैसी आवाजें करते हुए डंडे पर मोरी(वनतुलसी) बांधे एवं पारंपरिक वेशभूषा धारण किये हुए अहीर मुख्य आकर्षण का केंद्र रहे। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार घर की शुध्दि एवं देवों की जागृति के लिए यह कार्य अहीरों के द्वारा किया जाता है जिसके बाद आने वाले ग्यारह दिनों तक दीपावली की खुशियां क्षेत्र में बिखरती नजर आयेगी।

पंचतत्व में विलीन हुई कांतिबाई श्रीवास

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय की ग्राम पंचायत पांढरवानी निवासी कौड़ूलाल श्रीवास की पत्नि, योगेश (बंटी) श्रीवास की माताश्री, बालाघाट एक्सप्रेस एवं पद्मेश न्यूज लालबर्रा कार्यालय के कार्यालय सहायक नितेश (भोला) श्रीवास की बड़ी मम्मी 62 वर्षीय श्रीमती कांतिबाई श्रीवास का मंगलवार को दोपहर 12.45 बजे हद्यगति रूक जाने से दु:खद निधन हो गया। जिनका अंतिम संस्कार बुधवार को दोपहर 12 बजे पांढरवानी स्थित मोक्षधाम में शोकाकुल माहौल में किया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार पांढरवानी निवासी 62 वर्षीय श्रीमती कांतिबाई श्रीवास गत माह से अस्वस्थ थी एवं घर पर ही स्वास्थ्य लाभ ले रही थी। मंगलवार को दोपहर 12.45 बजे अचानक तबियत खराब होने एवं हद्यगति रूक जाने से दु:खद निधन हो गया। निधन की खबर लगते ही चित-परिचितों में शोक की लहर व्याप्त हो गई। स्व. श्रीमती कांतिबाई श्रीवास सरल, स्वभाव एवं मृदुभाषी की धनी थी, अपने पीछे एक पुत्र सहित भरापूरा परिवार छोड़ गई है। जिनका अंतिम संस्कार बुधवार को पांढरवानी स्थित मोक्षधाम में शोकाकुल माहौल में किया गया। इस अवसर पर उपस्थितजनों ने दो मिनट का मौन धारण कर मृतात्मा की शांति एवं परिवार को दु:ख सहन करने की शक्ति प्रदान करने ईश्वर से कामना की। इस अवसर पर ग्रामीणजन, स्वजातीय बंधु एवं नाते-रिस्तेदार बड़ी संख्या में उपस्थित है।

देवरी में दिन-रात की मंडई आज

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय से लगभग 6 किमी दूर ग्राम पंचायत देवरी में 23 अक्टूबर को दिन-रात की मंडई का आयोजन किया गया है। तत्संबंध में जानकारी देते हुए देवरी सरपंच प्रतिनिधि मुन्नालाल पटले ने बताया कि प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी 23 अक्टूबर को दूसरी मंडई के अवसर पर ग्रामीणजनों के रात्रिकालीन मनोरंजन के लिए रात 9 बजे से तै मोर रात-रानी आंचलिक छत्तीसगढ़ी लोक कला मंच का छत्तीसगढ़ी कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। जिसमें आंचलिक छत्तीसगढ़ी लोक कला मंच के कलाकारों के द्वारा अपनी प्रस्तुती दी जायेगी। इस अवसर पर क्षेत्रीयजनों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचने की अपील सरपंच प्रतिनिधि मुन्नालाल पटले सहित मंडई समिति के पदाधिकारी, सदस्यगण एवं ग्रामीणजनों ने की है।

अम्मा विद्यादेवी अग्रवाल का शोकाकुल वातावरण में हुआ अंतिम संस्कार

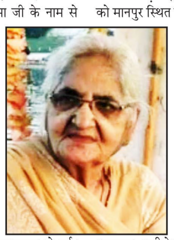

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय पांढरवानी-लालबर्रा निवासी अग्रवाल मिष्ठान के संचालक दीपक अग्रवाल, पूर्व जनपद अध्यक्ष कैलाश अग्रवाल की माताश्री जिसे सभी अम्मा जी के नाम से जानते थे। श्रीमती विद्यादेवी अग्रवाल का सोमवार की शाम में हद्यगति रूक जाने से दु:खद निधन हो गया। जिनका अंतिम संस्कार मंगलवार को प्रात: 11 बजे स्थानीय मोक्षधाम में शोकाकुल माहौल में किया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार अम्मा श्रीमती विद्यादेवी अग्रवाल जी कुछ दिनों से अस्वस्थ थी, सोमवार की शाम में अचानक तबियत खराब होने एवं हद्यगति रूक जाने से दु:खद निधन हो गया। निधन की खबर लगते ही चित-परिचितों एवं परिजनों में शोक की लहर व्याप्त हो गई। आपकों बता दे कि दीपावली की पुर्व संध्या पर हिन्दु धर्म के मान्यतानुसार जो आत्मा दीपावली के दिन शरीर छोड़ती है उसे मोक्ष की प्राप्ति होती है। श्रीमती विद्यादेवी अग्रवाल जो 'जगत अम्मा' के नाम से जिले के समाज के सभी वर्गों में एक पहचान थी। लालबर्रा अग्रवाल मिष्ठान के संस्थापक स्व. बद्रीप्रसाद अग्रवाल जी की धर्मपत्नि के रूप में अपनी पहचान ईमानदारी, इंसानियत, सेवाभाव, सहनशीलता का चोला पहनकर, सामाजिक स्तर पर अपने सेवा - नेत्र शिविर, गायत्री परिवार, महिला मंडल, अखंड रामायण सेवा मंडल, वृध्दा आश्रम में समय-समय पर अपनी उपस्थिति दर्ज की। जो समाज के लिए मील का पत्थर साबित होगी। स्व. श्रीमती विद्यादेवी अग्रवाल सरल, स्वभाव एवं मृदुभाषी की धनी थी, अपने पीछे भरापूरा परिवार छोड़ गई है। जिनका अंतिम संस्कार मंगलवार को मानपुर स्थित मोक्षधाम में शोकाकुल माहौल में किया गया। इस अवसर पर उपस्थितजनों ने दो मिनट का मौन धारण कर मृतात्मा की शांति एवं परिवार को दु:खद सहन करने की शक्ति प्रदान करने ईश्वर से कामना की। वहीं शोकसभा कार्यक्रम को दीवांकर सिंह, विनोद संचेती, श्री शुक्ला, सत्यनारायण श्रीवास, हरिओम अग्रवाल अध्यक्ष ने संबोधित करते हुए कहा कि अम्मा स्व. श्रीमती विद्यादेवी अग्रवाल, बाबूजी स्व. बद्रीप्रसाद अग्रवाल जी जिले को एक दिशा दी है और उनके पुत्र दीपक अग्रवाल, कैलाश अग्रवाल, भतीजे विजय अग्रवाल, गणेश अग्रवाल, नाती अंकित, अमन अग्रवाल से कहा कि आप अम्मा जी के बताये मार्ग पर चले। इस अवसर पर पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती रेखा बिसेन, सांसद श्रीमती भारती पारधी, विधायक श्रीमती अनुभा मुंजारे, पिछड़ा वर्ग कल्याण आयोग सदस्य मौसम बिसेन, कुलाधिपति दीवांकर सिंह, जिला पंचायत सभापति झामसिंह नागेश्वर, डुलेन्द्र ठाकरे, ब्लाक कांग्रेस कमेटी लालबर्रा अध्यक्ष भाऊराम गाड़ेश्वर, जनपद उपाध्यक्ष किशोर पालीवाल, पांढरवानी सरपंच अनीस खान सहित जनप्रतिनिधि, गणमान्य नागरिक एवं नाते-रिस्तेदार बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

नहर में डूबने से एक व्यक्ति की हुई मौत

पीएम करवाकर शव परिजनों को सौंपा, जांच में जुटी पुलिस

पद्मेश न्यूज लालबर्रा। लालबर्रा पुलिस ने अमोली वार्ड नं. 15 निवासी सुरेन्द्र मेश्राम का गत दिवस खारी-डोकरबंदी माइनर नहर से शव बरामद किया है। जिसका पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों को अंतिम संस्कार के लिए सौंप दिया है एवं मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार अमोली निवासी 55 वर्षीय सुरेन्द्र मेश्राम मजदूरी का कार्य करता था, जो रविवार की सुबह मोटरसाइकिल से बिना बताये कही चले गया था। लेकिन देरशाम तक वापस नही आया तो परिजनों ने उसकी आसपास एवं रिस्तेदारी में पतासाजी किये परन्तु कही कुछ पता नही चला। वहीं दुसरे दिन सोमवार की सुबह खारी-डोंकरबंदी माइनर नहर (खारी) रोड़ पुलिया किनारे नहर के अंदर एक व्यक्ति दिखाई दिया। जिसकी जानकारी पुलिस व ग्रामीणों को दी गई। वहीं खारी-डोकरबंदी माइनर नहर पुलिया के समीप एक व्यक्ति का शव दिखाई देने की खबर क्षेत्र में फैल गई और घटना स्थल में लोगों की भीड़ लग गई। जिसके बाद पुलिस घटना स्थल पहुंची और शव को नहर के अंदर से बाहर निकाला गया, जिसकी पहचान अमोली निवासी 55 वर्षीय सुरेंद्र मेश्राम के नाम से की गई। जिसकी सुचना उसके परिजनों को दी गई और ग्रामीणजनों एवं परिजनों की उपस्थिति में पंचनामा कार्यवाही कर लाश को पोस्टमार्टम के लिए लालबर्रा सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र लाया गया। जहां चकित्सक के द्वारा पोस्टमार्टम कर शव परिजनों को अंतिम संस्कार के लिये सौंप दिया गया। बताया जा रहा है की मृतक सुरेंद्र मेश्राम मजदूरी कार्य करता था, जो रविवार की सुबह परिवार को बिना बताये मोटर साईकिल में कही चले गया था एवं रात्रि में खारी से मिरेगॉव की ओर आते रहा होगा। तभी खारी-डोकरबंदी माइनर नहर खारी पहुंच मार्ग नहर के पुलिया के समीप मोटर साईकिल अनियंत्रित होकर नहर में चले गई होगी और पानी में डूबे रहने से उसकी मौत होने की सम्भावना व्यक्त की जा रही है। पुलिस ने मर्ग क़ायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

अमोली, पनबिहरी और मिरेगांव में गाय खिलावन की हुई रस्म

सूपों में लिटाकर नौनिहालों को भगवान गोवर्धन का दिलवाया गया आशीर्वाद

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। दीपावली पर्व के पांचवे दिन 22 अक्टूबर को ग्रामीण अंचलों में गाय खिलावन की रस्म अदा की गई। इसी कड़ी में नगर मुख्यालय से सटी ग्राम पंचायत अमोली, पनबिहरी, मिरेगांव सहित अन्य ग्रामों में अहीर, गोवारे एवं बिंझवार समाज के द्वारा देव जगाने के साथ ही रीति-रिवाजों से गाय खिलावन की रस्म अदा की गई। इस अवसर पर ग्रामीण एवं कृषक अपने-अपने पशुओं को लेकर गांव में स्थित खिल्या मुठिया देव चौक में एकत्रित हुए जहां विधि-विधान से पूजन अर्चन कर आखर को पारंपरिक नियमों के अनुसार बांधा गया। जिसके पश्चात अहीरों एवं गोवारा समाज के व्यक्तियों के द्वारा नाच-गाकर विभिन्न व्यंजनों से तैयार भोज से गौमाता को भोग लगाया गया व पूजन अर्चन पश्चात गाय के बछड़े को कंधे में लेकर गाय की परिक्रमा करने के बाद सुपे में लिटाकर गाय खिलाने की रस्म अदा की गई। जिसके बाद ग्राम के नौनिहालों को रस्म निर्वहन हेतु उपयोग किये गये सुपे में लिटाकर भगवान गोवर्धन का आशीर्वाद दिलवाया गया। यादव समाज के पदाधिकारियों ने बताया कि प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी दीपोत्सव पर्व के 5 वें दिन खिल्या मुठिया देव आखर चौक में गाय खिलावन की रस्म अदा की गई। इस अवसर पर ग्राम के कृषक बंधु अपने-अपने पशुओं को लेकर आखर चौक पहुंचे जहां अहिर, गोवारा, बिंझवार समाज के स्वजातीय बंधु द्वारा खिल्या मुठिया देव की विधि-विधान से पूजा अर्चना कर गाय के बछड़े को खिचड़ी खिलाकर सूपे में लिटाकर गाय खिलवाने की रस्म अदा की गई तत्पश्चात नौनिहाल बच्चों को सूपे में लिटाकर गोवर्धन भगवान का आशीर्वाद लिए एवं पशुधन, उन्नत फसल एवं कृषकों की सुख, समृध्दि की कामना की गई। चर्चा में सुरेन्द्र बनवाले ने बताय कि भारत देश में हिन्दु धर्मालंबियों के द्वारा दीपावली पर्व के 4 वें दिन गोवर्धन पर्व बड़े धार्मिक आस्था एवं हर्षोल्लास के साथ मनाया गया एवं दुसरे दिन गाय खिलावन की रस्म अदा की जाती है। बुधवार को छोटी पनबिहरी में खिल्या मुठिया देव की पूजा अर्चना कर गाय खिलाने की परंपरा का निर्वहन किया गया तत्पश्चात नौनिहाल बच्चों को सुपा पर लिटाकर उन्हे गोवर्धन भगवान का आशीर्वाद दिलवाया गया। इस अवसर पर अमोली, पनबिहरी एवं मिरेगांव में बड़ी संख्या में ग्रामीणजन सहित अहीर, गोवारे एवं बिंझवार समाज के स्वजातीय बंधु बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

आस्थापूर्वक मनाया गया गोवर्धन पर्व

प्रतिवर्ष लक्ष्मीपूजन के दूसरे दिन गोवर्धन पर्व मनाया जाता था। इसी कड़ी में 21 अक्टूबर को सभी हिन्दु धर्मालंबियों के द्वारा धार्मिक आस्थाओं के साथ गोवर्धन पर्व मनाया गया। इस अवसर पर सुबह हिन्दु धर्मालंबियों के द्वारा अपने मवेशियों को स्नान करवाकर रंग लगाये एवं नये दावा, खुड़ी व अन्य सामग्री पहनाकर सजाया गया। साथ ही युवती एवं महिलाओं के द्वारा आंगन में आकर्षक रांगोली उकेरी गई एवं गोबर से गोवर्धन भगवान बनाया गया। जिसकी पूजा अर्चना की गई जिसके बाद मवेशियों का तिलक वंदन एवं पूजा अर्चना कर घरों में बने विभिन्न पकवानों का भोग लगाकर उनका आशीर्वाद प्राप्त किये।

बजरंग मंदिर में की गई अन्नकूट पूजा

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय स्थित बजरंग मंदिर में दीपावली पर्व के पांचवे दिन 22 अक्टूबर को दोपहर 12 बजे अन्नकूट पूजा की गई। इस अवसर पर पंडित के द्वारा विधिवत मंत्रोचारण के साथ पूजा पाठ संपन्न करवाई गई एवं भगवान श्री हरि को भोग लगाकर महाप्रसादी का वितरण किया गया। वहीं उपस्थित श्रध्दालुओं ने महाप्रसादी ग्रहण कर पुण्य लाभ अर्जित किये। बजरंग मंदिर पदाधिकारी बैजनाथ शर्मा ने बताया कि प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी दीपावली पर्व के अवसर पर बजरंग मंदिर में अन्नकूट पूजा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर श्रध्दालुओं ने मंदिर में विधि-विधान से पूजा-अर्चना किये तत्पश्चात आरती की गई। जिसके बाद भंडारा रूपी महाप्रसादी का वितरण किया गया और उपस्थित श्रध्दालुओं ने भंडारारूपी महाप्रसादी ग्रहण कर धर्मलाभ अर्जित किये। इस अवसर पर मंदिर समिति के पदाधिकारी एवं श्रध्दालुजन बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

पांढरवानी पंचायत में मतदाता सूची में नाम जोड़ने, काटने, संशोधित का कार्य जारी - अनीस

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी के निर्देशानुसार गत दिवस से पंचायतों की फोटोयुक्त मतदाता सूची के वार्षिक पुनरीक्षण करने के साथ ही मतदाताओं के नाम जोड़ने, काटने एवं संशोधित करने का कार्य जारी है और यह 24 अक्टूबर तक किया जायेगा। इसी निर्देश के परिपालन में ग्राम पंचायत पांढरवानी में भी मतदाता सूची में नाम जोड़ने, काटने एवं नाम में संशोधित करने का कार्य जारी है। चर्चा में पांढरवानी सरपंच अनीस खान ने बताया कि कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी के निर्देशानुसार पंचायत में फोटोयुक्त मतदाता सूची वार्षिक पुनरीक्षण 2025 की तैयारी की जा रही है। इसी कड़ी में गत 8 अक्टूबर से 24 अक्टूबर तक पांढरवानी पंचायत में मतदाताओं का नाम जोड़ने, काटने एवं संशोधित करने का कार्य किया जा रहा है जिसे महज 2 दिन बचे है। इसलिए पंचायत क्षेत्र के मतदाताओं से अपील है कि वे समयावधि पर मतदाता सूची में नाम जोड़ने, कटवाने एवं संशोधित करवाने का कार्य करवाये। साथ ही यह भी बताया कि दावा आपत्ति केन्द्र पर दावे की आपत्ति 24 अक्टूबर को दोपहर 3 बजे तक किया जायेगा एवं दावा आपत्ति आवेदन पत्रों के निराकरण की अंतिम तिथि 4 नवंबर 2025 है।

खिल्या मुठिया देव में गाय खिलाई गयी

मंडई-मेलों का शुरू हुआ दौर

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी।
पंचपर्व के समाप्त होते ही पारंपरिक त्यौहार मंडई मेलों के सिलसिले के रूप में शुरू हो गये हैं। यह त्यौहार ग्रामीण अंचल में खास तौर से प्रारंभ होते हैं। इस त्यौहार का प्रारंभ जाति वर्ग विशेष के लोग डार जगाकर करते हैं। नगर सहित ग्रामीण क्षेत्रों में २२ अक्टूबर को पांच दिवसीय दीपोत्सव पर्व के पांचवे दिन गाय खिलावन की रस्म अदा की गई। जिसके साथ ही मंडई मेलों का दौर प्रारंभ हो गया है।

अचानक जगाये जाते हैं गौ वंश

दीपावली के पंचपर्व के बाद गोवर्धन पूजा करने के बाद ग्वालों की टोली के द्वारा विधि विधान के साथ डार जगाते है। यह डार एक मोर पंख की होती है जो विशेष गमछे के सहारे ढाल के रूप में बनाई जाती है। रात्रि के चौथे पहर के प्रारंभ में ग्वाल अचानक गौवंश के सहन में जाते हैं और एक विशेष प्रकार की आवाज देते हैं। इस आवाज से गौवंश अचानक उठ खड़ा होता है। गौवंश के अचानक उठ खड़े होने की इस विधि को ही डार जगाना कहा जाता है।

वारा माता मंदिर परिसर में खेली गाय

ग्राम पंचायत वारा के माता मंदिर स्थिति खिल्या मुठ्या देव परिसर में धार्मिक मान्यता अनुरूप गाय खिलाई गई। जिसमें सर्वप्रथम परिसर में विशेष पूजा अर्चना कर भगवान कृष्ण की आरती की गई। इस दौरान बड़ी संख्या मे लोगों ने अपनी उपस्थिति दर्ज करवाई यहां पर गोवारी समाज के लोगों ने पहुंचकर गाय की पूजा अर्चना की और इसके बाद लोगों ने एक दूसरे को बधाई दी। इसमें सामाजिक बंधुओ ने बताया कि प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी गाय खिलावन की रस्म अदा की गई है । जिसमें पहले डार निकालकर ग्राम भ्रमण किया गया। जो खिल्या मुठ्या देव परिसर पहुंची जहां पर विधि विधान से देव की पूजा अर्चना कर गाय को खिचड़ी खिलाकर भोग लगाया गया। तत्पश्चात गाय की पूजा कर गोवर्धन पर गाय को चलाकर गाय खिलावन की रस्म अदा की गई। यह रश्म पूर्वजों से की जा रही है इंद्रदेव ने अतिवृष्टि की थी इस दौरान भगवान कृष्ण ने ग्रामीणों को बचाने के लिए भगवान गोवर्धन को उठाया था। उन्होंने गोवर्धन पूजा जो चालू की थी उसे हम हर वर्ष करते आ रहे हैं। इस अवसर पर जनप्रतिनिधि ग्रामीण सहित स्वजातीय बंधु उपस्थित रहे।

गोवारी समाज सेवा समिति ने की पूजा अर्चना

स्थानीय वार्ड नंबर १२ में खिल्या मुठ्या देव में नगर के गोवारी समाज सेवा समिति के लोगों ने पहुंचकर विधि विधान के साथ गाय खिलावन की रस्म पूरी की। यहां पर सुसज्जित डार को लेकर गोवारी समाज के लोग पहुंचे। गोबर के पुतले को गाय ने रौंदा और उसके बाद बच्चों को गोबर पर लिटाकर उसका तिलक किया गया। वहीं उपस्थित गणमान्य नागरिकों को गोवारी समाज के लोगों ने गोबर से तिलक किया। सैकड़ों की संख्या में यहां पर लोगों ने अपनी उपस्थिति दर्ज करवायी और आरती कर मंडई मेलों की शुरूआत की। नगरीय क्षेत्रों से ज्यादा ग्रामीण क्षेत्रों में मंडई मेलों का दौर होता है। प्रत्येक ग्राम की अपनी अपनी तिथि होती है जिसमें मंडई का आयोजन होता है। यह आयोजन ग्राम प्रमुख के हस्ते प्रारंभ होता है। इसमे ग्वालों की टोलियां समुद्र से उत्पन्न कौडियों और मोर पंखों से श्रृंगार करते हैं और घर घर जाकर ग्वाल नृत्य करते हैं। मंडई और मेलों में खास तौर से प्रमुख आकर्षण का केन्द्र यही ग्वाल नृत्य होता है। ग्रामीण अंचलों में शुरू हुई मंडई और मेलों में लोगों के मनोरंजन की परंपरा आज भी उसी रूप में जीवित है। पुरातन समय में ड्रामा और डंढार मनोरंजन के साधन हुआ करते थे इसमें एक आमूल परिवर्तन हो गया है। यह परिवर्तन पड़ोसी राज्य छत्तीसगढ़ से हुआ है मध्यप्रदेश में छत्तीसगढ़ी नाच अब परंपरा में शामिल हो गया है जिसका लोग भारी संख्या में आनंद उठाते है। सदस्यों ने बताया कि परंपरिक रूप से डार का भ्रमण करवाकर खिल्या मुठ्या देव की पूजा अर्चना कर परिसर में गोवर्धन का पुतला बनाकर गाय खिलाई गई। यह परंपरा पूर्वजों से उक्त स्थान पर चली आ रही है जिसका निर्वाहन किया जा रहा है। इस अवसर ग्वालवंशी सहित स्वजातीयबंधु व गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

सिकंद्रा में गौ पूजा का हुआ आयोजन

ग्राम पंचायत सिकंद्रा में धार्मिक मान्यता अनुरूप गाय खिलाने की रश्म अदा की गई। इस दौरान ग्राम के पटेल टोला स्थित आखर मैदान में खिला मुठिया देव की विशेष पूजा अर्चना करने के उपरांत ग्राम का भ्रमण किया गया। तत्पश्चात आखर मैदान में उपस्थित होकर गवारी समाज के सदस्यों के द्वारा भगवान गोवर्धन के पुतले के ऊपर गाय बच्चे को पटक कर गाय को चलवाया गया इस प्रकार गाय खिलाई गई। सभी ने भगवान गोवर्धन के गोबर का तिलक कर एक दूसरे को शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर बड़ी संख्या में स्वजातीय बंधु सहित जनप्रतिनिधि व ग्रामीण जन मौजूद रहे।

पारंपरिक नृत्य पर झूमे ग्वालवंशी

गोवारी समाज के द्वारा क्षेत्र के विभिन्न स्थानों पर बुधवार को गाय खिलावन की रस्म खिल्या मुठ्या देव परिसर में अदा की गई। इस दौरान समाज के लोग पारंपरिक शायरी बोलकर बाजे पर जमकर नृत्य किया जो आकर्षण का केन्द्र बना रहा।

वारासिवनी अंचल में हर्षोल्लास से मनाया गया दीपोत्सव का पर्व

जमकर की गई आतिशबाजियां, रंगोली से सजे घर आंगन

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी।
हिन्दु धर्मालंबियों का ५ दिवसीय पर्व धनतेरस पर्व के साथ प्रारंभ हो गया है। इस प्रकाश पर्व के तीसरे दिन सोमवार को नगर सहित ग्रामीण क्षेत्रों में हिन्दु धर्मालंबियों के साथ गैर धर्मालंबियों ने लक्ष्मी पूजा पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया। कार्तिक माह में कृष्ण पक्ष की अमावस्या की रात्रि में धन की देवी लक्ष्मी की पूजा नगर में घर घर और प्रतिष्ठानों मे संपन्न हुई। इस अवसर पर सभी ने एक दूसरे को बधाई प्रेषित की।

सभी जगह पूजी गई महालक्ष्मी

नगर में देर शाम से ही नगर के हर हिस्से में मां लक्ष्मी के पूजन की तैयारी प्रारंभ हुई और शाम से ही दीपक से सभी ने अपने आंगन व मकानों को रौशन किया। जिसके बाद विधि विधान से पूजा अर्चना कर धन की देवी लक्ष्मी जी को प्रसन्न किया गया। इस अवसर पर बच्चे सहित युवा व बड़ों ने जमकर आतिशबाजियां कर दीपोत्सव का पर्व मनाकर पर्व का आनंद लिया।

उत्साह के साथ हर वर्ग ने मनाया पर्व

हिन्दु धर्मालंबियों का सबसे बड़ा पर्व दीपावली है इस पर्व की सभी को बेसब्री से इंतेजार रहता है और धन की देवी लक्ष्मी का प्रकाश पर्व पर लोगों ने साज सज्जा से सजे घरों में जहां रौशनी का व्यापक प्रबंध किया। वहीं लोगों ने अपने आंगन में मनमोहक रांगोली उकेरी जो मनमोहक थी। मुख्य मार्ग सहित गैर वार्डों में हर वर्ग के लोगों ने अपने अपने स्तर पर मां लक्ष्मी को प्रसन्न करने के लिये विशेष पूजा की और इस पर्व को उत्साह के साथ मनाया।

इन दुकानों में रही भीड़

५ दिवसीय पर्व के तीसरे दिन यानि लक्ष्मी पूजा को नगर में स्थित कपड़ा दुकान, बर्तन, ज्वेलर्स, मिठाईयां, मनहारी, रांगोलियां सहित अन्य दुकानों में इस मर्तबा भीड दिखाई दी। वहीं नगर के वीरांगना रानी अवंती बाई स्टेडियम परिसर में लगे पटाखा दुकानों में भी अच्छी भीड़ रही। जहाँ लोगो ने हर्ष उल्लस के साथ पर्व की खरीदी की गई।

रंगोली से सजे घर आंगन

सुख समृध्दि का प्रतीक दीपावली पर्व पर खास आकर्षण होता है एवं घरों के आंगन में बिखेरे जाने वाले कलात्मक रांगोली लक्ष्मी पूजन के अवसर पर नगर की महिलाओं ने उत्साह से अपने घर के आंगन को सुन्दर सुन्दर रांगोली से रंग दिया। रांगोली बनाने में युवती एवं महिलाओं में खासा उत्साह देखा गया। लक्ष्मी पूजा पर नगर में सुंदर एवं कलात्मक रांगोलियां उकेरी गयी। इस दौरान जैन भवन एवं गुरुनानक धर्मशाला में उकेरी गई रंगोली आकर्षण का केंद्र रही जो बहुत बड़ी रंगोली थी। जिसे कलाकार के द्वारा कड़ी महेनत से तैयार किया गया था। जिसमें जैन भवन में महान संत प्रेमानंद महाराज के छायाचित्र की रंगोली उकेरी गई तो वहीं गुरु नानक धर्मशाला में महाभारत युद्ध के दौरान भगवान कृष्ण को बर्बरीक के द्वारा दिए गए शीश दान की रंगोली उकेरी गई थी।

देर रात तक होती रही आतिशबाजी

नगर सहित क्षेत्र में लोगों ने अपने घरों और प्रतिष्ठानों में माता लक्ष्मी की पूजा करने के उपरांत देर रात तक आतिशबाजी करने का दौर जारी रहा। जहां पर गली चौक चौराहे पर लोगों के द्वारा आतिशबाजी की जाती रही। वहीं युवाओं की टोलिया नगर में घूम.घूम कर चौराहे पर आतिशबाजी करती हुई दिखाई दी। यह आतिशबाजी का क्रम लगातार जारी रहा जिसमें युवाओं सहित सभी वर्ग के लोगों ने जमकर आंनद मनाया।

गोवर्धन पूजा में शामिल हुए विधायक पटेल

गौशाला में पशुओं की देखरेख नहीं होने कारण हो रही मौते-विवेक पटेल

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी।
वारासिवनी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत बिठली गौशाला में गोवर्धन पूजा का पर्व बडे ही उत्साह के साथ मनाया गया। जहाँ विधायक विवेक पटेल और जनपद सीईओ दीक्षा जैन मौजूद रहे। जिसके पश्चात विधायक विवेक पटेल के द्वारा गौ माता की पूजा अर्चना व आरती उतारकर उन्हें चारा खिलाया। वहीं सरपंच के द्वारा गौ शाला में विधायक पटेल से टिन सेड बनवाने की मांग की गई। विधायक पटेल ने आश्वस्त किया की बहुत जल्द गौ शाला परिसर में टिन सेड का निर्माण किया जयेगा । इस दौरान जनपद सीईओ दीक्षा जैन, फागुलाल मरठे, विनोद अमूले, झामसिंह बिसेन, राजकुमार चौधरी,सत्तू बिसेन, धरमचंद पारधी, महेंद्रसिंह परिहार, श्याम पटले,सुरेन्द्र शरणागत,परमानंद ऐरपुडे,देवलाल परते,चित्रसेन बिसेन सहित ग्रामवासी मौजूद रहे।

विधायक विवेक पटेल ने कहा की कमलनाथ जी जब प्रदेश के मुख्यमंत्री थे तब प्रदेश में गाय की सुरक्षा और देखरेख के लिए प्रदेश में हजारो गौ शाला खोली गई थी और उन्ही के कार्यकाल में ग्राम बिठली में गौ शाला खोला गया था। उनका उदेश्य था की जो गाय को जो पाल नहीं सकते उन्हें गौ शाला लाना और समिति उनकी सेवा करती थी। गाय से समिति को आय भी प्राप्त होती थी मगर अभी की भाजपा सरकार के राज गौ शाला की स्थिति दयनीय हो चुकी है। प्रदेश में कई गौ शाला बंद हो गई है भाजपा के राज में गाय की रक्षा नहीं होने के कारण उनकी हत्या हो रही है। गौ शाला में व्यवस्था नहीं होने के कारण भूख से गाय की मौते हो रही है। जिन समिति के द्वारा गौ शाला की देखभाल किया जाता था नुकसान होने के कारण कई समिति ने अपना काम बंद कर दिया है। भाजपा जमीन में कार्य नहीं करती सिर्फघोषणा करती है इसलिए उन्हें घोषणा वीर सरकार भी करते है।

दीपावली अज्ञात पर अपराध दर्ज

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी।
नगर सहित क्षेत्र में पांच दिवसीय दीपावली पर्व हर्ष उल्लास के साथ हर व्यक्ति के द्वारा मनाया जा रहा है। ऐसे में कुछ स्थानों पर हुड़दंग की दीपावली भी देखने को मिली है। जहां पर अज्ञात सामाजिक तत्वों के द्वारा सड़कों पर फटाखे जलाकर फेके जा रहे हैं। जिससे लोगों को आवागमन करते समय दिक्कत का सामना करना पड़ा है। ऐसा ही एक मामला नगर

के जय स्तंभ चौक में दीपावली के तीसरे दिन लक्ष्मी पूजा के अवसर पर रात्रि करीब ९ बजे के बाद देखने को मिला। जहां कुछ युवकों के द्वारा एकत्रित होकर दीपावली पर आतिशबाजी की जा रही थी। जहां पर उनके द्वारा सड़क पर तिरछे रॉकेट लगाकर और बड़े बम को हवा में उछालकर फोड़ने का कार्य किया जा रहा था। जहां पर लालबर्रा रोड़ से जय स्तंभ चौक की तरफ अपनी मोटरसाइकिल में शुभम पिता विजय जैन अपनी पत्नी दीक्षा जैन और बच्चे के साथ भ्रमण करते हुए आ रहे थे। तभी रॉकेट मोटरसाइकिल सवार दीक्षा जैन से जाकर टकरा गए। इसमें उनकी साड़ी जलने के साथ गर्दन पर चोट आ गई तो वहीं बालक को भी चोट आई। शुभम जैन के द्वारा मौके पर जमकर आक्रोश व्यक्त किया गया तो वहीं पुलिस थाने में सामाजिक बंधुओ एवं परिवार के साथ उपस्थित होकर घटना की शिकायत की गई। प्रार्थी शुभम जैन की शिकायत पर पुलिस के द्वारा भारतीय न्याय संहिता की धारा के तहत अज्ञात लोगों के खिलाफ अपराध दर्ज कर जांच प्रारंभ कर दी गई है।

पंचायत सचिव एवं रोजगार सहायक संगठन ने सौंपा ज्ञापन

मारपीट के मामले में ठेकेदार पर कठोर कार्यवाही करने की मांग

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी।
म.प्र. ग्राम पंचायत सचिव एवं सहायक सचिव संगठन जनपद पंचायत वारासिवनी के द्वारा २२ अक्टूबर को पूर्व केबिनेट मंत्री प्रदीप जायसवाल,मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत , अनुविभागीय अधिकारी राजस्व ,अनुविभागीय अधिकारी पुलिस वारासिवनी सहित अन्य प्रशासनिक अधिकारियों को ज्ञापन सौंपकर संजय पंचभाये सचिव ग्राम पंचायत नरोडी के साथ नल जल योजना हस्तांतरण का दबाव बनाकर मारपीट करने वाले ठेकेदार के विरूद्ध कठोर कानूनी कार्यवाही करने मांग की गई है।

ज्ञापन में बताया कि ग्राम पंचायत नरोडी में पदस्थ सचिव संजय पंचभाये के साथ सोमवार को दीपावली के दिन प्रात: ११ बजे नल जल योजना के ठेकेदार शैलेन्द्र पटेल के द्वारा नल जल योजना को हस्तांतरण में लेने का दबाव बनाकर संजय पंचभाये के स्थित अस्थाई निवास के सामने गाली गलौच कर मारपीट की गई। जिसकी लिखित प्रथम सूचना पुलिस थाना वारासिवनी में सीसीटीवी फुटेज सहित दर्ज करा दी गई है। चूंकि उक्त आपराधिक घटना संजय पंचभाये के परिवार की आंखो के सामने घटित हुई है । जिससे ग्राम पंचायत सचिव की मानहानि हुई है तथा सार्वजनिक रूप से सामाजिक प्रतिष्ठा धुमिल हुई है। ठेकेदार के द्वारा कारित घटना शासकीय कार्य में बाधा पहुंचाते हुए मानसिक रूप से प्रताडित करने का कार्य किया गया है।

उक्त घटना के सीसीटीवी साक्ष्य उपलब्ध कराने के बाद भी पुलिस थाने के द्वारा सामान्य धारा में अपराध पंजीबद्ध किया गया है। संजय पंचभाये सचिव ग्राम पंचायत के द्वारा यह भी जानकारी दी गई की उक्त ठेकेदार के द्वारा ग्राम पंचायत नरोडी और नारवंजपार में नल जल के अंतर्गत कार्य किया है। जिसमे ग्राम नारवांजपार एंव नरोडी की नल जल के हस्तांतरण के संबंध में पंचायत भवन में आकर भी गाली गलौच एंव धमकी दी गई है। ग्राम पंचायत सचिव के साथ अप्रत्याशित रूप से हुई आपराधिक घटना से खंण्ड के सचिवों में आक्रोश व्याप्त है। सचिव संजय पंचभाय ने बताया कि लक्ष्मी पूजा के दिन की है घटना है मैं पूजा सामग्री लेने में अपनी बच्ची के साथ जाने वाला था। तभी घर पर मेरे शैलेंद्र पटेल नल जल योजना का ठेकेदार आ गया वह आते ही मुझे अनापत्ति प्रमाण पत्र मांगने लगा। मैंने कार्य पूर्ण करने कहा फि र पंचायत में एनओसी दूंगा घर पर नहीं यह बात बोलने पर चीड़ गया और मेरे साथ मारपीट कर दिया। मेरे घर पर मारपीट हुई जिससे पूरा परिवार सदमे में है इसके लिए प्रताड़ित किया जा रहा था। पंचायत में भी दबाव बनाया गया परंतु मैं किसी को नहीं बताया। सचिव संगठन के ब्लॉक अध्यक्ष लिखनलाल ठाकरे ने बताया कि सचिव साथी के साथ नल जल योजना के ठेकेदार ने घर में जाकर गाली गलौज कर जान से मारने की धमकी देकर मारपीट की है। इसकी रिपोर्ट तो हो गई है इस संबंध में हम अपने प्रशासनिक अधिकारियों को ज्ञापन देने के लिए आए हुए थे। इसमें हमने मांग की है कि आरोपी पर कठोर कार्यवाही की जाए नहीं तो रोजगार सहायक और सचिव संगठन काम बंद कलमबद हड़ताल करने के लिए बाध्य होगा।

इनका कहना है

मेरे द्वारा ग्राम पंचायत नरोड़ी में जल जीवन मिशन के तहत काम किया गया अप्रैल २०२५ में कार्य पूर्ण हो गया। इसके बाद ट्रायल का पानी भी ग्रामीणों को वितरण किया गया था। परंतु सरपंच मुन्ना राण और सचिव संजय पंचभायें की मनसा ठीक ना होने से योजना हैंडोवर नहीं ली जा रही है। इस संबंध में एसडीओ पीएचई ने पत्र ग्राम पंचायत को ८ सितम्बर २०२५ को जारी किया था की योजना लेकर पानी वितरण किया जाए ताकि ग्रामीणों को लाभ मिले। यह लेटर मिलने के बाद मुझे सचिव संजय पंचभायें के द्वारा घर पर बुलाया गया था। जहां मैं पहुंचा और सचिव को बोला कि अप्रैल २०२४ को मेरा काम पूर्ण हो गया है। तो उसने योजना हैंडोवर लेने के लिए एक लाख रूपये की मांग की जिसे देने से मैंने मना कर दिया वह मुझे कहने लगा कि और तुम्हें और टलाऊंगा पांच साल तक एनोसी नही दुंगा। इसके साथ गाली भी दी और कॉलर पकड़ा तो मैंने मारपीट नहीं किया आत्मरक्षा का प्रयास किया। इनकी मनसा रुपए लेने की है जनहित में पानी देने की नहीं है ।नारवंजपार में भी पानी नहीं दिया है एक वर्ष हो गया है जो काम पुरा हो गया है। जनहित में इनकी कोई मंशा नहीं है सरपंच के द्वारा पिछली बार भी नल जल के पानी से खेत की सिंचाई की गई थी। उसमें मोटर भी खराब हो गई अब यह व्यक्तिगत काम करेंगे और इसमें कोई टूट फुट होती है तो यह मेरी जिम्मेदारी नहीं होगी उनके द्वारा लगायें गये सभी आरोप निराधार है।

शैलेन्द्र पटेल
ठेकेदार

सचिवों के द्वारा ज्ञापन दिया गया है कि नल जल ठेकेदार ने सचिव के साथ मारपीट की है। इसमें हमने एसडीओ पुलिस को भी आवेदन देने के लिए उन्हें कहा है ताकि पुलिस और राजस्व दोनों के सामंजस्य से दोषी पर कठोर कार्रवाई की जा सके। नल जल योजना का काम बचा हुआ था उसके पहले ही अनापत्ति मांगी जा रही थी जिसको लेकर यह विवाद हुआ है।

कार्तिकेय जायसवाल
एसडीएम वारासिवनी

गौ पालन को प्रोत्साहन देकर दूध क्रांति के माध्यम से किसानों को आत्मनिर्भर बना रही सरकार-प्रदीप

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। वारासिवनी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम बिठली के श्री बालाजी गौशाला में गोवर्धन पूजा में शामिल होकर पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल ने गाय खेलने के उत्सव की शुरुवात की। साथ ही किसान वर्ग को दूध उत्पादन के फायदे बताकर प्रदेश सरकार की विभिन्न योजनाओं की विस्तार से जानकारी भी दी। इस दौरान जिला भाजपा उपाध्यक्ष किशोर अमुले,जं.प. सीईओ दीक्षा जैन,सरपंच फागुलाल मरठे ,श्री बालाजी गौ संवर्धन समिति के सदस्यों की मौजूदगी में प्रारंभ किया गया। पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल ने कहा की प्रदेश सरकार के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने अनेकों योजनाओं के माध्यम से गौ पालन को प्रोत्साहन दिया है। राष्ट्रीय स्तर पर दूध उत्पादन की दर ९ से बढ़ाकर २० प्रतिशत की ओर ध्यान केंद्रित कर दिया गया है। जिसके लिये विभिन्न योजनाओं के माध्यम से सब्सीडी व अनुदान भी दिया जा रहा है। श्री जायसवाल ने कहा की दूध क्रांति के आने से गौ शाला व किसानों को भी सीधा लाभ नजर आएंगे। हमने पहले ही बिठली मोहगांव आदि क्षेत्रों में सड़कों,पुल का निर्माण,बिठली में गौ शाला बनाकर आदर्श ग्राम पंचायत की ओर तेज कदम बढ़ा दिए है। भाजपा जिला उपाध्यक्ष किशोर अमूले ने कहा की प्रदेश सरकार ने डॉ आंबेडकर गौ संवधर्न योजना के माध्यम से युवाओं को रोजगार देने का सफल प्रयास किया है। इसमे ४० प्रतिशत तक की सब्सीडी मिल रही है साथ ही किसानो को १० गाय या भैंस पालने पर अनुदान देने की जनकल्याणकारी योजनाओं भी शुरू कर दी गयी है। और तो और पशु चिकित्सा विभाग की ओर से मिल्क रूट बनाने का कार्य भी शुरू किया जा रहा है। जिससे दूध के उत्पादन को बढ़ाकर किसानो को आत्मनिर्भर बनने की दिशा की ओर अग्रसर किया जा सके। कार्यक्रम के पूर्व गाय माता की पूजा के बाद गौ शाला की स्थिति को मजबूत करने के विषय में विशेष मंत्रणा भी की गयी। इस अवसर पर आर. एस. नगपुरे, डॉ. योगेंद्र घोड़ेश्वर, धरम चंद पारधी,परमानन्द एरपुड़े, विनोद अमुले, कोमेंद्र बिसेन , चित्रसेन बिसेन ,सुरेन्द्र शरनागत,अनीश मिश्रा उपस्थित रहे।

संपादकीय

वादों की गलबंहियां और होड़

पिछले कुछ वर्षों से देश के राजनीतिक दलों के लिए जैसे-जैसे वास्तविक मुद्दों पर आम जनता का समर्थन हासिल करना मुश्किल होता गया है, लोगों के सामने कोई सुविधा या सामान मुफ्त देने का वादा करके उन्हें अपनी ओर आकर्षित किया जाने लगा है। वोट हासिल करने की मंशा से स्कूटी, टीवी या लैपटाप या फिर कुछ राशि देना हो या फिर कोई अन्य सामान, मकसद यह होता है कि लोगों को मुफ्त मुहैया कराने का वादा किया जाए, ताकि वे मुद्दा आधारित राय बनाने की ओर ध्यान न दें। यही वजह है कि लगभग हर चुनाव के पहले जनता को कोई सुविधा मुफ्त दिलाने के लिए राजनीतिक दलों के बीच एक तरह से होड़ लग जाती है। हालांकि इस तरह के चलन ने लोकतांत्रिक मूल्यों को गहरे स्तर पर प्रभावित किया है और इससे लोभ-आधारित मतदान की प्रवृत्ति को बढ़ावा मिलने के खतरे पैदा हुए हैं। यों इस मसले पर सुप्रीम कोर्ट भी कह चुका है कि सरकारी धन का उपयोग बुनियादी ढांचे को मजबूत बनाने और विकास कार्यों में होना चाहिए, न कि चुनावों में वोट बटोरने की मंशा से मुफ्त की सौगातों पर खर्च करने के लिए।

> आखिर क्या कारण है कि बिहार सहित देश भर में जहां भी इस तरह के मुफ्त की सौगात जनता को देने के वादे किए जाते हैं, उनका समय हर बार चुनाव से पहले का वक्त होता है!

विडंबना यह है कि एक ओर सरकारें जन-कल्याण कार्यक्रमों के लिए धन जारी करने को लेकर कई तरह के बहाने बनाती रहती हैं, दूसरी ओर सत्ता में वापसी या उसे हासिल करने के लिए व्यापक पैमाने पर मुफ्त की कोई सुविधा मुहैया कराने के वादे किए जाते हैं। एक तरह से यह जनता को दिया जाने वाला लालच है, जिसके जरिए बुनियादी सुविधाओं और अन्य जरूरी मुद्दों पर पर्दा डाला जाता है। हाल के वर्षों में चुनावों में जीत हासिल करने के लिए अमूमन हर पार्टी ने इस मुफ्त के औजार का इस्तेमाल किया है और बिहार में निवृतमान नीतीश कुमार की सरकार अब इसका अपवाद नहीं है। गौरतलब है कि चुनाव पूर्व सरकार ने आम घरेलू उपभोक्ताओं को एक सौ पच्चीस यूनिट तक मुफ्त बिजली देने की घोषणा की है। यह फैसला अगले महीने से लागू हो जाएगा। इससे पहले नीतीश कुमार ने सामाजिक सुरक्षा के तहत मिलने वाली पेंशन की राशि में भी बढ़ोतरी कर दी थी। जाहिर है, बिहार में इस तरह की घोषणाओं की पृष्ठभूमि में अगले कुछ दिनों के भीतर होने वाले विधानसभा चुनाव हैं। हालांकि बिजली मुफ्त मुहैया कराने के मसले पर नीतीश कुमार की राय अलग थी, लेकिन ऐसा लगता है कि अब उन्हें भी जनता के सामने मुफ्त की रेवड़ियों का सपना दिखाने में कोई हिचक नहीं हो रही।

आखिर क्या कारण है कि बिहार सहित देश भर में जहां भी इस तरह के मुफ्त की सौगात जनता को देने के वादे किए जाते हैं, उनका समय हर बार चुनाव से पहले का वक्त होता है! सड़क, शिक्षा-व्यवस्था, रोजगार आदि के मसले पर खर्च का सवाल आते ही धन की कमी का रोना वाली सरकारों को अपने अधिकार के क्षेत्र के सभी लोगों के लिए किसी सुविधा को मुफ्त करने का वादा करने में कोई हिचक नहीं होती। जबकि अगर न्यायपूर्ण आय और उचित खर्च के स्तर को बनाए रखा जाए, रोजगार के सवाल पर ईमानदार इच्छाशक्ति से काम किया जाए, तो लोगों की क्रयशक्ति को इतना मजबूत जरूर बनाया जा सकता है कि उन्हें मुफ्त सौगात की जरूरत नहीं पड़े। अफसोस यह भी है कि लोगों की आर्थिक स्थिति में सुधार करने के बजाय सरकारें उनमें परनिर्भरता की आदत डालने में ज्यादा रुचि दिखा रही हैं। इस क्रम में जनकल्याण की जिम्मेदारी के तहत किए जाने वाले कार्यों और मुफ्त की रेवड़ियों में फर्क मिटाने की कोशिश की जा रही है।

नवाचार की राह पर आगे बढ़ता भारत

केंद्र सरकार की ओर से हाल में मंजूर की गई शोध, विकास और नवोन्मेष योजना पचास वर्ष के लिए ब्याज मुक्त ऋण अनुदान उपलब्ध कराएगी। यह योजना अनुसंधान एवं विकास कार्यों को प्रोत्साहित करने और नवाचार को बढ़ावा देने की लिहाज से महत्त्वपूर्ण पहल है।

केंद्र सरकार ने हाल ही में एक लाख करोड़ रुपए की शोध, विकास और नवोन्मेष (आरडीआइ) योजना को मंजूरी दी। यह शोध और विकास में निवेश के लिए बड़े प्रोत्साहन के रूप में है। खास बात यह भी है कि इस योजना के तहत प्रधानमंत्री की अध्यक्षता वाला अनुसंधान नेशनल रिसर्च फाउंडेशन पचास वर्ष के लिए ब्याज मुक्त ऋण अनुदान उपलब्ध कराएगा। यह कोष अनुसंधान एवं विकास के लिए वित्तीय मदद प्रदान करेगा और नवाचार के व्यावसायीकरण के लिए धन देगा। यह व्यवस्था वैश्विक भारतीय प्रतिभाओं को आकर्षित करने और उन्हें भारत में प्रयोगशालाएं स्थापित करने की अनुमति देने की योजनागत सफलता के लिए महत्त्वपूर्ण होगी।

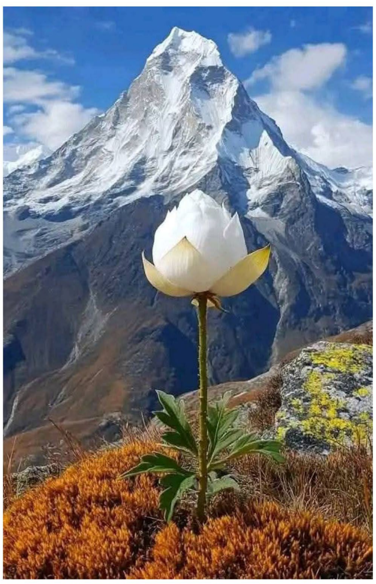

भारत में सरकार और निजी क्षेत्र का शोध एवं विकास में निवेश लंबे समय से चिंता का विषय रहा है। अभी भारत के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में शोध और विकास की हिस्सेदारी करीब 0.70 फीसद है। यह हिस्सेदारी अमेरिका, जापान और चीन जैसे देशों की दो से पांच फीसद हिस्सेदारी के मुकाबले बहुत कम है। साथ ही देश के तेज विकास के लिए भी अपर्याप्त है। इस योजना से शोध के रणनीतिक और उभरते क्षेत्रों को आवश्यक जोखिम पूंजी प्राप्त होगी। योजना का दायरा ऊर्जा सुरक्षा से लेकर क्वांटम कंप्यूटिंग, रोबोटिक्स, जैव प्रौद्योगिकी और कृत्रिम मेधा (एआइ) तक होगा। पिछले साल जुलाई के बजट में इस योजना की घोषणा की गई थी। अथ आरडीआइ में निजी क्षेत्र के निवेश को बढ़ावा देने के वास्ते कम या शून्य ब्याज दर पर लंबी अवधि के लिए धनराशि प्राप्त करने की सुविधा मुहैया होगी। देश में शोध एवं अनुसंधान पर कंपनियों का अंशदान अमेरिका, जापान, चीन और यूरोपीय यूनियन की तुलना में बहुत कम है। ऐसे में निजी क्षेत्र में न केवल शोध, बल्कि विकास एवं नवाचार चरणों को भी आगे बढ़ाने की आवश्यकता है, जो वैज्ञानिक संभावनाओं को बाजार के लिए तैयार नए समाधानों में बदल दें।

उल्लेखनीय है कि विश्व बौद्धिक संपदा संगठन (डब्लूआइपीओ) द्वारा प्रकाशित ग्लीचल इनोवेशन इंडेक्स (जीआइआइ) 2024 की रैंकिंग में 133 अर्थव्यवस्थाओं में भारत ने 39वां स्थान हासिल किया है। यह कोई छोटी बात नहीं है कि जो भारत वर्ष 2015 में 81वें स्थान पर था, अब वह 39वें स्थान पर पहुंच गया है। इससे भारत की प्रगति दुनियाभर में रेखांकित ही रही है। जी आइआइ 2024 के तहत भारत निम्न मध्यम आय वाली अर्थव्यवस्थाओं में पहले स्थान पर है। भारत मध्य और दक्षिणी एशिया क्षेत्र की दस अर्थव्यवस्थाओं में भी पहले स्थान पर है, जबकि विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी (एसएंडटी) समूह में चौथे स्थान पर है। भारत के प्रमुख शहर मुंबई, दिल्ली, बंगलुरु और चेन्नई दुनिया के शीर्ष सौ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी समूह में सूचीबद्ध है। भारत अमूर्त संपत्ति तीव्रता में वैश्विक स्तर पर सातवें स्थान पर है। यदि हम बौद्धिक संपदा, शोध एवं नवाचार से जुड़े अन्य वैश्विक संगठनों की रपट को भी देखें, तो पाते हैं कि भारत इस क्षेत्र में लगातार आगे बढ़ रहा है। अमेरिकी उद्योग मंडल 'यूएस चैंबर्स आफ कामर्स' के 'ग्लोबल इनोवेशन पालिसी सेंटर' द्वारा जारी वैश्विक बौद्धिक संपदा (आइपी) सूचकांक 2024 में भारत दुनिया की 55 प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में 42वें स्थान पर है।

निस्संदेह शोध एवं नवाचार तथा बौद्धिक संपदा की दुनिया में भारत की मजबूत स्थिति यह दर्शा रही है कि वह नवाचार का केंद्र बनता जा रहा है।

शोध एवं नवाचार तथा बौद्धिक संपदा की दुनिया में भारत की मजबूत स्थिति यह दर्शा रही है कि वह नवाचार का केंद्र बनता जा रहा है। यहां शोध एवं नवाचार को बढ़ाने में डिजिटल ढांचे और सुविधाओं की भी अहम भूमिका है। देश सूचना प्रौद्योगिकी सेवा निर्यात में लगातार आगे बढ़ रहा है। विज्ञान और इंजीनियरिंग स्नातक तैयार करने में भी भारत दुनिया में सबसे आगे है। यहां उद्योग-कारोबार तेजी से समय के साथ आधुनिक हो रहे हैं। कृषि से संबंधित चुनौतियों के समाधान के लिए भारत ने जिस तरह विज्ञान और प्रौद्योगिकी का प्राथमिकता के आधार पर उपयोग किया, उससे वह कृषि विकास की डगर पर तेजी से आगे बढ़ा है।

भारत में शोध एवं नवाचार को बढ़ाने में डिजिटल ढांचे और सुविधाओं की भी अहम भूमिका है। देश सूचना प्रौद्योगिकी सेवा निर्यात में लगातार आगे बढ़ रहा है। विज्ञान और इंजीनियरिंग स्नातक तैयार करने में भी भारत दुनिया में सचसे आगे है। यहां उद्योग कारोबार तेजी से समय के साथ आधुनिक हो रहे हैं। कृषि से संबंधित चुनौतियों के समाधान के लिए भारत ने जिस तरह विज्ञान और प्रौद्योगिकी का प्राथमिकता के आधार पर उपयोग किया, उससे वह कृषि विकास की डगर पर तेजी से आगे बढ़ा है।

शोध एवं नवाचार के मद्देनजर निश्चित रूप से भारत ने कारोबारी विशेषज्ञता, रचनात्मकता और संचालन से जुड़ी स्थिरता जैसे विविध क्षेत्रों में अच्छे सुधार किए हैं। साथ ही देश में घरेलू कारोबार में सरलता, विदेशी निवेश जैसे मानकों में भी बड़ा सुधार दिखाई दिया है। यह आत महत्त्वपूर्ण है कि बौद्धिक संपदा और शोध एवं नवाचार के बहुआयामी लाभ होते हैं। इनके आधार पर किसी देश में विभिन्न देशों के उद्यमी और कारोबारी अपने उद्योग-धंधे शुरू करने संबंधी निर्णय लेते हैं। विभिन्न देशों की सरकारें वैश्विक नवोन्मेष सूचकांक को ध्यान में रख कर अपने वैश्विक उद्योग-कारोबार के रिश्तों के लिए नीति बनाने की डगर पर बढ़ती हैं। भारत में कृत्रिम मेधा और 'डेटा एनालिटिक्स' जैसे क्षेत्रों में शोध एवं विकास और नवउद्यम माहौल के चलते अमेरिका, यूरोप और एशियाई देशों की बड़ी-बड़ी कंपनियां अपने केंद्र स्थापित कर रही हैं।

भारत में ख्याति प्राप्त वैश्विक वित्त और वाणिज्य कंपनियां अपने कदम तेजी से आगे बढ़ा रही हैं। पूरी दुनिया में 'मेड इन इंडिया' और 'ब्रांड इंडिया' की चमकीली पहचान चन रही है। इससे भारत में प्रतिस्पर्धा का स्तर बढ़ रहा है। रोजगार के सुनहरे मौके सृजित हो रहे हैं। इतना ही नहीं, शोध एवं नवाचार बढ़ने से देश में लगातार प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआइ) में वृद्धि हो रही है। भारत का विदेशी मुद्रा भंडार जून 2025 में 697 अरब डालर से अधिक की ऊंचाई पर पहुंच गया है। इसमें कोई दो मत नहीं है कि सरकार बौद्धिक संपदा, शोध एवं नवाचार की अहमियत को समझते हुए इस क्षेत्र को प्राथमिकता देती दिखाई दे रही है। यद्यपि भारत के विकास में बौद्धिक संपदा, शोध एवं नवाचार से जुड़े तीन आधारों की बढ़ती भूमिका दिखाई दे रही है, लेकिन इन आधारों से विकास को ऊंचाई देने के लिए इस क्षेत्र में सरकार और निजी क्षेत्र का परिव्यय बढ़ाना होगा। इस समय भारत में शोध और विकास पर जिस तरह जीडीपी का करीब 0.70 फीसद ही व्यय हो रहा है, उसे रणनीति पूर्वक बढ़ाना होगा। ऐसे में हमें ध्यान देना होगा कि कोई छह-सात दशक पहले अमेरिका ने अनुसंधान पर अधिक खर्च कर सूचना प्रौद्योगिकी, संचार, दवाओं, अंतरिक्ष अन्वेषण, ऊर्जा और अन्य तमाम क्षेत्रों में तेजी से आगे बढ़ कर दुनिया का सबसे शक्तिशाली देश चनने का अध्याय लिखा है।

उम्मीद करें कि तेज विकास और आम आदमी के आर्थिक सामाजिक कल्याण के मद्देनजर दुनिया के विभिन्न विकसित देशों की तरह भारत में भी बौद्धिक समझ, शोध एवं नवाचार पर अधिक धनराशि व्यय करने की डगर पर आगे बढ़ा जाएगा। इससे जहां 'ब्रांड इंडिया' और 'मेड इन इंडिया' की वैश्विक स्वीकार्यता सुनिश्चित की जा सकेगी, वहीं स्वास्थ्य, कृषि, उद्योग, कारोबार, ऊर्जा, शिक्षा, रक्षा, संचार, अंतरिक्ष सहित विभिन्न क्षेत्रों में देश तेजी से आगे बढ़ते हुए दिखाई दे सकेगा। उम्मीद है कि देश को वर्ष 2027 तक दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था, वर्ष 2047 तक विकसित देश तथा दुनिया की नई आर्थिक महाशक्ति बनाने के लक्ष्य को हासिल करने के मद्देनजर सरकार और उद्योग कारोवार जगत चौद्धिक संपदा, शोध और नवाचार की भूमिका को और अधिक प्रभावी बनाएंगे।

- जयंती लाल भंडारी

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

समाज

रूढ़ियों का दुश्चक्र और समकालीन दौर

कुरीतियों या रूढ़ियों की जड़ें गहरी होती हैं। जीवनशैली में बदलाव मानसिकता बदलने की पुष्टि नहीं करता। न ही शिक्षा के आंकड़े संवेदनाओं और मानवीय समझ को पोषित करने की तस्दीक करते हैं। हाल ही में तमिलनाडु के तिरुपुर जिले में सत्ताइस वर्षीय एक युवती की आत्महत्या की घटना इन्हीं स्थितियों की बानगी है। इस तरह की घटनाएं न केवल समाज को झकझोर देने वाली हैं, बल्कि बदलाव के नाम पर आए मात्र सतही दिखावे की स्थिति को भी सामने रखती हैं। इस युवती की शादी दो महीने पहले ही हुई थी। आरोप है कि विवाह में दहेज के तौर पर सोना और महंगी गाड़ी दी गई थी। बावजूद इसके ससुरालवाले उसे कम दहेज के लिए प्रताड़ित करते थे, जिस कारण उसने जीवन से हार मान ली। खुदकुशी से पहले इस युवती ने अपने पिता को मोबाइल फोन पर सात आडियो संदेश भेजे और रोज की मानसिक प्रताड़ना को सहन करने में असमर्थ होने की बात कही।

मौजूदा दौर में किसी को दहेज के लिए मानसिक रूप से प्रताड़ित करना बीते जमाने की बात लगती है। जबकि यह कटु सत्य है कि लालच की इस मानसिकता के कारण आज भी कई युवतियों की शादी उनके लिए एक बुरा सपना बन कर रह जाती है। कहीं जीवनभर की प्रताड़ना और ताने उलाहने, तो कहीं जीवन का साथ छोड़ देने के हालात उनके हिस्से आ जाते हैं। चिंताजनक यह है कि ऊपरी तौर पर बदले सामाजिक पारिवारिक परिवेश में स्थितियां और मुश्किल हो गई हैं। आज के बनावटी-दिखावटी परिवेश में तो विश्वास दिलाना भी मुश्किल हो गया है कि किसी को दहेज के लिए प्रताड़ित किया जा रहा है। अपने पिता को भेजे संदेश में इस युवती ने भी स्पष्ट किया कि वह झूठ नहीं बोल रही है और हर कोई उसके आसपास नाटक कर रहा है। ऐसे में यह संदेश एक शिक्षित सजग युवती के मन की पीड़ा ही नहीं, परिवेश की तयशुदा सोच को भी उजागर करता है।

दहेज के लिए प्रताड़ित होने के कारण जीवन से हारने वाली युवतियां ऐसे संदेशों में समाज की कड़वी सच्चाई अपने पीछे छोड़ जाती हैं। कुछ वर्ष पहले अहमदाबाद में भी एक महिला ने वीडियो संदेश में स्त्री जीवन की त्रासद हकीकत से रूबरू करवाने के बाद नदी में छलांग दी थी। उसे भी ससुरालवालों की ओर से दहेज के लिए प्रताड़ित किए जाने का दावा किया गया था। दरअसल, हाल के बरसों में हर वर्ग एवं समुदाय में ठाट बाट से शादी और मोटा दहेज देने का दिखावटी बनावटी माहौल बन गया है। महंगी शादी से शुरू होने वाली इन मांगों का अक्सर कोई अंत ही नहीं होता। वहीं नवविवाहिता से लेकर गर्भवती तक, अनगिनत महिलाओं को दहेज की मांग के लिए आए दिन प्रताड़ित किया जाता है। दहेज केवल आर्थिक लेन-देन भर का मामला नहीं है। यह बेटियों के अस्तित्व को नकारने वाली मांग भी लगती है। ससुराल में उनकी स्वीकार्यता के बदले मोल स्वरूप धन देना मन कचोटने वाली वाली कुरीति है। विशेषकर किसी परिवार की क्षमता से बढ़ कर की गई मांग तो सचमुच स्त्रियों के स्वतंत्र अस्तित्व पर ही प्रश्नचिह्न लगाती है।

दहेज का दंश अपेक्षाओं और उपेक्षाओं का एक ऐसा कुचक्र है, जो अपने ही आंगन में औरतों का जीना दुश्वार कर देता है। महिलाएं अपनों के बीच भी खुद को दोयम दर्जे का महसूस करने लगती हैं, जो कि मानसिक रूप से बेहद पीड़ादायी है।

- मोनिका शर्मा, इंडियन एक्सप्रेस

देहरी के उस पार

किशोर मन पर आक्रामकता की छाया

तकनीकी प्रगति ने जहां एक ओर ज्ञान और संचार के द्वार खोले हैं, वहीं इसने किशोरों के लिए एक खतरनाक मायाजाल भी बिछा दिया है। सोशल मीडिया पर ऐसी सामग्री की भरमार है, जो बिना किसी प्रभावी नियंत्रण के आसानी से उपलब्ध है। इससे किशोरों का कोमल मन प्रभावित होता है।

हमारा देश आज एक सामाजिक चुनौती का सामना कर रहा है, यह है खासी संख्या में किशोरों में बढ़ती हिंसक और आपराधिक प्रवृत्ति। यह समस्या न केवल समाज की शांति और सुरक्षा के लिए तात्कालिक खतरा है, बल्कि यह आने वाली पीढ़ियों के नैतिक और सामाजिक ताने-बाने पर भी गहरा असर डाल रही है। किशोरावस्था 13 से 19 वर्ष की आयु तक की अवधि है। यह समय व्यक्ति के जीवन का अत्यंत महत्वपूर्ण और संवेदनशील दौर होता है। इस दौरान किशोर शारीरिक, मानसिक, भावनात्मक और मनोवैज्ञानिक परिवर्तनों से गुजरते हैं। यह पहचान बनाने, मूल्यों को आत्मसात करने और भविष्य की नींव रखने का समय होता है। इस नाजुक दौर में उन्हें सही मार्गदर्शन, भावनात्मक समर्थन और सकारात्मक एवं सुरक्षित माहौल की आवश्यकता होती है। दुर्भाग्यवश, आज के जटिल सामाजिक-आर्थिक परिदृश्य में ऐसे कई नकारात्मक कारक सक्रिय हैं, जो इन युवाओं को रचनात्मकता और विकास के मार्ग से भटका कर हिंसा और अपराध के अंधकारमय गलियारों की ओर धकेल रहे हैं।

किशोरों में हिंसा और अपराध की चढ़ती प्रवृत्ति किसी एक कारण का परिणाम नहीं है, बल्कि यह कई परस्पर जुड़े हुए कारकों का जटिल जाल है, जो एक-दूसरे को प्रभावित करते हैं। परिवार किसी भी बच्चे की पहली पाठशाला होता है, जहां उसके चरित्र और मूल्यों की नीव रखी जाती है। भारतीय समाज में पारंपरिक रूप से संयुक्त परिवारों की एक सुहड़ व्यवस्था थी, जहां बच्चे दादा-दादी और अन्य बड़ों के स्नेह एवं मार्गदर्शन में पलते थे। यह संरचना एक प्राकृतिक सुरक्षा कवच का काम करती थी। मगर शहरीकरण और आधुनिकीकरण की लहर ने इस व्यवस्था को कमजोर किया है और एकल परिवारों का प्रचलन बढ़ा है। इन छोटे परिवारों में अक्सर माता-पिता दोनों ही आर्थिक दबावों और करिअर की महत्त्वाकांक्षाओं के कारण काम में व्यस्त रहते हैं। इसका परिणाम यह होता है कि किशोरों को पर्याप्त समय व भावनात्मक सहारा नहीं मिल पाता और वे अकेलेपन एवं उपेक्षा का शिकार हो जाते हैं।

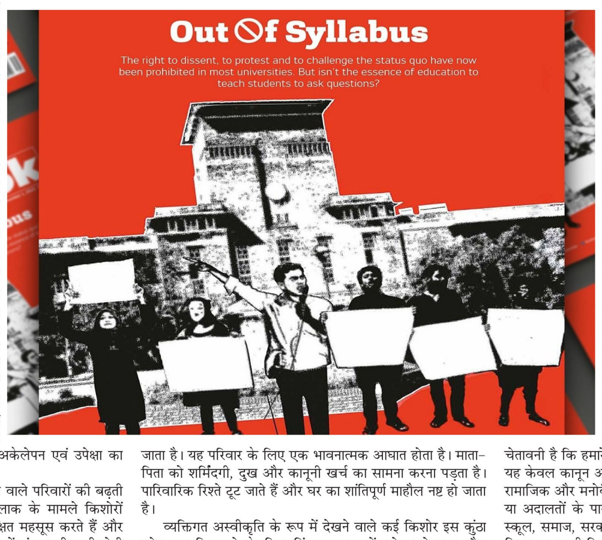

इसके अलावा, एकल पालन पोषण करने वाले परिवारों की बढ़ती संख्या, माता-पिता के बीच कलह और तलाक के मामले किशोरों के मन पर गहरा आघात करते हैं। वे असुरक्षित महसूस करते हैं और उनका घर से विश्वास उठने लगता है। जब घर में संवाद की कमी होती है और चच्चों को अपनी भावनाओं, डर और शंकाओं को साझा करने का मंच नहीं मिलता, ती वे इस भावनात्मक शून्य को भरने के लिए बाहर की दुनिया में स्वीकृति और अपनापन खोजते हैं। यहीं पर वे अक्सर गलत संगति और ऐसे मित्र समूहों के संपर्क में आते हैं, जो उन्हें हिंसा, नशा और अपराध की दुनिया में खींच ले जाते हैं।

हमारी वर्तमान शिक्षा प्रणाली ज्ञान और रचनात्मकता को बढ़ावा देने के बजाय अंकों और प्रतिस्पर्धा पर केंद्रित हो गई है। यह किशोरों में भारी मानसिक तनाव का प्रमुख कारण है। बोर्ड एवं प्रतियोगी परीक्षाओं और उच्च अंक लाने की अंधी दौड़ ने शिक्षा को एक उत्सव के बजाय युद्ध बना दिया है। माता-पिता, शिक्षक और समाज की 'सफलता ही सब कुछ है' की मानसिकता उन पर असहनीय दबाव डालती है। हर किशोर की अपनी क्षमता और रुचि होती है, लेकिन उन्हें एक ही पैमाने पर तौला जाता है। जब कोई छात्र इन अपेक्षाओं पर खरा नहीं उतर पाता, तो उसे न केवल बाहरी आलोचना का सामना करना पड़ता है, बल्कि उसका आत्म सम्मान भी बुरी तरह आहत होता है। वह खुद को असफल समझने लगता है। असफलता की यह ग्लानि अक्सर निराशा, क्रोध और आक्रामक व्यवहार में बदल जाती है। पढ़ाई में विफलता को

अपराध की दुनिया में कदम रखने वाले किशोर का भविष्य अंधकारमय हो जाता है। एक आपराधिक रेकार्ड बन जाने से उसे अच्छी शिक्षा नहीं मिल पाती। अच्छे रोजगार के अवसर लगभग समाप्त हो जाते हैं। समाज उसे एक अपराधी के रूप में देखता है, जिससे उसका आत्म-सम्मान और भी गिर जाता है तथा वह अपराध के दुश्चक्र में धंसता चला जाता है। यह परिवार के लिए एक भावनात्मक आघात होता है। माता-पिता को शर्मिंदगी, दुख और कानूनी खर्च का सामना करना पड़ता है। पारिवारिक रिश्ते टूट जाते हैं और घर का शांतिपूर्ण माहौल नष्ट हो जाता है।

व्यक्तिगत अस्वीकृति के रूप में देखने वाले कई किशोर इस कुंठा को बाहर निकालने के लिए हिंसात्मक कृत्यों, तोड़-फोड़ या धौरा जमाने जैसे तरीकों का सहारा लेते हैं, जो उनके आपराधिक व्यवहार की पहली सीढ़ी बन सकती है। तकनीकी प्रगति ने जहां एक ओर ज्ञान और संचार के द्वार खोले हैं, वहीं दूसरी और इसने कई किशोरों के लिए एक खतरनाक मायाजाल भी बिछा दिया है। सोशल मीडिया, आनलाइन खखेल और वीडियो प्रसारित करने वाली कई वेबसाइट पर हिंसक, अश्लील और अन्य आपत्तिजनक सामग्री की भरमार है, जो बिना किसी प्रभावी नियंत्रण के आसानी से उपलब्ध है। इससे बहुत सारे किशोरों का कोमल मन प्रभावित होता है और वे वास्तविक जीवन की समस्याओं को हल करने के लिए हिंसा को एक वैध और प्रभावी तरीके के रूप में देखने लगते हैं। इसके अलावा, %साइबरबुलिंग% एक और गंभीर समस्या है, जिसमें सोशल मीडिया पर तंग करना, अफवाहें फैलाना या व्यक्तिगत तस्वीरों का दुरुपयोग कर किसी को मानसिक रूप से प्रताड़ित किया जाता है। यह पीड़ित किशोर के आत्म-सम्मान को चकनाचूर कर सकता है और प्रतिशोध की भावना को जन्म दे सकता है, जो आक्रामकता के रूप में सामने आती है।

अपराध की दुनिया में कदम रखने वाले किशोर का भविष्य अंधकारमय हो जाता है। एक आपराधिक रेकार्ड चन जाने से उसे अच्छी शिक्षा नहीं मिलती। रोजगार के अवसर लगभग समाप्त हो जाते हैं। समाज ऐसे किशोरों को अपराधी के रूप में देखता है, जिससे उसका आत्म सम्मान और भी गिर जाता है और वह अपराध के दुश्चक्र में गहरे धंसता चला जाता है। यह परिवार के लिए एक सामाजिक कलंक और भावनात्मक आपात होता है। माता-पिता को शर्मिंदगी, दुख और कानूनी प्रक्रिया पर खर्च का सामना करना पड़ता है। पारिवारिक रिश्ते टूट जाते हैं और घर का शांतिपूर्ण माहौल नष्ट हो जाता है। समाज में भय, अविश्वास और असुरक्षा का माहौल चनता है। यह सामाजिक ताने-बाने को कमजोर करता है और सामुदायिक सद्भाव को प्रभावित करता है। वहीं न्यायिक प्रणाली पर बीड़ा बढ़ता है, क्योंकि किशोर न्याय बोर्ड और सुधार गृहों की सीमित क्षमता इस तरह के अपराधों की बढ़ती संख्या को संभालने में अक्सर अपर्याप्त साबित होती है। हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि हर किशोर अपराध का एक पीड़ित होता है, जिसे शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक आघात से गुजरना पड़ता है, जिसका असर उस पर जीवन भर रह सकता है। इस गंभीर समस्या का समाधान किसी एक संस्था या प्रयास से संभव नहीं है।

परिवारों को भी अपनी जिम्मेदारी समझनी होगी। माता-पिता को अपने बच्चों के साथ गुणवत्तापूर्ण समय बिताना चाहिए। उनके साथ एक दोस्त की तरह खुल कर बातचीत करनी चाहिए। उनकी समस्याओं, दोस्तों और आनलाइन गतिविधियों के बारे में जानना चाहिए। घर में प्रेम, सम्मान और नैतिक मूल्यों का माहौल बनाना चाहिए, ताकि बच्चे बाहरी नकारात्मक प्रभावों से बच सकें। किशोरों में बढ़ती आपराधिक प्रवृत्ति चेतावनी है कि हमारे समाज की नींव कहीं न कहीं कमजोर हो रही है। यह केवल कानून और व्यवस्था की समस्या नहीं है, बल्कि एक गहरी रामाजिक और मनोवैज्ञानिक समस्या है। इसका समाधान केवल पुलिस या अदालतों के पास नहीं है, बल्कि हम सभी के पास है। परिवार, स्कूल, समाज, सरकार, मीडिया और न्यायपालिका, जब ये सभी स्तंभ मिल कर अपनी जिम्मेदारी निभाएंगे, तभी इस चुनौती का सामना किया जा सकता है। हमें एक ऐसा सहायक और पोषण करने वाला वातावरण बनाना होगा, जहां हर किशोर को सुरक्षा, सम्मान, अवसर और सही मार्गदर्शन मिले। आज के किशोर ही कल का भारत हैं।

- रंजना मिश्रा

बारिश ने कर दिया नुकसान...प्याज, टमाटर, आलू, अनार सारी फसल हो गई बर्बाद

मुंबई एजेंसी। महाराष्ट्र के किसानों के लिए यह साल बेहद कठिन साबित हो रहा है। लगातार बारिश ने फसलें बर्बाद कर दी है और जो थोड़ी-बहुत बची हैं, उनकी कीमतें काफी गिर गई हैं कि इसलिए बेचने पर भी किसानों को घाटा हो रहा है। प्याज, टमाटर, आलू, अनार और सोयाबीन जैसी फसलें इस बार किसानों की कमर तोड़ रही हैं। रिपोर्ट के अनुसार, किसान सुदाम इंगले ने पूरी मेहनत से प्याज की खेती की और करीब 66,000 रुपए खर्च किए लेकिन जब उन्होंने 7.5 क्विंटल प्याज मंडी में बेची, तब सिर्फ 664 रुपए ही हाथ आए। किसान इंगले ने कहा, अब प्याज को खाद बना देना ही बेहतर है, बेचने में भी नुकसान है। सिर्फ प्याज ही नहीं, अनार और सीताफल उगाने वाले किसान भी भारी नुकसान झेल रहे हैं। किसान माणिकराव ने अनार पर 1.5 लाख रुपए और सीताफल पर 1 लाख रुपए खर्च किए लेकिन बारिश ने फसलें बर्बाद कर दीं। उन्हें मजबूरी में फसल जोतनी पड़ी क्योंकि बाजार में बिकने से घाटा और बढ़ रहा था। एशिया की सबसे बड़ी प्याज मंडी लासलगांव में हालत चिंताजनक है। यहां प्याज की कीमतें 500 से 1,400 रुपए प्रति क्विंटल तक हैं यानी औसतन 10-11 रुपए प्रति किलो। मार्च-अप्रैल में हुई बंपर फसल और लगातार बारिश ने प्याज की गुणवत्ता बिगाड़ दी। नासिक के अधिकारी के अनुसार, यहां की 80 प्रतिशत प्याज की फसल बर्बाद हो चुकी है। शहरों में दिवाली की चमक है लेकिन गांवों में स्थिति बहुत ही खराब है। ग्रामीण बाजार सूने हैं और लोगों के पास दीया खरीदने तक के पैसे नहीं हैं। रिपोर्ट के अनुसार, इस बार दिवाली केवल शहरों तक सीमित रह गई है। महाराष्ट्र में उत्तर प्रदेश और गुजरात से आयातित प्याज और आलू भी आ गए हैं, जिससे स्थानीय किसानों का नुकसान और बढ़ गया। सोयाबीन की फसल भी बारिश से बर्बाद हुई है। किसान और व्यापारी सरकार की नीतियों से नाराज हैं। जब प्याज के दाम बढ़ते हैं, तब सरकार निर्यात रोक देती है और जब दाम गिरते हैं, तब खरीद नहीं करती। किसानों का कहना है कि सरकार को नुकसान में साथ देना चाहिए।

सितंबर में खुदरा महंगाई सबसे नीचे आई, खाने-पीने की चीजों के गिरे दाम

नई दिल्ली एजेंसी। दुनिया भर में मंदी की आहट है, व्यापारिक तनाव बढ़ रहा है, लेकिन भारत की अर्थव्यवस्था मजबूत खड़ी है। आरबीआई रिपोर्ट के मुताबिक वैश्विक अनिश्चितताओं के बावजूद हमारी ग्रोथ की रफ्तार बरकरार रहेगी और ये सब घरेलू ताकत से हो रहा है। मतलब बाहर की ट्रेड टेंशन चाहे कितनी तेज चलें, हमारा देश आगे बढ़ रहा है। पहली बड़ी राहत महंगाई की है। सितंबर में खुदरा महंगाई जून 2017 के बाद सबसे नीचे आ गई है। ये सब जीएसटी में कटौती के चलते खाने-पीने की चीजों के दाम गिरने से हुआ, लेकिन कोर महंगाई थोड़ी बढ़ी है। इसकी वजह है सोने की कीमत और हाउसिंग, लेकिन कुल मिलाकर महंगाई काबू में है। आरबीआई को ग्रोथ पर फोकस करने का मौका मिल गया। रिपोर्ट में कहा गया है कि पॉलिसी स्पेस बन गई है यानी ब्याज दरें घटाने की गुंजाइश है। अगर एमपीसी मीटिंग में रेट कट होता है, तो होम लोन, कार लोन, पर्सनल लोन सब सस्ते हो जाएंगे। ईएमआई कम होगी, लोग ज्यादा खर्च करेंगे, दुकानें चलेंगी, फैक्टरियां तेज दौड़ेंगी। त्योहारी सीजन में जीएसटी कटौती भी मदद करेगी, चीजें सस्ती होंगी, मांग बढ़ेगी। दूसरी खुशखबरी घरेलू मांग की मजबूती की है। हाई फ्रीक्वेंसी इंडिकेटर्स बता रहे हैं कि शहरों में डिमांड वापस लौट आई है, गांवों में तो पहले से दमदार है। कृषि सेक्टर ने कमाल किया, ज्यादा बारिश, खरीफ की बंपर बुवाई, जलाशय रिकॉर्ड लेवल पर, मिट्टी में नमी भरपूर रबी सीजन भी धांसू रहेगा। मैन्युफैक्चरिंग और सर्विसेज दोनों में कंपनियां फ्यूचर को लेकर उत्साहित हैं। ये सब मिलकर अर्थव्यवस्था को बूस्ट देगा। दुनिया भी तारीफ कर रही है, आईएमएफ ने 2025 की जीडीपी ग्रोथ 6.6 फीसदी अनुमानित की, 20 बेसिस प्वाइंट बढ़ाकर। ओईसीडी ने 6.7 फीसदी, 40 बेसिस प्वाइंट ऊपर। वर्ल्ड बैंक 6.5 फीसदी और आरबीआई की एमपीसी ने 2025-26 के लिए 6.8 फीसदी, 30 बेसिस प्वाइंट बढ़ाकर। मतलब भारत की इकोनॉमी रेसिलिएंट है, यानी मजबूत है। ये रिपोर्ट बताती है कि देश की ताकत अंदर से है, गांव-शहर की मांग, किसान की मेहनत, कारोबारियों का कॉन्फिडेंस। महंगाई कम होने से लोन सस्ते होंगे, खर्च बढ़ेगा, नौकरियां आएंगी। इसके साथ आम आदमी को फायदा भी कई चीजों से होगा जैसे सस्ती ईएमआई, सस्ती चीजें, बेहतर ग्रोथ।

रुस तेल पर सख्ती के चलते रिलायंस ने मुस्लिम देशों से खरीदा 2.5 मिलियन बैरल तेल

नई दिल्ली एजेंसी। भारत की प्राइवेट सेक्टर की दिग्गज कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड ने पिछले हफ्ते पश्चिम एशिया से कच्चा तेल खरीदा। कंपनी आगे भी ऐसे और ऑर्डर दे सकती है। यह कदम इस बात का संकेत है कि रूसी तेल पर पश्चिमी देशों का बढ़ता दबाव अब रिलायंस की खरीद रणनीति को प्रभावित कर रहा है। जानकार सूत्रों के मुताबिक रिलायंस ने कम से कम 2.5 मिलियन बैरल तेल खरीदा है, जिसमें इराक का बसरा मीडियम, अल-शाहीन और कतर लैंड शामिल हैं। हालांकि रिलायंस पहले भी इन देशों से तेल खरीदती रही है, लेकिन इस बार खरीदारी सामान्य से कहीं ज्यादा की। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक ट्रेडर्स का कहना है कि रिलायंस अब ऐसे देशों से भी तेल खरीदने की संभावनाएं तलाश रही है, जिनका कच्चा तेल रूसी तेल जैसी क्वालिटी का हो। अब तक रिलायंस भारत में रूस के तेल की सबसे बड़ी खरीदार कंपनी रही है और अपनी रिफाइनरी के संचालन के लिए उस पर काफी हद तक निर्भर रही है। अमेरिका का दबाव भारत को कैसे प्रभावित कर रहा है? अमेरिका लगातार भारत पर रूसी तेल आयात घटाने का दबाव बना रहा है, ताकि यूक्रेन युद्ध में रूस की वित्तीय ताकत कम की जा सके। इस महीने की शुरुआत में अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने कहा था कि भारत ने रूस से तेल खरीदना बंद करने पर सहमति जताई है, हालांकि भारत सरकार ने इस दावे की पुष्टि नहीं की है। भारतीय रिफाइनरियों ने संकेत दिया है कि वे रूसी तेल की खरीद घटा सकते हैं, लेकिन उसे पूरी तरह बंद नहीं करेंगे। इसके अलावा, यूरोपीय संघ ने भी रूसी तेल से बने पेट्रोलियम उत्पादों के आयात पर 21 जनवरी से रोक लगाने की घोषणा की है। इस फैसले से रिलायंस की यूरोप को होने वाली तेल उत्पादों की निर्यात गतिविधियों पर असर पड़ सकता है।

दिवाली पर ऑनलाइन खरीदारी में महानगर ही नहीं, छोटे शहरों ने भी बनाया रिकॉर्ड

नई दिल्ली एजेंसी। इस साल दिवाली पर ऑनलाइन प्लेटफॉर्म्स पर जबरदस्त भीड़ नजर आई। अमेजन, फ्लिपकार्ट, जेप्टो और स्विगी जैसे ई-कॉमर्स व क्विक-डिलीवरी प्लेटफॉर्म्स पर रिकॉर्ड ऑर्डर दर्ज किए गए। खास बात यह है कि इस बार खरीदारी सिर्फ महानगरों तक सीमित नहीं थी, बल्कि छोटे और मझोले शहरों के उपभोक्ताओं ने भी ऑनलाइन त्योहारी खरीदारी में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। ग्राहकों ने इस बार न केवल ज्यादा खर्च किया, बल्कि प्रीमियम प्रोडक्ट्स और फास्ट डिलीवरी सेवाओं को भी प्राथमिकता दी। अमेजन इंडिया के मुताबिक उसकी दिवाली सेल के दौरान प्लेटफॉर्म पर 2.76 अरब ग्राहक विजिट्स दर्ज की गईं। कंपनी ने बताया कि फैशन और ब्यूटी प्रोडक्ट्स की बिक्री में 95 फीसदी, लैब-ग्रोन डायमंड्स में 390 फीसदी और प्रीमियम कपड़ों की बिक्री में 150 फीसदी की जबरदस्त बढ़ोतरी हुई। किराना उत्पादों में भी उल्लेखनीय उछाल आया। अमेजन फ्रेश पर ड्राई फ्रूट्स, फल-सब्जियों और वेलनेस प्रोडक्ट्स की मांग 60 फीसदी बढ़ गई। इलेक्ट्रॉनिक्स कैटेगरी में ग्राहकों का झुकाव महंगे और एडवांस प्रोडक्ट्स की ओर रहा। 30,000 रुपए से ऊपर के स्मार्टफोन्स की बिक्री 30 फीसदी, 75-इंच टीवी की 70 फीसदी और क्यूलेड टीवी की बिक्री 105 फीसदी बढ़ी। अमेजन इंडिया के वाइस-प्रेसिडेंट सौरभ श्रीवास्तव ने बताया कि इस बार छोटे शहरों से गिफ्ट, इलेक्ट्रॉनिक्स और घरेलू सामानों की खरीदारी में अप्रत्याशित बढ़ोतरी हुई। क्विक-कॉमर्स प्लेटफॉर्म्स ने भी दिवाली पर जबरदस्त कारोबार किया। जेप्टो ने बताया कि मिठाइयों की बिक्री 9 गुना, कुर्तों की 25 गुना और रंगोली उत्पादों की 6 गुना बढ़ी।

स्विगी इंस्टामार्ट पर सोने-चांदी के सिक्कों की बिक्री में पांच गुना बढ़ोतरी हुई, जबकि फ्लिपकार्ट मिनट्स पर अंतिम क्षणों में पूजा सामग्री, दीये, तोरण, रंगोली पाउडर और गिफ्ट बॉक्स के ऑर्डर तेजी से बढ़े। कंपनी के मुताबिक बेंगलुरु, चेन्नई और दिल्ली-एनसीआर में सबसे ज्यादा ऑर्डर आए, जबकि कानपुर और पटना जैसे शहरों में भी अच्छी मांग देखने को मिली। फ्लिपकार्ट ने इस साल के त्योहारी सीजन को अब तक का सबसे यादगार बताया। कंपनी ने कहा कि मोबाइल, इलेक्ट्रॉनिक्स, बड़े घरेलू उपकरण और फैशन श्रेणियों में भारी ग्रोथ हुई। फ्लिपकार्ट के वाइस-प्रेसिडेंट प्रतीक शेट्टी ने कहा कि इस बार जेन-जेड ग्राहकों ने सबसे ज्यादा खरीदारी की और नए ट्रेंड सेट किए। उन्होंने कहा कि ग्राहकों का भरोसा और खर्च करने की इच्छा बढ़ी है, जो भारतीय अर्थव्यवस्था की मजबूती को दर्शाता है।

कई हफ्तों की तेजी के बाद सोना-चांदी में आई गिरावट, लोगों को मिली राहत

नई दिल्ली एजेंसी। सोने चांदी की कीमतों में भारी गिरावट आ गई है। कई हफ्तों की तेजी के बाद मंगलवार को सोना चार साल की सबसे बड़ी एक दिन की गिरावट में फिसला है, ऐसे में रेट करीब 4 फीसदी तक नीचे आ गए। सोमवार को रिकॉर्ड 4381 डॉलर प्रति औंस पर पहुंचा था, लेकिन मंगलवार को 4187 डॉलर तक गिरा यानी 3.8 फीसदी की कमी। बुधवार को भी गिरावट जारी रही, सोना 2.9 फीसदी और नीचे जाकर 4004.26 डॉलर के आसपास पहुंचा, जबकि मंगलवार को तो 6.3 फीसदी तक की गिरावट हो गई थी जो दस साल से ज्यादा की सबसे बड़ी इन्ट्राडे गिरावट थी। चांदी में भी गिरावट देखने को मिली, मंगलवार को 7 फीसदी फिसली और बुधवार को 2 फीसदी से ज्यादा नीचे जाकर 47.6 डॉलर प्रति औंस पर आ गई, जबकि पहले 54 डॉलर थी। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पहला तो अमेरिकी डॉलर मजबूत हो गया है, जिससे विदेशी निवेशकों के लिए सोना चांदी महंगा हुआ। दूसरा अमेरिका और चीन के बीच ट्रेड वॉर में नरमी के संकेत मिल रहे हैं, राष्ट्रपति ट्रंप और शी जिनपिंग की अगले हफ्ते मुलाकात होने वाली है, ट्रेड डील की उम्मीद से सेफ हेवन वाली मांग कम हो गई। तीसरा टेक्निकल इंडिकेटर्स जैसे आरएसआई ओवरबॉट जोन में पहुंच गए थे, मतलब कीमतें बहुत तेज चढ़ गईं, करेक्शन तो बनता था। सैक्सो बैंक के एक्सपर्ट ओले हैनसन कहते हैं कि ट्रेडर्स सावधान हो गए थे, मार्केट ऊपर जा चुका था, अब ये करेक्शन असली ताकत दिखाएगा, लेकिन लंबे निवेशक अभी भी इंटरेस्टेड हैं, गिरावट सीमित रह सकती है।

बैंक बिना पूर्व अनुमति बना सकेंगे सहायक कंपनियां, आरबीआई कर रहा विचार

नई दिल्ली एजेंसी। वाणिज्यिक बैंकों को सहायक इकाइयां स्थापित करने के लिए संभवतः अब भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) से अनुमति लेना जरुरी नहीं होगी। उच्च पदस्थ सूत्रों ने यह जानकारी दी। हालांकि अगर सहायक इकाई बीमा या संपत्ति प्रबंधन से जुड़ी हुई है तो बैंक को संबंधित नियामकों से मंजूरी लेना अनिवार्य होगा। केंद्रीय बैंक इस मसले पर विचार कर रहा है। मीडिया रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से कहा गया है कि बैंकों की कारोबार सुगमता के लिए इस पर विचार किया जा रहा है। नियामक वित्तीय क्षेत्र के लिए नियमों को सुव्यवस्थित कर रहा है, ताकि कारोबार करने में आसानी हो और यह उसी दिशा में एक कदम है। बैंकिंग रेग्युलेशन ऐक्ट में उन व्यवसायों का ब्योरा है, जिनमें स्टैंडर्ड बैंकिंग से आगे बढ़कर बैंक काम कर सकता है। अगर बैंकों को मंजूरी लेने की जरूरत नहीं होती है, तो यह मौजूदा प्रथा से उल्लेखनीय बदलाव होगा। करीब 2 दशकों से रिजर्व बैंक ने किसी बैंक को सहायक इकाई स्थापित करने की अनुमति नहीं दी है। इसके पहले तमाम बड़े निजी बैंकों ने नियामक से कारोबार के लिए सहायक इकाई बनाने की अनुमति के लिए अनुरोध किया था, जिसमें लेंडिंग और इन्फ्रा फाइनेंस जैसे व्यवसाय शामिल हैं। रिजर्व बैंक ने इसके लिए मंजूरी नहीं दी। इसके अलावा बैंकों द्वारा किए गए व्यवसायों के तरीकों को लेकर रिजर्व बैंक मसौदा मानक पेश करेगा। इसमें यह प्रस्ताव दिया जाएगा कि बैंकों की शाखाएं उस तरह की उधारी देने से दूर रहें, जैसा मूल बैंक करता है। इसके बजाय शाखाओं को उन सेग्मेंट पर ध्यान देना होगा, जिस क्षेत्र में मूल बैंक की मौजूदगी नहीं है। सूत्र ने कहा कि उदाहरण के लिए अगर कोई बैंक आवास ऋण पर ध्यान दे रहा है तो उसकी सहायक इकाई सस्ते आवास या संपत्ति पर ऋण देने पर ध्यान केंद्रित कर सकती है। इसके पीछे विचार यह है कि काम का दोहराव नहीं होना चाहिए।

आज का राशिफल

मेष- आज का दिन आपके लिए मान-सम्मान में वृद्धि लेकर आने वाला है। आपकी यश और कीर्ति बढ़ेगी, जो आपको खुशी देगी। राजनीति में आपको कोई पुरस्कार आदि भी मिल सकता है। आपके परिवार में किसी अतिथि के आने से माहौल खुशनुमा रहेगा और आप उनका स्वागत करते नज़र आएंगे। आपके डिसीजन मेकिंग पर आपको शक हो सकता है, क्योंकि आपका कोई सुझाव ग़लत रहेगा।

वृषभ- आज का दिन आपके लिए मेहनत से काम करने के लिए रहेगा, इसलिए आप कामों में कोई बदलाव न करें और आपके परिवार में किसी सदस्य के विवाह की बात पक्की हो सकती है, जिससे माहौल खुशनुमा रहेगा। आपको अपनी संतान से किए हुए वादे को पूरा करना होगा। आज आपको किसी पुरानी गलती से सबक लेना होगा। आपको अपने आसपास रह रहे कामों को भी कल पर नहीं डालना है।

मिथुन- आज का दिन आपके लिए सामान्य रहने वाला है। बौद्धिक व मानसिक बोझ से आपको छुटकारा मिलेगा। आपकी कुछ नया करने की कोशिश रंग लाएगी और आपको जीवनसाथी की ओर से कोई सरप्राइज गिफ्ट मिल सकता है। कार्य क्षेत्र में मनपसंद काम मिलने की संभावना है। यदि आप शेयर मार्केट आदि में इन्वेस्टमेंट करने की सोच रहे हैं, तो आपके लिए दिन अच्छा रहेगा। आपको कहीं घूमने-फिरने जाने से पहले अपने माता-पिता से जानकारी अवश्य लेनी होगी। आपकी किसी बात से परिवार के सदस्यों में लड़ाई-झगड़ा बढ़ सकता है।

कर्क- आज का दिन आपके लिए अनुकूल रहने वाला है। भाई व बहनों का आपको पूरा सहयोग मिलेगा। आपके परिवार में प्रॉपर्टी को लेकर कोई लड़ाई-झगड़ा छिड़ सकता है। आप अपने कामों में थोड़ा सोच-समझकर बदलाव करें। परिवार में किसी सदस्य की सेहत में गिरावट आने से भागदौड़ बनी रहेगी। वाहन की अकस्मात खराबी के कारण आपका खर्चा भी बढ़ेगा, जिससे आपका बजट डगमगा सकता है।

सिंह- आज आपका बिज़नेस की कोई पुरानी समस्या फिर से उभरेगी। परिवार में लोग आपकी किसी बात का बुरा मान सकते हैं। माताजी की सेहत को लेकर आप थोड़ा एहतियात बरतें। आपकी किसी जल्दबाज़ी की आदत के कारण आपकी मुश्किलें बढ़ सकती हैं। आपको शीघ्रता व भावुकता में कोई निर्णय लेने से बचना होगा। किसी छोड़ी हुई नौकरी का आपको बुलावा आ सकता है।

कन्या- आज का दिन कामकाज के मामले में थोड़ा कमजोर रहने वाला है। आपके मन में उथल-पुथल रहने से कोई काम बिगड़ सकता है। आपको उधार दिया हुआ धन भी मिल सकता है। यदि आपने किसी लोन को अप्लाई किया था, तो उसके भी आपको मिलने की संभावना है। संतान पक्ष की ओर से आपको कोई खुशखबरी मिल सकती है। विद्यार्थियों के उच्च शिक्षा के मार्ग प्रशस्त होंगे, उनके सीनियर उनकी पढ़ाई में खूब मदद करेंगे।

तुला- आज आपको अपने आसपास रह रहे शत्रुओं से थोड़ा सचेत रहना होगा। बिजनेस के किसी काम को लेकर आप कहीं बाहर जा सकते हैं और आपके खर्च बढ़ने से आपकी टेंशन बढ़ेगी, लेकिन आप अपनी इनकम को थोड़ा ध्यान में रखकर ही आगे बढ़ें। आप किसी नए घर में शिफ्ट कर सकते हैं। ननिहाल पक्ष का कोई व्यक्ति आपसे मेल-मुलाकात करने आ सकता है। परिवार में पुरानी बातों को लेकर बातचीत हो सकती है। आपको दूसरों की भावनाओं का सम्मान करना होगा।

वृश्चिक- आज का दिन आपके लिए वाणी व व्यवहार पर संयम बनाए रखने के लिए रहेगा। आपकी कार्य कुशलता भी बेहतर रहेगी। परिवार के सदस्यों के साथ आप आनंदमय समय व्यतीत करेंगे और प्रेम जीवन जी रहे लोगों को साथी की किसी बात को लेकर निराशा हाथ लग सकती है और दोनों के रिश्ते में भी कड़वाहट बढ़ सकती है। आपको अपने पिताजी से किए हुए वादों को समय रहते पूरा करना होगा। आपकी लोगों से खूब पटेगी। किसी सरकारी योजना में भी सोच-समझकर निवेश करें।

धनु- आज आपकी सेहत थोड़ी कमजोर रहेगी, क्योंकि कोई गले से संबंधित समस्या आपकी टेंशनों को बढ़ा सकती है, लेकिन विद्यार्थियों को पढ़ाई-लिखाई पर पूरा ध्यान देना होगा। आपको अपने दोस्तों का पूरा सहयोग मिलेगा और परिवार के सदस्यों से काम को लेकर आपसी बातचीत अवश्य होगी। आप जल्दबाजी के कारण कोई गलत निर्णय ले सकते हैं, जो बाद में आपकी टेंशनों को बढ़ाएगा। धन-धान्य में वृद्धि होने से खुशी का ठिकाना नहीं रहेगा।

मकर- आज का दिन आपके लिए नई-नई समस्याएं खड़ी कर सकता है। परिवार में किसी नए मेहमान का आगमन हो सकता है। कार्य क्षेत्र में यदि कोई समस्या है, तो उसे लेकर आप अपने किसी सीनियर से सलाह अवश्य लें और यदि घर का कोई काम रुका हुआ था, तो उसे पूरा करने की आप पूरी कोशिश करेंगे। आप किसी नए वाहन की खरीदारी कर सकते हैं, जो आपके लिए अच्छी रहेगी।

कुंभ- आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहने वाला है। कार्य क्षेत्र में आपको सहकर्मियों का पूरा साथ मिलेगा। आपकी किसी पुरानी गलती से पर्दा उठ सकता है, जिससे आपके प्रमोशन पर रोक लग सकती है, इसलिए कोई ऐसा काम करने से बचें। माता-पिता के आशीर्वाद से आपकी कोई बिजनेस से संबंधित डील फाइनल हो सकती है।

मीन- आज का दिन आपके लिए धन-धान्य में वृद्धि लेकर आने वाला है। यदि आपको काम को लेकर कोई नया ऑर्डर आए, तो आप उसे पूरा करने की पूरी कोशिश करें। किसी कानूनी मामले में आप अपनी आंख और कान खुले रखें। प्रॉपर्टी को लेकर आप कोई बड़ा निवेश करने की सोच सकते हैं।

शब्दजाल- 8057

अ	श	मु	फ	रे	ब	हो	प	न	र	त
क्स	क्रि	पिं	ना	द	म	जा	जा	गो	घा	छ
न	के	ज	हे	नि	इं	ना	न	व	टि	दि
बी	ट	र	न	शा	वा	त	क	ले	ज	ल
च	दा	त	प	ने	तो	हो	का	गो	ब	प
ब	त	त	स	ग	स	ए	व	म	वॉ	र
द	प	शू	न	त्या	व	ह	अ	गो	प्ला	म
क	र	क	ल	र	ह	भा	र	चो	आ	त
र	व	त	म	ए	भी	क	क	अ	न	ले
जू	बे	दा	त	र	क	ता	ण	र	ह	या
मुं	ब	र्ल	न	आ	प	म	क	प	स्त	र

शब्दजाल में मनोज वाजपेयी की 10 फिल्मों के नाम ढूंढिए. शब्द ऊपर से नीचे, दाएं से बाएं एंव तिरछे हो सकते हैं

अक्स, फरेब, इंतकाम, पिंजर, सत्या, शूल, जूबेदा, दिल पर मत ले यार, घात, जागो

शब्दजाल - 8056 का हल

ग	दि	न	ल	बे	म	ज	चां	न	र	क
ग	र	म	म	सा	ला	जी	द	इ	व	ल
आ	कं	दे	ला	ह	जी	स्म	नी	का	क्त	दि
वा	ची	प	श	ल	ज	प	बा	पा	ल	र
स्तु	त	ई	त्री	मे	स	खें	र	भा	म	जं
शा	मे	म	के	ला	बे	ला	न	ई	क	ग
स्त्र	जं	न्स	मे	ल	क	ता	म	न	है	ल
च	म	न	ए	स	हो	प	र	ली	म	ए
ले	बो	र्न	य	त	चि	ना	री	रो	न	क्स
क्या	कु	ल	है	ह	म	त्र	हो	ड	म	प्रे
बे	बी	लो	नि	या	ल	र	न	रा	त	स

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

23 अक्टूबर 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	तुला में	वृश्चिक	07.54 ब.से
चंद्र	तुला में	धनु	10.10 बजे से
मंगल	तुला में	मकर	12.15 बजे से
बुध	तुला में	कुंभ	14.02 बजे से
गुरु	कर्क में	मीन	15.34 बजे से
शुक्र	कन्या में	मेष	17.05 बजे से
शनि	मीन में	वृष	18.45 बजे से
राहु	कुंभ में	मिथुन	20.43 बजे से
केतु	सिंह में	कर्क	22.57 बजे से
राहुकाल 1.30 से 3.00 बजे तक		सिंह	01.13 बजे से
		कन्या	03.25 बजे से
		तुला	05.35 बजे से

गुरुवार 2025 वर्ष का 296 वा दिन **दिशाशूल** दक्षिण **ऋतु** शरद। **विक्रम संवत्** 2082 **शक संवत्** 1947 **मास** कार्तिक **पक्ष** शुक्ल **तिथि** द्वितीया 22.47 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** विशाखा 04.51 बजे प्रातः को समाप्त। **योग** आयुष्मान 05.00 बजे प्रातः को समाप्त। **करण** बालव 09.32 बजे तदनन्तर कौलव 22.47 बजे को समाप्त। **चन्द्रायु** 01.5 घण्टे **रवि क्रान्ति** दक्षिण 11° 25' **सूर्य** दक्षिणायन **कलि अहर्गण** 1872506 **जूलियन दिन** 2460971.5 **कलियुग संवत्** 5126 **कल्पारंभ संवत्** 1972949123 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123 **वीरनिर्वाण संवत्** 2552 **हिजरी सन्** 1447 **महीना** रबी उस्सानी **तारीख** 30 **विशेष** चंद्र दर्शन, भैया दूज, यम द्वितीया, चित्रगुप्त पूजा।

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
शुभ	05.54 से 07.22 बजे तक	अमृत	05.40 से 07.11 बजे तक
रोग	07.22 से 08.51 बजे तक	चर	07.11 से 08.43 बजे तक
उद्वेग	08.51 से 10.19 बजे तक	रोग	08.43 से 10.15 बजे तक
चर	10.19 से 11.47 बजे तक	काल	10.15 से 11.47 बजे तक
लाभ	11.47 से 01.15 बजे तक	लाभ	11.47 से 01.19 बजे तक
अमृत	01.15 से 02.43 बजे तक	उद्वेग	01.19 से 02.51 बजे तक
काल	02.43 से 04.11 बजे तक	शुभ	02.51 से 04.23 बजे तक
शुभ	04.11 से 05.40 बजे तक	अमृत	04.23 से 05.55 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

फिल्म वर्ग पहेली- 7001

बायें से दायें:-

१. 'दिल ने ये कहा हैदिल से' गीत वाली अक्षयकुमार, शिल्पा की फिल्म-४
४. देवआनंद, जैकी, गोविंदा, रेखा की 'इस तरह देखो ना' गीत वाली फिल्म-३
६. 'ना कजरे की धार' गीत वाली अक्षयकुमार, रवीना की फिल्म-३
१०. अनिल, माधुरी दीक्षित की 'आँखों के आगे पीछे' गीत वाली फिल्म-५
१३. 'आदमी मुसाफिर है' गीत वाली संजीव कुमार, सुलक्षणा की फिल्म-५
१४. अतिन भल्ला, संदली की 'साँवली सी इक लड़की' गीत वाली फिल्म-२
१८. 'हुन हुना रे हुन हुना' गीत वाली विकास भल्ला, काजोल की फिल्म-३
१९. गोविंदा, मनीषा की 'ठहरो तो सही सोचो तो जरा' गीत वाली फिल्म-४
२०. एम. एफ. हुसैन की फिल्म 'मीनाक्सी' की नायिका कौन है-२
२१. 'बाबुल का ये घर बहना' गीत वाली मिथुन, रंजीता, पद्मिनी की फिल्म-२
२२. ऋषिकपूर, पद्मिनी की 'मेरी किस्मत में तू नहीं' गीत वाली फिल्म-४
२४. 'मेरी शादी का खयाल' गीत वाली राजेश खन्ना, टीना की फिल्म-३
२६. विवेक, दीया मिर्जा की बाबूजी जरा धीरे' गीत वाली फिल्म-२
२७. 'जब चाहा जजबात से खेले' गीत वाली चंदनदास का गजल एलबम-२
२८. मिथुन, रंभा की 'पीलो इश्क दी विस्की' गीत वाली फिल्म-२
२९. 'सच कहते हैं हं' गीत वाली अक्षयकुमार, करिश्मा की फिल्म-४
३०. फिल्म 'राजा जानी' में धर्मेन्द्र के साथ नायिका कौन थी-२

ऊपर से नीचे:-

१. नवीन निश्चल, प्राण, रेखा की फिल्म-२
२. 'मोहब्बत हुई हुई' गीत वाली फिल्म-२
३. विश्वजीत, वहीदा रहमान की फिल्म-३
५. 'ऐ जिंदगी गले लगा' गीत वाली फिल्म-३
७. दीनो मारिया, बिपाशा बसु की फिल्म-२
८. विवेक ओबेराय, अंतरा की 'खल्लास बचके तू रहना रे' गीत वाली फिल्म-३
९. 'करवटें बदलते' गीत वाली संजीव, राजेश खन्ना, मुमताज की फिल्म-२,१,३
११. 'लंबूजी लंबूजी' गीत वाली फिल्म-२
१२. अभिषेक, भूमिका चावला की फिल्म-२
१५. फिल्म 'सब से बड़ा खिलाड़ी' में अक्षयकुमार के साथ नायिका कौन थी-३
१६. शत्रुघ्न, हेमा, मिथन की 'बचके मेरी जान बचके' गीत वाली फिल्म-४
१७. 'मैं तो हर मोड़ पर' गीत वाली अनिल धवन, रेहाना सुलतान की फिल्म-३
२१.राजेश, शर्मिला, राखी की 'मेरे दिल में आज' गीत वाली फिल्म-२
२२. 'ओ मेरी चूड़ियाँ बजी' गीत वाली संजयकपूर, तब्बू की फिल्म-२
२३. फिल्म 'बरसात की रात' के संगीतकार कौन थे-३
२४. विनोद खन्ना, योगिता बाली की फिल्म-२
२५. फिल्म 'बागी' में सलमान खान के साथ नायिका कौन थी-३
२६. उमादेवी का गाया गीत 'अफसाना लिख रही हूँ' किस फिल्म का है-२
२७. नसीरुद्दीनशाह, अतुल अग्निहोत्री पूजा भट्ट की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 7000 (हल)

Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगतः रास्ते की रुकावट

विद्यार्थियों की एक टोली पढ़ने के लिए रोजाना अपने गाँव से 6-7 मील दूर दूसरे गाँव जाती थी। एक दिन जाते-जाते अचानक विद्यार्थियों को लगा कि उन में एक विद्यार्थी कम है। ढूँढने पर पता चला कि वह पीछे रह गया है। उसे एक विद्यार्थी ने पुकारा, 'तुम वहाँ क्या कर रहे हो?' उस विद्यार्थी ने वहीं से उत्तर दिया, 'ठहरो, मैं अभी आता हूँ।' यह कह कर उस ने धरती में गड़े एक खूँटे को पकड़ा। जोर से हिलाया, उखाड़ा और एक ओर फेंक दिया फिर टोली में आ मिला। उसके एक साथी ने पूछा, 'तुम ने वह खूँटा क्यों उखाड़ा? इसे तो किसी ने खेत की हद जताने के लिए गाड़ा था।' इस पर विद्यार्थी बोला, 'लेकिन वह बीच रास्ते में गड़ा हुआ था। चलने में रुकावट डालता था। जो खूँटा रास्ते की रुकावट बने, उस खूँटे को उखाड़ फेंकना चाहिए।' वह विद्यार्थी और कोई नहीं, बल्कि लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल थे।

सूडोकु नवताल- 7310

★☆☆☆☆ सरल

			2				3	
		9		8		2	6	4
1				3	6		9	
4		3						
	8			2			1	
						8		6
	4		7	5				3
3	7	5		4		1		
	2				8			

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
■ पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7309 का हल

8	4	5	6	1	3	7	2	9
7	2	6	4	9	5	3	8	1
9	3	1	7	8	2	6	5	4
1	7	2	9	6	8	4	3	5
5	6	9	3	2	4	1	7	8
4	8	3	5	7	1	9	6	2
2	9	7	1	5	6	8	4	3
3	1	8	2	4	7	5	9	6
6	5	4	8	3	9	2	1	7

Jagrutidaur.com, Bangalore

शब्द पहेली - 8525

बाएँ से दाएँ

1.रुद्र,शिव,भैरव-4
4.आर्युवेद के जनक-3
6.भीगा हुआ-2
7.ताला(अंग्रेजी-2)
9.शेविंग करना -4
11.योग्य,अनुरूप-3
12.अल्सर-3
13.ज्वालामुखी से निकला गर्म द्रव-2
14.नमाज पढ़ने से पहले हाथ- पांव धोना-2
15.नाप जोख करना-3
17.अनुमान लगाना-3
19.उदारता,बड़प्पन-4
21.गाथा,कहानी -2
23.जनकपुत्री-2
24.जिज्ञासा,उत्साह-3
25.राजा,सम्राट- 4

ऊपर से नीचे

1.इच्छुक,अलमस्त-4
2.मात,पराजय-2
3.बोलने का तरीका-3
4.अचंभित-3
5.आर्ट,हुनर-2
8.गुनाह,अपराध-3
9.अटक-अटक कर बोलना-4
10.सरुर,खुमार,नशा, घमंड-2
12.नजाकत-4
15.अभिनेता,कप्तान-3
16.आनंद बोधक शब्द-2
18.सम्राट,राजा-4
19.व्यंग,परिहास-3
20.मुलायम-3
22.परात,बड़ी थाली-2
23.हलवा,एक मिष्ठान्न-2

शब्द पहेली -8524 का हल

	स	ला	म	त		ल	ल	क
दा	दा		न	म	न			ल
म	चा	न		स	र	फ	रो	श
	र	का	बी		क			या
आ		रा	ज		म	न		श्रा
ल			डा		य	म	ज	
म	नो	मि	ल	न		न	ल	का
गी			ना	र	द		च	र
र	वा	ना		क	र	ता	र	

Jagrutidaur.com, Bangalore

धूमधाम से मनायी गयी दीपावली

माता लक्ष्मी और गणेश जी की श्रद्धा भाव से की गई पूजा-अर्चना

पद्मेश न्यूज। लांजी।

नगर सहित आसपास के क्षेत्रों में दीपावली का पर्व बड़े ही हर्षोल्लास, धूमधाम और श्रद्धा भाव के साथ मनाया गया। प्रकाश और समृद्धि के इस महापर्व को लेकर लोगों में सुबह से ही उत्साह देखा गया। घर-घर में दीपावली की तैयारियां जोर-शोर से शुरू हो गई थीं। सुबह से ही घरों और आंगनों को साफ-सुथरा कर लीप-पोतकर रंगोली बनाई गई। रंग-बिरंगे रंगों से उकेरी गई रंगोलियों ने घरों की शोभा बढ़ा दी, वहीं दीपों की रोशनी ने रात को और भी मनमोहक बना दिया।

सुबह से रही बाजारों में चहल-पहल

इस वर्ष दीपावली का पर्व सप्ताह के प्रथम दिन सोमवार को होने के कारण सुबह से ही बाजारों में खासी चहल-पहल देखी गई। संयोग से एक दिन पूर्व साप्ताहिक बाजार भी था, जिसके चलते देर रात तक नगर में रौनक बनी रही। लोगों ने जमकर खरीदारी की और अपने शुभचिंतकों, रिश्तेदारों व मित्रों को उपहार भेंट किए। पूजा सामग्री, मिठाई, सिंगाड़ा, चिरोंजी, बताशे और अन्य खाद्य पदार्थों की दुकानों पर ग्राहकों की भारी भीड़ देखी गई। दुकानदारों ने भी इस अवसर पर अपनी दुकानों को आकर्षक ढंग से सजाया था, जिससे बाजार में उत्सव का माहौल और भी जीवंत हो गया।

दीपों और आतिशबाजी से जगमगाया नगर

शाम ढलते ही घर-घर में दीपों की सजावट शुरू हो गई। लोगों ने अपने घरों, आंगनों और छतों को रंग-बिरंगी झालरों और दीयों से सजाया। बच्चे, युवा और बुजुर्ग सभी आतिशबाजी के रंग-बिरंगे प्रदर्शन में डूब गए। फुलझड़ियां, अनार, चकरी और रॉकेट की चमक ने रात के आकाश को रोशन कर दिया एवं देर रात तक आतिशबाजी का दौर चलता रहा।

विधि-विधान से हुआ लक्ष्मी-गणेश पूजन

रात में घर-घर में विधि-विधान के साथ माता लक्ष्मी और भगवान गणेश की पूजा-अर्चना की गई। परिवारजन एकत्रित होकर मंत्रोच्चार के साथ पूजन संपन्न किया और सुख-समृद्धि की कामना की। पूजा के बाद मिठाइयों और पकवानों का आदान-प्रदान हुआ। पड़ोसियों, रिश्तेदारों और दोस्तों ने एक-दूसरे को दीपावली की शुभकामनाएं दीं और मिठाइयां बांटकर खुशियां साझा कीं।

बच्चों में रहा खास उत्साह

दीपावली के पर्व पर बच्चों का उत्साह देखते ही बनता था। पूजा के बाद बच्चों ने आतिशबाजी का जमकर आनंद लिया। उनकी हंसी-खुशी और उत्साह ने पर्व के माहौल को और भी रंगीन बना दिया। कई परिवारों ने इस अवसर पर नए कपड़े पहने और एक-दूसरे के घर जाकर मिलने-जुलने का सिलसिला भी देर रात तक चलता रहा।

सामाजिक और सांस्कृतिक महत्व

दीपावली का यह पर्व न केवल धार्मिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है, बल्कि सामाजिक और सांस्कृतिक रूप से भी लोगों को जोड़ने का कार्य करता है। इस अवसर पर लोगों ने आपसी भाईचारे और प्रेम को बढ़ावा देते हुए एक-दूसरे के साथ खुशियां बांटीं। नगर और क्षेत्र में शांति और उल्लास के साथ संपन्न हुए इस पर्व ने सभी के मन में नई ऊर्जा और उत्साह का संचार किया।

कारंजा में सुरभि गौशाला में गोवर्धन पूजन संपन्न

गौमाता को खिलाया गुड़-लड्डू

पद्मेश न्यूज। लांजी।

मध्य प्रदेश गौपालन विभाग भोपाल के निर्देशानुसार मंगलवार को परम पूज्य बालासाहेब देवरस (तृतीय सरसंघचालक, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ) की जन्मस्थली कारंजा में प्रकल्प द्वारा संचालित सुरभि गौशाला में गोवर्धन पूजन का भव्य कार्यक्रम संपन्न हुआ। यह आयोजन गोवर्धन पूजा की परंपरा को जीवंत करते हुए गौमाता की सेवा और संरक्षण पर केंद्रित रहा।

कार्यक्रम की शुरुआत गौमाता का विधिपूर्वक आरती और पूजन करने से हुई। इसके बाद गौमाता को गोग्रास के रूप में गुड़-लड्डू भेंट किए गए। पूजन में गौशाला की गायों को विशेष रूप से सजाया-संवारा गया, जो गोवर्धन पूजा के धार्मिक महत्व को दर्शाता है। इस अवसर पर गौसेवकों और कार्यकर्ताओं ने गौसंरक्षण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।

मुख्य अतिथि के रूप में न्यास के पूर्व सचिव विलास जी जुगादे ने शिरकत की। सुरभि गौशाला समिति के कोषाध्यक्ष सचिन अग्रवाल ने स्वागत भाषण देते हुए कहा कि गौपालन विभाग के मार्गदर्शन में यह प्रकल्प गौमाता की सेवा को मजबूत बनाने का माध्यम बनेगा। कार्यक्रम में विद्यालय प्रबंध समिति के अध्यक्ष लालाराम नंदनवार, डॉ. एम.के. आसटकर (पशु चिकित्सालय लांजी), राजेंद्र प्रसाद ऐडे (पशु चिकित्सालय कारंजा), डॉ. निरंजन ठाकरे, दाउद अंसारी, राजेंद्र लिल्हारे, उमेश फुंडे, प्रकाश सोनटेके, सुंदरलाल बड़ई, मेहतर शेडे सहित अनेक गौसेवक, कार्यकर्ता और सदस्य उपस्थित रहे।

गोवर्धन पूजा के इस पावन अवसर पर कारंजा के स्थानीय निवासियों ने गौशाला पहुंचकर भाग लिया, जो क्षेत्र में गौभक्ति की भावना को और प्रबल करता है। सुरभि गौशाला प्रकल्प राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की प्रेरणा से संचालित होकर ग्रामीण स्तर पर गौसंरक्षण को बढ़ावा दे रहा है।

युवती की विद्युत करंट से मृत्यु

पद्मेश न्यूज। लांजी।

लांजी थाना अंतर्गत ग्राम बगडी निवासी 20 वर्षीय करीना पति अजय कुमार मड़ावी की विद्युत करंट लगने से दुखद मृत्यु हो गई। घटना 20 अक्टूबर 2025 की रात करीब 9 बजे की है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, करीना के सास राधिका पति गोपाल मड़ावी (45 वर्ष) ने लांजी थाने में बताया कि उस दिन दीपावली की पूजा के बाद उनके पति खांडाफरी चले गए थे, और उनका बेटा हैदराबाद में मजदूरी के लिए गया था। घर पर राधिका अपने नाती को सुला रही थीं, जबकि उनका बेटा अजय आंगन में बैठा था।

रात 9 बजे करीना शौचालय जाने की बात कहकर गई। कुछ देर बाद उसकी जोर से चिल्लाने की आवाज आई। अजय ने देखा कि करीना बाथरूम में चित अवस्था में पड़ी थी। आवाज देने पर कोई जवाब नहीं मिला, लेकिन छूने पर उसकी सांसें चल रही थीं। बाथरूम में बिजली का तार और बोर्ड लगा था, जिसके बटन को चालू करते समय करीना को करंट लगा होगा। राधिका के शोर मचाने पर आसपास के लोग जमा हुए और सभी की मदद से करीना को निजी वाहन से सिविल अस्पताल लांजी ले जाया गया। वहां डॉक्टर ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया।

अस्पताल प्रबंधन ने लांजी पुलिस को सूचना दी, जिसके बाद पुलिस ने मर्ग पंचनामा तैयार किया और शव का पोस्टमार्टम करवाया। लांजी पुलिस मामले की जांच कर रही है। इस घटना से ग्राम बगडी में शोक की लहर है।

भानेगांव में धूमधाम से मनाया गया गोवर्धन पूजा महोत्सव

पद्मेश न्यूज। लांजी।

दीपावली के पावन पर्व की धूम में गोवर्धन पूजा का उत्सव पूरे देश में श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया जा रहा है। इसी कड़ी में लांजी विधानसभा क्षेत्र के भानेगांव स्थित मुंडी देव गौशाला में 21 अक्टूबर 2025 को गोवर्धन पूजा कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। इस अवसर पर विधायक राजकुमार कर्राहे मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित हुए, जिनकी मौजूदगी ने कार्यक्रम को और भी गरिमामय बना दिया। गोवर्धन पूजा, जो भगवान श्रीकृष्ण की गोवर्धन लीला की स्मृति में मनाया जाता है, इस बार गौ माता की सेवा और संरक्षण के संदेश को लेकर विशेष रूप से महत्वपूर्ण रहा।

कार्यक्रम की शुरुआत प्रात:काल गोवर्धन पर्वत की प्रतिकृति (गोबर से निर्मित) की विधिवत पूजा-अर्चना से हुई। शास्त्रोक्त विधि-विधान के अनुसार, वरुण देव, इंद्र देव और अग्नि देव की उपासना के बाद गौ पूजा का आयोजन किया गया। मुंडी देव गौशाला के प्रांगण में सजाई गई गोवर्धन प्रतिमा के चारों ओर रंग-बिरंगे फूलों, चंदन और कुमकुम से सजावट की गई थी। श्रद्धालुओं ने गोबर के गोवर्धन को 56 भोग लगाकर अन्नकूट प्रसाद ग्रहण किया, जो समृद्धि और कृतज्ञता का प्रतीक माना जाता है। विशेष रूप से, गौशाला में रखी गायों को स्नान कराकर श्रृंगार किया गया और उन्हें ताजा हरा चारा, गुड़-चने का प्रसाद अर्पित किया गया। यह दृश्य देखकर उपस्थित सभी लोग भगवान कृष्ण की गोकुल लीला की याद में भाव-विभोर हो उठे।

मुख्य अतिथि लांजी विधायक राजकुमार कर्राहे ने अपने संबोधन में कहा, गोवर्धन पूजा केवल एक धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि प्रकृति, गौ माता और पर्यावरण के प्रति हमारी कृतज्ञता का प्रतीक है। आज के दौर में गौशालाओं का संरक्षण और पशुपालन को बढ़ावा देना आवश्यक है। मुंडी देव गौशाला जैसे संस्थान न केवल गौ माता की सेवा कर रहे हैं, बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने में भी योगदान दे रहे हैं। विधायक श्री कर्राहे ने गौशाला के विकास के लिए जिला प्रशासन से सहयोग की मांग की और कहा कि वे इस दिशा में विधानसभा स्तर पर पहल करेंगे। उन्होंने उपस्थित जनसमूह को गोवर्धन पूजा के पीछे छिपे संदेशों—अहंकार त्याग, प्रकृति पूजा और सामूहिक एकता—पर प्रकाश डालते हुए शुभकामनाएं दीं।

कार्यक्रम में जनपद पंचायत लांजी के सभापति रेवारामजी कराटकरे ने गौशाला समिति को बधाई देते हुए कहा कि ऐसे आयोजन ग्रामीण क्षेत्रों में सामाजिक सद्भाव को मजबूत करते हैं। भानेगांव के सरपंच राम ठाकरे ने स्वागत भाषण में बताया कि गौशाला में वर्तमान में 150 से अधिक गायें संरक्षित हैं, जिनकी देखभाल स्थानीय किसानों और युवाओं द्वारा की जा रही है। उपसरपंच सुरेश पांचे ने पशु चिकित्सा विभाग के सहयोग से आयोजित स्वास्थ्य शिविर का जिक्र किया, जिसमें गायों का निशुल्क इलाज और टीकाकरण किया गया।

मंडल अध्यक्ष सीताराम रावते ने कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की, जबकि लीलाधर रावते और राजकुमार ठाकरे, अशोक अनमोल, लक्ष्मण छुट्टानी ने स्थानीय स्तर पर गौ रक्षा अभियान की जानकारी साझा की। मुंडी देव गौशाला भानेगांव की अध्यक्ष श्रीमती सरस्वती ठाकरे ने धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि यह आयोजन समस्त ग्रामवासियों की सामूहिक भागीदारी से संभव हुआ। एसडीओ टी.सी. परते ने प्रशासनिक सहयोग का आश्वासन दिया, जबकि लेखराज रामटेककर ने आयोजन की सफलता पर प्रसन्नता जताई।

पशु चिकित्सा विभाग से एम.के. आसटकर, अशोक नारनौरे (एडिशनल वेटरनरी फील्ड ऑफिसर), युवराज सोनवाने, शुभम पारधी और राजेंद्र ऐड ने विशेषज्ञ सलाह दी, जिसमें गौशाला प्रबंधन, चारा संरक्षण और रोग निवारण पर जोर दिया गया। मुंडी देव गौशाला के समस्त पदाधिकारी एवं गणमान्य नागरिकों की उपस्थिति ने कार्यक्रम को व्यापकता प्रदान की।

भगतसिंह स्पोर्ट्स अकादमी के 6 खिलाड़ियों का राज्य स्तरीय वॉलीबॉल प्रतियोगिता के लिए चयन

पद्मेश न्यूज। लांजी।

लाँजी में खेलों के क्षेत्र में एक बड़ी उपलब्धि हासिल हुई है। भगतसिंह स्पोर्ट्स अकादमी से जुड़े 6 प्रतिभाशाली खिलाड़ियों ने राज्य स्तरीय वॉलीबॉल प्रतियोगिता के लिए अपना स्थान पक्का कर लिया है। यह चयन न केवल इन युवाओं की मेहनत का फल है, बल्कि पूरे क्षेत्र के लिए गौरव का विषय बन गया है।

17 वर्ष आयु वर्ग में कुश मोहबिया और अमोल सोनवाने ने रीवा में आयोजित 69वीं राज्य स्तरीय वॉलीबॉल प्रतियोगिता में जबलपुर संभाग की टीम का प्रतिनिधित्व किया। प्रदेश के विभिन्न संभागों की टीमों के बीच चले इस मुकाबले में जबलपुर संभाग की टीम ने अपनी सूझ-बूझ और शानदार प्रदर्शन से विजेता का खिताब हासिल किया। दूसरी ओर, 19 वर्ष आयु वर्ग में क्रिष्टि कोठारे, कशिश बरसागड़े, भारती लहरोनिया और भरत यादव ने गाडरवाड़ा में हुई राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में भाग लिया। यहां जबलपुर संभाग की बालिका वर्ग की टीम ने उपविजेता का स्थान प्राप्त किया, जबकि बालक वर्ग की टीम विजेता रही।

लगातार 4 वर्षों से चल रहा प्रशिक्षण

भगतसिंह स्पोर्ट्स अकादमी, लाँजी में ये सभी खिलाड़ी पिछले 4 वर्षों से ब्लॉक युवा समन्वयक प्रज्ञात वासनिक के नेतृत्व में कड़ी मेहनत कर रहे हैं। अकादमी में विभिन्न विद्यालयों के बच्चे वॉलीबॉल सहित कई खेलों में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं। नियमित कैंप और अभ्यास सत्रों के माध्यम से खिलाड़ियों ने फिटनेस, सर्विस, स्पाइक और डिफेंस जैसी तकनीकों पर विशेष ध्यान केंद्रित किया, जो उनके चयन का प्रमुख कारण बना। अकादमी के सदस्यों का कहना है कि निरंतर अभ्यास से ये युवा न केवल अपनी स्किल्स मजबूत कर रहे हैं, बल्कि खेल के प्रति समर्पण भी सीख रहे हैं।

चयन की खुशी में अकादमी के प्रमुख सदस्यों ने खिलाड़ियों को बधाई दी। इनमें नवीन रामटेक्कर, राकेश मर्सकोले, महेंद्र खोबरागड़े, वरुण बड़मे, साहिल पांडे, विनय सातपुते, विनोद चौधरी, नवीन म्हात्रे, खुशाल खनोरकर और अजय कारसर्प शामिल हैं। उन्होंने खिलाड़ियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की और कहा, यह अकादमी की मेहनत का फल है। आगे भी ऐसी सफलताओं की अपेक्षा है।

क्षेत्र में खेल संस्कृति को मिल रही मजबूती

लाँजी क्षेत्र में खेलों का विकास तेजी से हो रहा है। भगतसिंह स्पोर्ट्स अकादमी जैसे संस्थान ग्रामीण युवाओं को राज्य स्तरीय और राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के लिए तैयार कर रहे हैं। स्थानीय निवासियों का मानना है कि ऐसी उपलब्धियां न केवल खिलाड़ियों को उत्साहित करती हैं, बल्कि पूरे समुदाय में खेल संस्कृति को मजबूत बनाती हैं। जिला प्रशासन और शिक्षा विभाग ने भी इस उपलब्धि की सराहना की है तथा भविष्य में अधिक संसाधनों की व्यवस्था का आश्वासन दिया है।

सेलोटपार में मँडई आज

पद्मेश न्यूज। डोंगरमाली। खैरलांजी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत सेलोटपार में २३ अक्टूबर को नवयुवक मंडई समिति के तत्वाधान में मंड़ई का आयोजन किया गया हैं। यह मँडई दिपावली के पावन पर्व पर प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी सेलोटपार में दिन रात की आयोजित की हैं। जिसमें रात्री में छत्तीसगढ़ी का आयोजन किया गया है। जिसमें स्वर रोशनी सांस्कृतिक लोक कला मंच लाँजी के द्वारा प्रस्तुति दी जायेगी। यह कार्यक्रम मुख्य अतिथि श्रीमती दिपीका राही पाण्डे सरपंच,श्रीमती कमला भलावी उपसरपंच सेलोटपार ,परमानंद तेलासे पूर्व सरपंच अध्यक्षता, मुन्नालाल रिनायत अध्यक्ष क्षत्रिय पंवार समाज, रामस्वरुप भवरे अध्यक्ष मरार माली समाज, संजय तेलासे अध्यक्ष भाजपा सेलोटपार एवं विशेष अतिथि श्रीमती दयावंती नंदकिशोर वट्टी, भेजनलाल उमरकर, योगराम बाकट, हरीराम तरारे ,कृष्णकुमार ठाकरे ,बुधराम मात्रे ,परदेशी दांदरे ,भोलाराम तरारे ,डोलीराम बाकट ,सुनऊलाल दांदरे ,रेखलाल तेलासे ,दिनेश पडवार ,भुषण पाण्डे मंडई समिति अध्यक्ष, खुन्नीराम भवरे मंडई समिति उपाध्यक्ष ,महेश जैतवार, राजाराम भवरे,बेनीराम कल्यारे ,छन्नुलाल तलवारे ,रोशनलाल कल्यारे, मदनलाल कल्यारे ,राजकुमार बाकट, श्रीराम दांदरे ,अमरलाल वटटी, धनीराम उईके, जितलाल उईके ,कोदुराम बाहेश्वर ,मनीष राऊत ,सोनु मोतिराम जैतवार, मंडई समिति सहसंचालक अंकेश कुमार पाण्डे ,नंदकिशोर हरिनखेड़े, होमचंद बाकट, मनोहरलाल उईके, चैनलाल मड़ावी, रामसिंह मड़ावी ,तिलकभाऊ परते ,मोहनभाऊ सिरसाम, लेखीराम परते, विनोद कुमार मड़ावी, गणेश कुमार तेलासे, खेमलाल सोनेकर, इच्छाराम सिंगनधुपे ,डुलेश पटले की उपस्थिति में प्रारंभ किया जाएगा। इस अवसर पर क्षेत्र के लोगों से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर कार्यक्रम का आनंद लेने की अपील समिति मंडई समिति एवं समस्त ग्रामवासी ग्राम सेलोटपार ने की हैं।

लांजी में ''पद्मेश''
इंटरनेट (ब्राडबेंड) कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

रीवा-सीधी पुलिस ने 18 लाख की 4,054 नशीली कफ सिरप शीशियाँ की जब्त

- नशे के खिलाफ एमपी पुलिस का प्रदेश भर में कड़ा एक्शन - महिला सहित सात आरोपी गिरफ्तार

भोपाल/रीवा। प्रदेश पुलिस के मुखिया कैलाश मकवाणा के निर्देशानुसार एमपी पुलिस ने राज्यभर में नशे के खिलाफ सघन अभियान के तहत निर्णायक कार्रवाई की है। रीवा और सीधी जिलों की पुलिस ने नशीली कफ सिरप की तस्करी करने वालो को दबोचते हुए 18 लाख 40 हजार की 4,054 शीशियाँ प्रतिबंधित सिरप जब्त की हैं। मामले में पुलिस ने सात आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जिनमें एक महिला तस्कर भी शामिल है। जानकारी के अनुसार डीजीपी कैलाश मकवाणा के नेतृत्व में नशे के खिलाफ प्रदेश भर में विशेष अभियान चलाते हुए प्रदेशभर में लगातार छापामार कार्रवाई की जा रही है। इसी कड़ी में रीवा जिले में पुलिस ने दो तस्करों राहुल सिंह एवं उत्कर्ष द्विवेदी, दोनों निवासी सीधी को गिरफ्तार किया। उनके कब्जे से दो कारों में रखी साढ़े चाल लाख से अधिक कीमत की 2,314 शीशी ऑनरेक्स कफ सिरप सहित आरोपियो की होंडा कार और एक वैगन आर जब्त की है। इसके अलावा सिटी कोतवाली पुलिस ने करीब 12 हजार की 60 शीशियाँ नशीली कफ सिरप जब्त करते हुए एक और आरोपी को गिरफ्तार किया। रीवा जिले की इन कार्रवाइयों में कुल 2,374 शीशियाँ और 12.68 लाख कीमत का मसरूका बरामद हुआ।

सीधी पुलिस ने की तीन कार्यवाही

इसी प्रकार सीधी जिले में पुलिस ने लगातार तीन बड़ी कार्रवाइयाँ कीं। थाना सेमरिया पुलिस ने मुखबिर सूचना पर कार्रवाई करते हुए स्कॉर्पियो वाहन से 2 लाख 37 हजार से अधिक कीमत की 1,180 शीशी ऑनरेक्स कफ सिरप सहित 10 लाख का वाहन और मोबाइल फोन सहित साढ़े 12 लाख का माल जब्त कर आरोपी सूरज तिवारी, निवासी शहडोल को गिरफ्तार किया। वहीं चौकी खड्डी में पुलिस टीम ने महिला तस्कर सुनीता गौतम (ग्राम रकेला) को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 12 कार्टन (300 शीशी) एसकूफ सिरप बरामद की, जिसकी कीमत 63 से अधिक बताइ गई है। प्रारंभिक पूछताछ में आरोपिया ने बताया कि उसका बेटा उसे यह सिरप बेचने के लिये उपलब्ध कराता था। वहीं थाना जमोड़ी पुलिस ने दो आरोपियों साहिल खान और हर्षित सोनी को गिरफ्तार कर उनके पास से 40 हजार से अधिक कीमत की 200 शीशी ऑनरेक्स कफ सिरप सहित 70 हजार का वाहन जब्त किया है। सीधी जिले की इन तीन कार्रवाइयों में कुल 1,680 शीशियाँ और 5.72 लाख से अधिक का मसरूका बरामद किया गया। पुलिस की इस संयुक्त कार्रवाई में कुल 4,054 नशीली कफ सिरप की शीशियाँ, लगभग ?18.40 लाख का मसरूका और चार वाहन (दो कार, एक स्कॉर्पियो एवं एक स्कूटी) जब्त किए गए हैं। इस दौरान कुल सात आरोपियों को गिरफ्तार किया गया।

दीपावली के दिन करीब आधे घंटे की हुई बारिश

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। सोमवार को पूरा शहर दीपावली पर्व की तैयारी में जुटा था, तभी दोपहर 12.30 बजे के बाद हुई तेज बारिश ने शहर को तरबतर कर दिया। जहां सुबह तक मौसम खुला था वहीं दोपहर बाद एकाएक आसमान में छाए काले बादल के बाद बारिश शुरू हो गई है। लगभग आधा घंटे की बारिश के, चलते दीपावली के बाजार में सन्नाटा पसर गया। हालांकि इसके बाद तेज बारिश तो बंद हो गई लेकिन आसमान में अभी भी बादल छाए हुए है और हल्की बूंदाबांदी हो रही है। जिससे संभावना जताई जा रही है कि रात को भी बारिश हो सकती है।सोमवार को हुई बारिश से दीपावली का रंग फीका हो गया है।

बाजार में दीपावली में फुटकर सामान बेचने आए, स्थानीय दुकानदारों को खासी परेशानियों का सामना करना पड़ा। बारिश से ना केवल उनका सामान खराब हो गया बल्कि दीपावली पर अच्छी बिक्री की आस भी टूट गई।

बारिश ने बढाई किसानों की चिंता

जिले में बीते एक पखवाड़ा के बाद हुई बारिश से मौसम भी ठंडा हो गया है।सोमवार को हुई एकाएक बारिश ने किसानों की भी चिंता बढ़ा दी है। चूंकि खेतो में लगी धान की कटाई शुरू हो गई है, ऐसे में काटा गया धान खेतो में ही सूखने के लिए पड़ा है, यदि और बारिश होती है तो खेतो में कटी पड़ी और लगी धान को पानी से नुकसान हो सकता है।बीते 20 सितंबर को बारिश के जारी अंतिम आंकड़े के अनुसार जिले में इस बारिश सीजन में 50 इंच से ज्यादा बारिश हो चुकी है। जिसमें सबसे ज्यादा 67 इंच बारिश परसवाड़ा तहसील और सबसे कम बारिश 21 इंच खैरलांजी तहसील में रिकॉर्ड की गई है। हालांकि बीते वर्ष की अपेक्षा डेढ़ इंच ज्यादा बारिश हुई है।

पूर्व मुख्यमंत्री उमा भारती का बड़ा बयान : 2029 में झांसी से लोकसभा चुनाव लड़ने की जताई इच्छा

भोपाल। मध्य प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री और भारतीय जनता पार्टी की वरिष्ठ नेता उमा भारती ने बुधवार को भोपाल स्थित अपने निवास पर आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में एक महत्वपूर्ण राजनीतिक संकेत दिया। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि उनकी इच्छा है कि वे 2029 का लोकसभा चुनाव झांसी से लड़ें। हालांकि, उन्होंने यह भी जोड़ा कि अंतिम निर्णय पार्टी नेतृत्व पर निर्भर करेगा और यदि पार्टी चाहती है तो वे इस चुनाव में जरूर भाग लेंगी।

उमा भारती ने कहा कि झांसी उनकी जन्मभूमि के निकट है और वह इस क्षेत्र में विकास के कई कार्य करना चाहती हैं। उन्होंने कहा कि उनके लिए यह केवल चुनाव लड़ने का मामला नहीं है, बल्कि एक सांस्कृतिक और विकासात्मक जिम्मेदारी है।

-गौसेवा और गंगा संरक्षण पर दिया जोर

प्रेस वार्ता के दौरान उमा भारती ने गौसेवा और गंगा संरक्षण को भी अपनी प्राथमिकताओं में शामिल बताया। उन्होंने कहा कि आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में गौ और गंगा की अहम भूमिका है। उन्होंने सुझाव दिया कि किसानों के पास पर्याप्त गौचर भूमि होनी चाहिए, जिससे गौ संवर्धन को बढ़ावा मिले।

उन्होंने राज्य सरकार से अपील की कि 'लाड़ली बहना' योजना समेत अन्य सरकारी योजनाओं के लाभार्थियों को गौशालाओं की देखभाल की जिम्मेदारी दी जाए। इससे एक ओर जहां गौसेवा को बल मिलेगा, वहीं दूसरी ओर स्वावलंबन और रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे।

आगामी कार्यक्रमों की जानकारी

उमा भारती ने अपने आगामी कार्यक्रमों की भी जानकारी साझा की-

29 अक्टूबर को भोपाल में गोपाष्टमी के अवसर पर एक विशेष आयोजन होगा, जिसमें किसान और समाजसेवी भाग लेंगे। 04 नवंबर को प्रयागराज में गंगा निर्मल अभियान का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने देशवासियों से अपील की कि वे इस अभियान में भाग लें और गंगा के दोनों किनारों की सफाई में सहयोग करें।

-सड़क पर गायों की सुरक्षा के लिए फेंसिंग का सुझाव

सड़कों पर बेसहारा गायों की बढ़ती संख्या और दुर्घटनाओं के बढ़ते खतरे को लेकर उमा भारती ने सरकार से आग्रह किया कि सड़कों के दोनों किनारों पर फेंसिंग की व्यवस्था की जाए, जिससे गायों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

-राजनीति से आगे, समाज और संस्कृति की चिंता

पूर्व मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि उनका उद्देश्य केवल राजनीतिक भागीदारी नहीं है, बल्कि वे पर्यावरण, संस्कृति और समाज सेवा से भी गहराई से जुड़ी हुई हैं। उन्होंने कहा कि गौसेवा और गंगा संरक्षण जैसे मुद्दों के माध्यम से वे समाज में जागरूकता फैलाने का प्रयास कर रही हैं।

एस के एम का 'भाव दो खाद दो, मुआवजा दो, जमीन की लूट बंद करो' आन्दोलन

27 अक्टूबर को राजधानी पहुंचेंगे किसान

भोपाल। 15 अक्टूबर को प्रदेश भर में कलेक्टरी, तहसीलों पर प्रदर्शन कर मुख्यमंत्री मध्य प्रदेश के नाम से संबोधित ज्ञापनों के देने के 10 दिन में भी कोई सकारात्मक कार्यवाही न होने पर किसानों ने 27 अक्टूबर को राजधानी में आकर प्रदर्शन करने का फैसला लिया है । संयुक्त किसान मोर्चे के समन्वय समूह की बैठक ने प्रदेश भर में हुई कार्यवाहियों की समीक्षा की और 27 अक्टूबर के आन्दोलन की तैयारियों को अंतिम रूप दिया ।

किसान जाग्रति संगठन के इरफ़ान जाफरी की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में अखिल भारतीय किसान सभा के संयुक्त सचिव बादल सरोज, भारतीय किसान यूनियन (टिकैत) के प्रदेश अध्यक्ष अनिल यादव, क्रांतिकारी किसान मजदूर संगठन के बाबूसिंह राजपूत सहित बाकी संगठनों की डिजिटल भागीदारी रही ।

एस के एम ने मुख्यमंत्री मोहन यादव से किसानों के प्रतिनिधिमंडल के साथ चर्चा करने का आह्वान किया है ।

'भाव दो खाद दो, मुआवजा दो, जमीन की लूट बंद करो' के इस आन्दोलन में संयुक्त किसान मोर्चे ने जो 10 मांगें उठाई हैं उनमें 1- भावान्तर नहीं भाव चाहिए ; वर्तमान में घोषित भावान्तर योजना किसानों की नहीं कुछ बड़ी कंपनियों के फायदे के लिए है । इसे तुरंत वापस लिया जाए और सख्ती के साथ सोयाबीन सहित सभी फसलों की न्यूनतम समर्थन मूल्य से खरीद सुनिश्चित की जाए । इससे कम पर खरीदने को दंडनीय अपराध मानकर कार्यवाही की जाए । 2 - दो साल पहले चुनाव घोषणापत्र में धान की कीमत 3100 रुपये प्रति क्विंटल देने का वादा किया गया था । उसके अनुपात इस वर्ष धान की खरीदी का मूल्य 3300 रुपये प्रति क्विंटल घोषित किया जाए । 3 - अतिवृष्टि से हुए नुकसान का नजरिया या सॅटॅलाइट सर्वे करने की बजाय पटवारी हलके को इकाई मानकर औसत उपज की तुलना में आई कमी को आधार बनाकर क्षति का पूरा मुआवजा दिया जाए । इसी तरह बीमा कंपनियों द्वारा की जा रही धांधली और धोखाधड़ी रोककर नुक्सान की पूरी भरपाई की जाए । 4 - खाद का संकट सरकार की अक्षमता और असफलता के कारण है । जरूरत पड़ने के पहले ही खाद का पर्याप्त भण्डारण किया जाए और हरेक किसान को उसकी आवश्यकता के अनुरूप खाद उपलब्ध कराया जाए । 5 - मध्यप्रदेश नकली खाद और बीज का अड्डा बना हुआ है । इनके सौदागरों और कृत्रिम संकट पैदाकर उनकी मदद करने वाले अधिकारियों को जेल भेजकर समुचित दंड दिया जाए । 6 - प्रदेश में लैंड पूलिंग की धोखाधड़ी और अलग अलग परियोजनाओं, कथित एक्सप्रेस वे, अभयारण्यों आदि इत्यादि के नाम पर जबरिया अधिग्रहण और बेदखली रोकी जाए । किसान की मर्जी और ग्राम सभा की वास्तविक मंजूरी और 2013 भूमि अधिग्रहण क़ानून के आधार पर मुआवजे और पुनर्वास के बिना जमीन अधिग्रहण नहीं किया जाए । 7 - किसानो को कम से कम 12 घंटे बिजली दी जाए । बिजली दिन के समय दी जाए । बढ़ाचढ़ा कर भेजे गए बिजली बिल निरस्त किये जाएँ । स्मार्ट मीटर की योजना रद्द की जाए । 8 - आत्महत्या करने वाले किसानों के परिजनों को पर्याप्त मुआवजा देते हुए उनके एक आश्रित को सरकारी नौकरी दी जाए । 9 - टैरिफ से पड़ने वाले असर से किसानों को बचाने के लिए अंतर की राशि का भुगतान सरकार करे । जो मुक्त व्यापार समझौते किये जा रहे हैं उनके दायरे के कृषि को बाहर रखा जाए । इन दोनों के चलते कपास उत्पादक किसानों को हुए घाटे की पूर्ति की जाये । 10 - रबी की फसल के लिए हाल ही में घोषित की गयी न्यूनतम समर्थन मूल्य की दरें अनुचित और अपर्याप्त हैं । स्वामीनाथन आयोग की दरों की तुलना में इन दरों से देश के किसानो को 3 लाख करोड़ रुपयों से अधिक का नकद नुक्सान होने वाला है । इन दरों को वापस लेकर नई दरों का निर्धारण किसान संगठनो के साथ मिलकर किया जाये ।

उपरोक्त संगठनों के चार नेताओं सहित मप्र किसान सभा (शाकिर सदन) के प्रहलाद वैरागी, अखिलेश यादव (मप्र किसान सभा बी टी आर भवन) मनीष श्रीवास्तव (आल इंडिया किसान खेत मजदूर संगठन), भगवान भाई (नर्मदा बचाओ आन्दोलन), आराधना भार्गव (किसान संघर्ष समिति), बी के यू (महाशक्ति) के प्रदेश अध्यक्ष राम जगदीश दांगी, विजय कुमार (आल इंडिया किसान क्रांतिकारी सभा), उमेश तिवारी (टोको, रोको, ठोको मोर्चा), बबलू जाधव (भारतीय किसान एवं मजदूर सेना) संदीप सिंह ठाकुर (भारतीय श्रमिक जनशक्ति यूनियन), बुद्धसेन सिंह गोंड (मप्र आदिवासी एकता महासभा), , राजकुमार सिन्हा (एन ए पी एम एवं बरगी बाँध विस्थापित एवं प्रभावित संघ, चुटका परमाणु विरोधी संघर्ष समिति) ने भी इन निर्णयों का समर्थन किया है ।

कीटनाशक के सेवन से, महिला की हालत बिगड़ी

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। लालबर्रा थाना क्षेत्र अंतर्गत आने वाले ग्राम निलजी निवासी एक महिला ने कीटनाशक का सेवन कर लिया जिससे महिला की हालत बिगड़ने पर उसे उपचार के लिए जिला अस्पताल लाकर भर्ती कराया गया है।महिला का नाम ग्राम निलजी निवासी 30 वर्षीय उषा पति राजेश कावरे बताया गया है।जिसका जिला अस्पताल में उपचार जारी है। हालांकि महिला ने कीटनाशक का सेवन क्यों किया, फिलहाल इसका खुलासा नहीं हो पाया है बताया गया कि उषा ने मंगलवार की देर शाम अचानक से कीटनाशक का सेवन कर लिया जिससे उसकी हालत बिगड़ने पर उसे देर रात्रि जिला अस्पताल में लाकर भर्ती कराया है जहां पर उसका उपचार किया जा रहा है। उधर अस्पताल चिकित्सक से तहरीर मिलने पर अस्पताल पुलिस चौकी ने महिला व परिजनों के बयान दर्ज कर, अग्रिम विवेचना व कार्यवाही के लिए डायरी संबंधित थाना को भिजवाई गई है। जिसके आधार पर लालबर्रा पुलिस द्वारा इस पूरे मामले की जांच शुरू कर दी गई है।

हर्षोल्लास के साथ मनाया गया गोवर्धन पूजा पर्व

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। दीपों का महापर्व दिपावाली के दूसरे दिन जिला मुख्यालय सहित अन्य तहसील व ग्रामीण अंचलों में गोवर्धन पूजा पर्व मनाया गया। कार्तिक मास की शुक्ल पक्ष प्रतिपदा तिथि पर मनाए गए इस पर्व पर घर-घर हिंदू धर्मावलंबियों द्वारा गोवर्धन की पूजा विधि विधान के साथ की गई।मंगलवार को मनाए गए इस पर्व में गाय के गोबर से गोवर्धन पर्वत बनाया गया जिसे चारों ओर से आकर्षक फूलों से सजा कर विधि-विधान के साथ उसकी पूजा अर्चना की गई।धार्मिक मान्यता के अनुसार भगवान श्री कृष्ण ने इंद्र के प्रकोप से गोकुल वासियों की रक्षा करने के लिए गोवर्धन पर्वत को उठाया था, तभी से यह पर्व दीपावली के दूसरे दिन मनाने की परंपरा है जो अब भी कायम है।

विधि विधान के साथ कि गई पूजा अर्चना

दीपावली के दूसरे दिन अन्नकूट या गोवर्धन पूजा के नाम से विख्यात है।मंगलवार को जिलेभर में खासकर ग्रामींण अंचलों में यह पर्व पूरे श्रृद्धाभाव व परंपरा के अनुसार मनाया गया। अहीर यादव व गोवारी समाज के वरिष्ठों ने बताया कि गोवर्धन पूजा में अन्न पूजा, परिवार पूजा, प्रकृति पूजा, पशुधन और संपत्ति आदि की पूजा की जाती है। गोवर्धन पूजा सामाजिक-व्यावहारिक रूप से एक सम्मिलित परिवार के बीच आपसी प्रेम, प्रतिष्ठा, एकता और मेलजोल की प्रधानता का दिन है। ग्रामींण अंचलों में गोबर से गोवर्धन बनाकर उसकी पूजा अर्चना की गई। वहीं विशेष पकवान बनाकर पहले गौवंश फिर परिवार के साथ भोज किया गया। वैदिक रीति व मान्यता के अनुसार इस दिन वरुण, इंद्र, अग्नि की पूजा की जाती है। साथ में गायों का श्रृंगार करके उनकी आरती की जाती है और उन्हें फल मिठाइयां खिलाई जाती हैं। कुछ ऐसा ही नजारा शहर व ग्रामींण अंचलों में दिखाई दिया। जहा गाय के गोबर से गोवर्धन पर्वत की प्रतिकृति बनाई गई। इसके बाद उसकी पुष्य, दीप, नौवैदय से पूजा की गई।

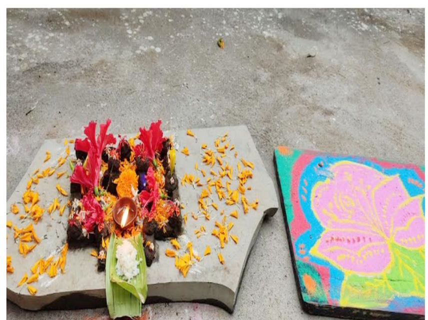

ई अटेंडेंस नही लगाने वाले शिक्षकों पर होगी कार्यवाही

कलेक्टर ने टीएल बैठक में समय सीमा प्रकरणों की समीक्षा की

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। कलेक्टर मृणाल मीना ने 22 अक्टूबर को टीएल बैठक में विभिन्न विभागों के समय सीमा संबंधी प्रकरणों की विस्तार से समीक्षा की और अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अभिषेक सराफ, अपर कलेक्टर जीएस धुर्वे, सहायक कलेक्टर आकाश अग्रवाल, संयुक्त कलेक्टर राहुल नायक, डिप्टी कलेक्टर प्रदीप कौरव, एसडीएम गोपाल सोनी एवं अन्य विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

कोदो कुटकी लगाने वाला कोई भी किसान पंजीयन से नही रहना चाहिए वंचित

बैठक में कलेक्टर श्री मीना ने उपसंचालक कृषि को निर्देशित किया कि भावांतर योजना के लिए जिले के सोयाबीन फसल लगाने वाले सभी किसानों का समय सीमा में पंजीयन सुनिश्चित करें। इसी प्रकार समर्थन मूल्य पर कोदो कुटकी उपार्जन के लिए इन फसलो को लगाने वाले किसानों का समय सीमा में पंजीयन किया जाए। शासन की नीति के अनुसार भविष्य में बालाघाट जिले में मिलेट फसलों का रकबा बढ़ाया जाना है। अतः कोदो कुटकी की फसल लगाने वाले किसानों को शासन द्वारा निर्धारित समर्थन मूल्य दिलाने के लिए इसका व्यापक स्तर पर प्रचार प्रसार किया जाए। किसानों को कोदो एवं कुटकी के प्रति क्विंटल समर्थन मूल्य की जानकारी दी जाए। कोदो कुटकी लगाने वाला कोई भी किसान पंजीयन से वंचित नही रहना चाहिए।

इस दौरान उपसंचालक कृषि फूलसिंह मालवीय ने बताया कि भावांतर योजना के लिए सोयाबीन उत्पादन करने वाले 34 किसानों का पंजीयन किया जा चुका है। जिले में 2214 किसानों द्वारा 2150 हेक्टेयर क्षेत्र में कोदो कुटकी की फसल लगायी गई है। कोदो कुटकी के समर्थन मूल्य पर उपार्जन के लिए 05 केंद्रो पर किसानो का पंजीयन किया जा रहा है। किसानो का पंजीयन 24 अक्टूबर तक किया जाएगा। उन्होंने बताया कि रबी फसलों के लिए जिले में उर्वरक का पर्याप्त भंडारण कर लिया गया है। जिले में वर्तमान में 4500 मीट्रिक टन यूरियॉ, 2800 मीट्रिक टन डीएपी, 1450 मीट्रिक टन एनपीके एवं 2450 मीट्रिक टन सिंगल सुपर फास्फेट उपलब्ध है।

कलेक्टर श्री मीना ने समर्थन मूल्य पर धान खरीदी की तैयारी के अंतर्गत सभी एसडीएम को निर्देशित किया कि अपने क्षेत्र के राईस मिलर्स एवं धान व्यापारियों के स्टॉक का शीघ्रता से सत्यापन करें और रिपोर्ट प्रस्तुत करें। धान के अवैध परिवहन पर नजर रखने के लिए चेक पोस्ट पर निगरानी बढाई जाए। समर्थन मूल्य पर खरीदी के दौरान किसी भी व्यापारी, राईस मिलर्स या बिचौलिये का धान विक्रय के लिए नही आना चाहिए।

त्यौहारों के बाद भी खाद्य विभाग नियमित रूप से करेगा प्रतिष्ठानों की जांच

बैठक में खाद्य सुरक्षा अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि खाद्य सामग्री विक्रय करने वाले प्रतिष्ठानों की केवल त्यौहारों के समय ही नहीं बल्कि नियमित रूप से जांच की जाए। जांच के दौरान खाद्य सामग्री की गुणवत्ता, स्वच्छता, शुद्धता एवं खाद्य सुरक्षा अधिनियम का पालन हो रहा है या नहीं इसकी जांच की जाए। मिलावट युक्त खाद्य सामग्री विक्रय करने वाले एवं स्वच्छता का ध्यान नही रखने वाले विक्रेताओं के लायसेंस निरस्त करने के निर्देश दिये गए। ईट-राईट कैम्पेन के अंतर्गत स्वास्थ्य विभाग के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, सिविल अस्पताल एवं जिला चिकित्सालय तथा जनजाति कार्य विभाग एवं शिक्षा विभाग के छात्रावासों को शामिल करने के निर्देश दिये गए। इन संस्थाओं में मरीजों एवं छात्र छात्राओं को दिये जाने वाले भोजन की गुणवत्ता खाद्य सुरक्षा अधिनियम के तहत सुनिश्चित की जाए। नगरीय क्षेत्र बालाघाट में संचालित चौपाटी को भी ईट-राईट कैम्पेन में शामिल करने के निर्देश दिये गए।

बैठक में जिला शिक्षा अधिकारी को निर्देशित किया गया कि शिक्षकों की ई-अटेंडेंस की रिपोर्ट प्रतिदिन प्रस्तुत की जाए और ई-अटेंडेंस नही लगाने वाले शिक्षको पर कार्यवाही की जाए। जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र की महाप्रबंधक को निर्देशित किया गया कि 25 अक्टूबर को सांदीपनी विद्यालय में आयोजित रोजगार मेले का व्यापक स्तर पर प्रचार प्रसार करें और इसमें अधिक से अधिक युवाओं को रोजगार दिलाए। जल संसाधन विभाग के अधिकारी को निर्देशित किया गया कि नहरों की साफ सफाई कराए और रबी सीजन में सिंचाई के लिए पानी उपलब्ध कराने की तैयारी करें।

सीएम हेल्पलाईन के प्रकरणों की समीक्षा के दौरान कलेक्टर श्री मीना ने सभी अधिकारियों को निर्देशित किया कि इन प्रकरणों का तत्परता के साथ निराकरण किया जाए। जिन विभागों की ग्रेडिंग में गिरावट आयी है उनके अधिकारियों एवं सबसे निचली पायदान के तीन विभागों के अधिकारियों को कारण बताओं नोटिस जारी करने के निर्देश दिये गए। वारासिवनी एसडीएम को ग्राम अंसेरा एवं बैहर एसडीएम को ग्राम भंडेरी में विद्युत उपकेंद्र निर्माण के लिए भूमि आवंटन की प्रक्रिया शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिये गए। सहायक संचालक उद्यान को निर्देशित किया गया कि उद्यानिकी फसलों का क्लस्टर डेवलपमेंट प्लॉन तैयार कर प्रस्तुत करें। अग्रणी बैंक प्रबंधक को निर्देशित किया गया कि पीएम स्वनिधि योजना के प्रकरणों में ऋण वितरण शीघ्रता से कराए। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के अधिकारी को निर्देशित किया गया कि पूर्ण हो चुके नल-जल योजनाओं में घरों में नल कनेक्शन देने एवं उनके आधार कार्ड की पोर्टल पर एंट्री का कार्य शीघ्रता से पूर्ण करें। अक्षय ऊर्जा अधिकारी को निर्देशित किया गया कि अनुदान पर सोलर पम्प लगाने की योजना का अधिक से अधिक किसानों को लाभ पहुंचाने के लिए इसका व्यापक स्तर पर प्रचार प्रसार करें।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ आज दूसरे एकदिवसीय में

जीत के इरादे से उतरेगी भारतीय टीम

एडिलेड एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम गुरुवार को यहां ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होने वाले दूसरे एकदिवसीय क्रिकेट मैच को जीतकर सीरीज में वापसी के इरादे से उतरेगी। भारतीय टीम को पहले एकदिवसीय में सात विकेट से हार का सामना करना पड़ा था। ऐसे में ऑस्ट्रेलियाई टीम तीन मैचों की इस सीरीज में 1-0 से आगे है। इस मैच में सभी की नजरें रोहित शर्मा और विराट कोहली पर भी रहेंगी। ये दोनो ही पहले एकदिवसीय में रन बनाने में विफल रहे थे। कोहली और रोहित का प्रयास इस मैच में बड़ी पारी खेलना रहेगा। पहला एकदिवसीय मैच में भारतीय टीम के लिए अच्छा नहीं रहा था। बारिश की बाधा के बीच ही बार-बार मैच रुकने से भारतीय बल्लेबाज अधिक रन नहीं बना पाये और पूरी टीम 136 रनों पर ही आउट हो गयी थी। इस मैच में भारतीय गेंदबाज भी प्रभावित नहीं कर पाये।

अब दूसरे एकदिवीय में भारतीय टीम के बल्लेबाजों के लिए मेजबान गेंदबाजों क्योंकि मिशेल स्टार्क और जोश हेजलवुड से सावधान रहना होगा। ऑस्ट्रेलियाई पिचों पर उछाल और गति होती है और ऐसे हालातों में बल्लेबाजी करना कठिन होता है।

इस मैच में अनुभवी स्पिनर एडम ज़म्पा और विकेटकीपर बल्लेबाज एलेक्स कैरी की भी वापसी होगी।

इस मैच में रोहित पर अच्छा प्रदर्शन करने का दबाव रहेगा क्योंकि टीम के पास यशस्वी जायसवाल जैसा खिलाड़ी बैंच पर है। रोहित ने इसी को देखते हुए मैच से पहले काफी अभ्यास किया है। रोहित अभ्यास के लिए समय से पहले ही पहुंच गये थे। अभ्यास सत्र में कोच कोच गौतम गंभीर और सहयोगी स्टाफ भी था।

रोहित के अलावा कोहली ने भी मंगलवार को नेट पर काफी समय बिताया।

बल्लेबाजी कोच सीतांशु कोटक ने कहा इस मैच में भी पारी की शुरुआत रोहित ही कप्तान शुभमन गिल के साथ करेंगे। उन्होंने रोहित और विराट के फार्म को लेकर कहा , "मुझे लगता है कि रोहित और विराट अच्छी लय में दिख रहे हैं। उन्होंने कल अभ्यास सत्र बहुत अच्छी बल्लेबाजी की। इसलिए मुझे लगता है कि वे वास्तव में अच्छी बल्लेबाजी कर रहे हैं।" ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या के नहीं होने से नीतीश रेड्डी को इस मैच में भी जगह मिलना तय है। इसके अलावा स्पिन ऑलराउंडर वॉशिंगटन सुंदर को भी जगह मिल सकती है क्योंकि भारतीय टीम प्रबंध निचले स्तर तक बल्लेबाज चाहता है।

बल्लेबाजी कोच ने कहा, "हार्दिक जैसे खिलाड़ी का न होना हमेशा ही झटका होता पर इससे युवा नीतीश को अनुभवी का मौका मिल रहा है और हम उसे निखारने की कोशिश कर रहे हैं।" उन्होंने कहा, "हर टीम को एक ऑलराउंडर की ज़रूरत होती है और हम उसे उस भूमिका में ढालने की कोशिश कर रहे हैं। इस नजर से यह एक अच्छी तैयारी है। लेकिन हार्दिक जैसे खिलाड़ी की कमी किसी भी टीम को खलेगी।" इस बात की पूरी संभावना है कि भारत दूसरे मैच में भी उन्हें 11 खिलाड़ियों के साथ खेलेगा जो पहले मैच में खेले थे।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं-

भारत- शुभमन गिल (कप्तान), रोहित शर्मा, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, केएल राहुल (विकेटकीपर), अक्षर पटेल, वाशिंगटन सुंदर, नितीश कुमार रेड्डी, मोहम्मद सिराज, हर्षित राणा, अर्शदीप सिंह, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), यशस्वी जयसवाल, कुलदीप यादव, प्रसिद्ध कृष्णा।

ऑस्ट्रेलिया- मिशेल मार्श (कप्तान), जेवियर बार्टलेट, एलेक्स केरी, कूपर कोनोली, नाथन एलिस, जोश हेजलवुड, ट्रैविस हेड, मार्नस लाबुशेन, मिशेल ओवेन, जोश फिलिप, मैथ्यू रेनशॉ, मैथ्यू शॉर्ट, मिशेल स्टार्क, एडम ज़म्पा।

अपराजित ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड में वर्चस्व की जंग आज

इंदौर एजेंसी। आईसीसी महिला विश्व कप 2025 में बुधवार को क्रिकेट की दो दिग्गज टीमें ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड इंदौर के होलकर स्टेडियम में आमने-सामने होंगी। दोनों टीमें सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई कर चुकी हैं, लेकिन यह मुकाबला अपनी अजेय लय को बरकरार रखने और नॉकआउट चरण से पहले मनोवैज्ञानिक बढ़त हासिल करने के लिए महत्वपूर्ण होगा। मैच के बाद केवल एक ही टीम टूर्नामेंट में अजेय रह पाएगी। इंग्लैंड दो दिन पहले इसी मैदान पर खेलने के कारण थोड़ा आत्मविश्वास में होगी, जबकि ऑस्ट्रेलिया छह दिन के अंतराल के बाद वापसी कर रही है।

ऑस्ट्रेलिया को हीली की कमी खलेगी

ऑस्ट्रेलिया को बड़ा झटका लगा है, क्योंकि उनकी कप्तान और लगातार दो शतक जड़ने वाली एलिसा हीली शनिवार को फिटनेस सत्र के दौरान लगी पिंडली की मामूली चोट के कारण मैच से बाहर हो गई हैं। विकेटकीपिंग का जिम्मा बेथ मूनी संभालेंगी, जबकि बल्लेबाजी में उनकी जगह जॉर्जिया वोल शीर्ष क्रम में आएंगी। कप्तान के रूप में ताहलिया मैक्ग्रा जिम्मेदारी संभालेंगी। मैक्ग्रा, जो तीन पारियों में केवल 43 रन बना पाई हैं, कप्तानी मिलने पर दबाव मुक्त होकर बल्लेबाजी में योगदान देना चाहेंगी। टीम की गेंदबाजी चिंता का विषय नहीं है और वे स्पिनर सोफी मोलिनक्स को भी वापस ला सकते हैं। हेड कोच शेली निट्स्के ने टीम की अनुकूलन क्षमता को उनकी ताकत बताया है।

इंग्लैंड की मध्य-क्रम की कमजोरी

इंग्लैंड की टीम पिछले कुछ मैचों में दबाव में रही है। उनकी सबसे बड़ी चिंता निचला मध्य-क्रम है, जहाँ 5 से 7 नंबर के बल्लेबाजों का इस विश्व कप में औसत केवल 9.25 रहा है, जो सभी टीमों में सबसे कम है। हालांकि, कोच चार्लोट एडवर्ड्स ने इसी बल्लेबाजी क्रम को समर्थन देने का संकल्प लिया है। अनुभवी डैनी व्याट-हॉज को बेंच पर बिठाया जा सकता है। एमी जोन्स, हीथर नाइट और नैट साइवर-ब्रंट ने कुछ बड़ी पारियां खेली हैं, लेकिन दूसरों को अभी कदम बढ़ाना बाकी है। इंग्लैंड की विकेटकीपर एमी जोन्स भारत के खिलाफ अर्धशतक लगाकर लय में लौटी हैं।

ऑस्ट्रेलियाई टीम में कैरी की वापसी तय, फिलिप होंगे बाहर

एडीलेड एजेंसी। ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के नियमित विकेटकीपर बल्लेबाज एलेक्स कैरी की गुरुवार को यहां भारतीय टीम के खिलाफ होने वाले दूसरे एकदिवसीय क्रिकेट मैच में वापसी तय है। कैरी के फिट नहीं होने के कारण पहले एकदिवसीय में युवा विकेटकीपर बल्लेबाज जोश फिलिप को अवसर मिला था। फिलिप का प्रदर्शन भी अच्छा रहा था इसके बाद भी उन्हें इस मैच में बाहर बैठना पड़ेगा।

पहले एकदिवसीय में जोश इंगलिस और कैरी के बाहर होने से फिलिप को टीम में जगह मिली थी। उन्होंने इसका लाभ उठाते हुए दो कैच पकड़ने के साथ ही 29 गेंदों पर 37 रन बनाये। फिलिप ने कप्तान मिशेल मार्श के साथ 55 रनों की साझेदारी कर टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई थी। इस क्रिकेटर ने कहा, "अगर मुझे मौका मिलेगा तो मध्यक्रम में खेल सकता हूं।" इंगलिस और कैरी के वापस लौटने के बाद फिलिप का बाहर होना तय है। इसके बाद भी वह निराश नहीं हैं। फिलिप को उम्मीद है कि उन्हें अब भी अवसर मिल सकता है। इस युवा ने कहा कहा, "केज़ और इंगलिस असाधारण खिलाड़ी हैं। टीम में कई बेहतरीन खिलाड़ी हैं और कप्तान के रूप में मिशेल मार्श काफी सहयोगात्मक हैं।"

वेस्टइंडीज पांच स्पिनरों से गेंदबाजी कराने वाली पहली टीम बनी

ढाका एजेंसी। वेस्टइंडीज ने बांग्लादेश दौरे पर खेले ये दूसरे एकदिवसीय में मेजबान टीम को सुपर ओवर में हरा दिया। इस मैच में वेस्टइंडीज ने पांच स्पिनरों से गेंदबाजी कराकर एक अनोखा रिकार्ड भी बना दिया। इस मैच में वेस्टइंडीज की ओर से पूरे 50 ओवर स्पिनरों ने किये। इस प्रकार वेस्टइंडीज एक एकदिवसीय मैच में पांच स्पिनरों से गेंदबाजी कराने वाली पहली टीम बन गयी है। इस मैच में बांग्लादेश ने सात विकेट पर 213 रन बनाए,इससे पहले किसी भी एक एकदिवसीय पारी में सबसे ज्यादा ओवर फेंकने का रिकॉर्ड श्रीलंका के नाम था। श्रीलंकाई टीम ने साल 1996 में वेस्टइंडीज, 1998 में न्यूजीलैंड और 2004 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ चार स्पिनरों से 44 ओवर डलवाये थे। वेस्टइंडीज की ओर से स्पिनर गुडाकेश मोती ने 10 ओवर में तीन विकेट जबकि अकील हुसैन ने इतने ही ओवरों में 41 रन देकर दो विकेट लिए।

डीएलएस प्रणाली में बदलाव की जरुरत – आकाश चोपड़ा

नई दिल्ली एजेंसी। पूर्व क्रिकेटर आकाश चोपड़ा ने वर्षा प्रभावित मैचों में परिणाम तय करने के लिए लागू की गयी डकवर्थ लुइस प्रणाली में बदलाव की मांग की है। इस प्रणाली पर पहले भी कई बार सवाल उठे हैं। वहीं ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पर्थ में खेले गए पहले एकदिवसीय में भारतीय टीम की हार के बाद एक बार फिर ये प्रणाली निशाने पर आयी है। आकाश चोपड़ा का कहना है कि इससे भारतीय टीम को नुकसान हुआ है।

पर्थ एकदिवसीय में मैच में भारत की पारी में चार बार मैच रुका पर ऑस्ट्रेलिया की पारी लगातार चली। इसमें 50-50 ओवर के मैच को पहले 35-35 ओवर का किया गया। फिर इसे घटाकर 32-32 ओवर का किया गया और आखिर में मैच 26-26 ओवर का हुआ। इसमें भारतीय टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 9 विकेट पर 136 रन बनाए, वहीं ऑस्ट्रेलिया को जीत के लिए 131 रनों का लक्ष्य ही मिला।

इस पूर्व क्रिकेटर ने कहा, भारत ने 136 रन बनाए थे पर लक्ष्य 131 रह गया। उन्होंने इसे गलत बताया। आकाश ने कहा, सबसे पहले, जब मैच शुरू हुआ, तो भारत के लिए यह 50 ओवर का मैच था पर धीरे-धीरे ओवर कम होते गये। जिससे भारतीय टीम को अपनी रणनीति बार-बार बदलनी पड़ी। इस प्रणाली में जिस टीम के पास कम विकेट होते हैं वह कमजोर हालात में आ जाती है। मैं होता यह है कि अगर आपके पास कम विकेट हैं, तो आप कमज़ोर स्थिति में आ जाते हैं। चोपड़ा ने कहा कि इस प्रणाली में पहले बल्लेबाजी करने वाली टीमों को लाभ मिलना चाहिए। उन्होंने कहा, इस मैच भारतीय टीम के बनाये 136 रनों के जवाब में लक्ष्य 145 या 147 होना चाहिए था। मेरा मानना है कि डीएलएस प्रणाली में कुछ बदलाव करने की जरूरत है, क्योंकि यह सिस्टम पहले बल्लेबाजी करने वाली टीम के खिलाफ जाता है। चोपड़ा के अनुसार ऑस्ट्रेलिया को हालातों का पता था। इसलिए उन्होंने इसका लाभ उठाया।

विराट, रोहित का भविष्य तय करेंगी ऑस्ट्रेलिया सीरीज –पोंटिंग

सिडनी एजेंसी। भारतीय टीम के अनुभवी बल्लेबाजों विराट कोहली और रोहित शर्मा के 2027 विश्वकप में खेलने को लेकर अटकलों का दौर जारी है। कुछ पूर्व क्रिकेटरों का कहना है कि उन्हें इसमें खेलना चाहिये। वहीं कुछ का मानना है कि बढ़ती उम्र के कारण ये शायद ही खेल पायें। वहीं इसी पर प्रतिक्रिया देते हुए ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग ने कहा है कि विराट और रोहित वर्तमान में जारी एकदिवसीय सीरीज में कैसा प्रदर्शन करते है। इसी पर इनका भविष्य निर्भर करेगा। इसी सीरीज से पता चलेगा कि ये दोनो 2027 विश्व कप तक खेल पायेंगे या नहीं। विराट और रोहित अब केवल एकदिवसीय प्रारूप में ही खेलते हैं और इनका लक्ष्य विश्वकप खेलना है हालांकि अभी दोनो लय के लिए संघर्ष कर रहे हैं। ब्रेक के बाद ये दोनो ही जब अपना पहला अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने के लिए उतरे तो उनकी

शुरुआत अच्छी नहीं रही और वे पर्थ की उछाल भरी पिच पर ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाजों के सामने रन नहीं बना पाये।

पोंटिंग ने पूर्व भारतीय मुख्य कोच रवि शास्त्री के साथ 'बात करते हुए कहा कि इस जोड़ी को केवल 2027 विश्व कप के बारे में सोचने की जगह अपने लिए छोटे लक्ष्य तय करने चाहिए। पोंटिंग ने कहा, "एक बात जो मुझे किसी से सुनना पसंद नहीं है, वह यह है कि 'मैंने खेल में सब कुछ हासिल कर लिया है', क्योंकि मुझे लगता है कि आपके पास अब भी कुछ अल्पकालिक लक्ष्य होने चाहिए। आपको केवल 2027 में होने वाले एकदिवसीय विश्व कप के बारे में अभी नहीं सोचना चाहिए।"

उन्होंने साथ ही कहा, "विराट शुरू से ही एक बेहद प्रेरणादायी इंसान रहे हैं और मुझे लगता है कि उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ इस सीरीज के लिए कुछ लक्ष्य तय कर लिए होंगे। वह अगले विश्व कप के बारे में सोच कर अपना समय बेकार नहीं कर रहे होंगे। यह देखना होगा कि क्या वे विश्व कप तक अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन जारी रख पाएंगे। हमें इस सीरीज के दौरान इसका जवाब मिल जाएगा।" पहले एकदिवसीय में रोहित और कोहली का प्रदर्शन उम्मीद के मुताबिक नहीं रहा, लेकिन शास्त्री का मानना ??है कि सीमित ओवरों के इन दो महान खिलाड़ियों को अधिक समय दिया जाना चाहिए, क्योंकि आईपीएल के बाद प्रतिस्पर्धी क्रिकेट से दूर रहने के बाद उन्हें लय हासिल करने में समय लगेगा। उन्होंने कहा, "जब आप लंबे समय के बाद वापसी करते हैं तो जाहिर है कि आप लय में नहीं होंगे। किसी भी विदेशी टीम के लिए पर्थ में मैच से दो दिन पहले ऑस्ट्रेलिया पहुंचना और वहां के हालातों से तुरंत तालमेल बिठाना आसान नहीं होता, विशेषकर तब जब आपको अतिरिक्त उछाल मिल रहा हो।"

नीरज चोपड़ा टेरिटोरियल आर्मी में मानद लेफ्टिनेंट कर्नल बने

नई दिल्ली एजेंसी। ओलंपिक और विश्व चैम्पियन भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा को टेरिटोरियल आर्मी में मानद लेफ्टिनेंट कर्नल बनाया गया है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने यहां साउथ ब्लॉक में आयोजित एक कार्यक्रम में नीरज को टेरिटोरियल आर्मी में मानद लेफ्टिनेंट कर्नल पद से सम्मानित किया। इस कार्यक्रम में थलसेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी और भारतीय सेना व टेरिटोरियल आर्मी के कई वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे।

नीरज को ये सम्मान चिन्ह औपचारिक रूप से प्रदान किया। इस अवसर पर रक्षा मंत्री ने कहा कि लेफ्टिनेंट कर्नल (मानद) नीरज चोपड़ा दृढ़ संकल्प, देशभक्ति और उत्कृष्टता की भारतीय भावना का प्रतीक बने हैं। वह अपने अनुशासन

और समर्पण से न केवल खेल जगत में, बल्कि पूरे देश में प्रेरणा का स्रोत बनकर उभरे हैं। राजनाथ ने नीरज की उपलब्धियों की प्रशंसा करते हुए कहा कि नीरज ने मैदान में जो अनुशासन और निष्ठा दिखाई, वही भावना उन्हें सेना के आदर्शों से जोड़ती है। वह आने वाली पीढ़ियों के लिए सच्चे प्रेरणास्रोत हैं।

नीरज को साल 2016 में भारतीय सेना की राजपूताना राइफल्स रेजिमेंट में शामिल किया गया था। नीरज ने अपने प्रदर्शन से न केवल भारत बल्कि भारतीय सेना का भी गौरवा बढ़ाया है। उन्होंने साल 2020 के टोक्यो ओलंपिक में भारत की ओर से एथलेटिक्स में पहला स्वर्ण पदक जीता था। इसके बाद उन्होंने 2024 के पेरिस ओलंपिक में रजत पदक और 2023 की विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीता था।

इसके अलावा, नीरज ने एशियाई खेलों, राष्ट्रमण्डल खेलों और डायमंड लीग में भी कई स्वर्ण पदक जीते हैं। उन्होंने हाल ही में 90.23 मीटर का व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ थ्रो (2025) कर भारतीय एथलेटिक्स इतिहास में नया रिकार्ड स्थापित किया। नीरज की इस उपलब्धियों और राष्ट्र सेवा के प्रति उनके योगदान को देखते हुए राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने उन्हें 16 अप्रैल 2025 को टेरिटोरियल आर्मी में मानद कमीशन प्रदान किया था। नीरज को पद्म श्री, मेजर ध्यानचंद खेल रत्न, अर्जुन पुरस्कार, परम विशिष्ट सेवा पदक और विशिष्ट सेवा पदक जैसे सम्मान भी मिले हैं।

इससे पहले खेल जगत से मानद लेफ्टिनेंट कर्नल की उपाधि पूर्व क्रिकेट कप्तान कपिल देव, सचिन तेंदुलकर और महेन्द्र सिंह धोनी को भी दी गयी थी।

शुभमन को एशिया कप टीम में शामिल किये जाने के खिलाफ थे सूर्यकुमार – रिपोर्ट

मुम्बई एजेंसी। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) टेस्ट और एकदिवसीय टीम के कप्तान शुभमन गिल को भविष्य में तीनों ही प्रारूपों में कप्तानी देना चाहता है और उन्हें इसके लिए तैयार करने में लगा है। इसी कारण शुभमन को पिछले माह हुए एशिया कप में भी बतौर उपकप्तान शामिल किया गया था। वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार टी20 टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव इस फैसले से खुश नहीं थे और उन्होंने शुभमन को टीम में शामिल किये जाने का विरोध भी किया था पर कोच गौतम गंभीर व चयनसमिति के प्रमुख ने उनकी बात नहीं मानी। रिपोर्ट के अनुसार सूर्या का उनका कहना था कि शुभमन का खेल टी20 के अनुरुप नहीं है। उनकी ये

बात काफी कुछ सही भी निकली। शुभमन के लिए एशिया कप अच्छा नहीं रहा। 7 पारियों में वह केवल 127 रन बनाए। एक बार भी वह पचास रन नहीं बना पाये। उन्हें शामिल किये जाने के कारण अभिषेक शर्मा और संजू सैमसन की जोड़ी को तोड़ना पड़ा। रिपोर्ट में कहा गया है कि टीम की घोषणा होने से कुछ देर पहले सूर्यकुमार को जब बताया गया कि शुभमन को टी20 टीम में शामिल किया गया है। तो वह हैरत में पड़ गये पर चयनसमिति प्रमुख अजीत अगरकर और मुख्य कोच गौतम गंभीर ने उन्हें समझा दिया। गंभीर ने आईपीएल में शुभमन के अच्छे प्रदर्शन का भी हवाला दिया।

मजाकिया अंदाज में बोले हसी, अगर कम उम्र में डेब्यू करता तो सचिन से अधिक रन बनाता

मेलबर्न एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व क्रिकेटर माइकल हसी ने कहा है कि अगर उन्हें कम उम्र में खेलने का अवसर मिल गया होता तो वह महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर से भी अधिक रन बना देते। हसी ने हालांकि ये दावा मजाकिया अंदाज में किया और कहा कि इस प्रकार की बातें केवल सपना होती हैं। गौरतलब है कि हसी ने 28 साल की उम्र में इंटरनेशनल क्रिकेट में डेब्यू किया था। वह फरवरी 2004 से जनवरी 2013 तक करीब 9 साल तक ऑस्ट्रेलिया की ओर से खेले। उन्होंने अपने करियर में 302 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 49.00 के औसत से 12398 रन बनाए। इस दौरान हसी ने 22 शतक व 72 अर्धशतक लगाये।

हसी ने एक चैनल से बातचीत के दौरान मजाकिया अंदाज में कहा, मैंने इसके बारे में बहुत सोचा है। मैं कम उम्र में डेब्यू कर पाता तो तेंदुलकर से लगभग पांच हजार रन ज्यादा बना देता। तब मेरे रिकार्ड में सबसे ज्यादा शतक, सबसे ज्यादा जीत, सबसे ज्यादा एशेज जीत और सबसे ज्यादा विश्वकप जीतें होतीं। साथ ही कहा कि जब मैं सुबह उठता हूं तो पता चलता है कि ये सब एक सपना था। मुझे पहले मौका मिलना शानदार होता लेकिन मेरे लिए अच्छी बात यह थी कि जब मुझे चुना गया तो मुझे अपने गेम की बेहतरीन समझ थी।

सचिन सर्वकालिक महान बल्लेबाजों में शामिल है। उन्होंने 16 साल की उम्र में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में डेब्यू करने के बाद कई रिकार्ड बनाये हैं। अपने 24 साल के सबसे लंबे करियर में हर रिकार्ड उनके नाम है। इसमें सबसे ज्यादा अंतरराष्ट्रीय रन से लेकर शतक हैं। उन्होंने 664 मैचों में सबसे ज्यादा 34357 रन बनाये हैं। वह 100 अंतरराष्ट्रीय शतक लगाने वाले एकमात्र क्रिकेटर हैं।

सेमीफाइनल के लिए भारत, और न्यूजीलैंड और श्रीलंका के अवसर

नई दिल्ली एजेंसी। आईसीसी महिला विश्वकप के सेमीफाइनल में अब तक तीन टीमें ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड और दक्षिण अफ्रीका पहुंच गयी हैं। वहीं एक स्थान के लिए भारत , श्रीलंका और न्यूजीलैंड के बीच मुकाबला है। ऐसे में भारत और न्यूजीलैंड के बीच गुरुवार को होने वाले मुकाबले में विजेता टीम की संभावनाएं बढ़ जाएंगीं। तीनो ही दावेदार टीमों के अंक और संभावनाएं।

भारत

भारतीय टीम अगर अपने बाकी बचे दोनों मैच न्यूजीलैंड और बांग्लादेश के खिलाफ जीत जाती है तो वह सेमीफाइनल में पहुंच जाएगी। न्यूजीलैंड पर जीत उसके लिए जरुरी है भले ही वह बांग्लादेश के खिलाफ हार जाये। ऐसे में भारत के 6 अंक हो जाएंगे पर उसका नेट रन रेट सबसे अधिक +0.526 है। जो अन्य सभी टीमों से अधिक है। ऐसे में वह टूर्नामेंट में एकमात्र टीम होगी जो इतने अंक और कुल तीन जीत के साथ टूर्नामेंट का अंत कर सकती है।

न्यूज़ीलैंड

वहीं अगर न्यूजीलैंड अपने बाकी बचे दोनों मैचों में भारत और इंग्लैंड के खिलाफ जीत जाता है तो उसके 8 अंक हो जाएंगे और वह सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई कर जाएगी जबकि भारत के खिलाफ जीत और इंग्लैंड से हार के साथ न्यूजीलैंड के 6 अंक हो जाएंगे पर उसका नेट रन रेट -0.245 कम हो जाएगा। ऐसे में उसे सेमीफाइनल के लिए उम्मीद करनी होगी कि बांग्लादेश टीम भारत को बड़े अंतर से हरा दे।

श्रीलंका

श्रीलंका को सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए अपने अंतिम ग्रुप मैच में पाकिस्तान को हराना होगा इसके अलावा उसके उम्मीद करनी होगी कि भारतीय टीम न्यूजीलैंड और बांग्लादेश से अपने दोनो ही मैच हार जाये और न्यूजीलैंड को इंग्लैंड हरा दे। तभी उसके 6 अंक होने के साथ ही -1.035 नेट रन रेट न्यूजीलैंड से अच्छा होगा।

वहीं अगर लीग चरण में टीमों के बराबर अंक हुए तो क्या होगा

लीग मैचों में सबसे ज्यादा जीत हासिल करने वाली टीम पहले नंबर पर होने के कारण सेमीफाइनल में जगह मिल जाएगी।

बंगाली समाज ने दीपावली पर्व पर निभाई वर्षो से चली आ रही परम्परा

मां काली प्रतिमा स्थापना कर विधि विधान से की पूजा अर्चना

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। वर्षों से चली आ रही परंपरा और संस्कृति का निर्वहन करते हुए प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी नगर मुख्यालय में निवासरत बंगाली हिन्दू समाज ने दीपावली पर्व पर संस्कृति और परंपरा अनुसार मां काली की भव्य मनोहारी प्रतिमा उत्साह और खुशी के साथ विराजित की और दीपावली का पर्व मनाया। इसी रात मां काली की प्रतिमा की स्थापना कर विधि विधान के साथ पुजा अर्चना की गई। बताया जा रहा है कि इस पूजा को लेकर बंगाली समाज में तरह-तरह की मान्यताएं हैं इसी मान्यता को लेकर मुख्यालय में निवासरत बंगाली समाज के लोग प्रतिवर्ष दीपावली पर मां काली की प्रतिमा की स्थापना करते है और पूरी रात उसकी पूजा अर्चना करते है। दीपावली की रात मां की प्रतिमा स्थापना कर 12 बजे के बाद मां की पूरी रात विधिविधान से पूजा अर्चना की गई। जिसमें ब?ी संख्या में बंगाली परिवार के लोग उपस्थित रहे।

नगर में बड़ी मां की स्थापना को लेकर भक्तों में उत्साह

हर वर्ष की तरह इस बार भी मां काली की प्रतिमा की स्थापना पीजी कॉलेज रोड स्थित कन्या बूढ़ी शाला मैदान में की गई है, जहां नगरवासी तीन दिनों तक बड़ी मां के दर्शन कर सकेंगे। मैदान में आकर्षक सजावट और भव्य रोशनी की गई है, जिससे पूरा परिसर भक्तिमय वातावरण में परिवर्तित हो गया है।बालाघाट का यह आयोजन धार्मिक आस्था और सामाजिक एकता का संदेश दे रहा है।बंगाली समाज की पारंपरिक मान्यताओं के अनुसार, विशेष पूजा-अर्चना रात्रि 12 बजे से प्रारंभ हुई जो भोर सुबह तक निरंतर चली। इस दौरान मां काली की महाआरती, भजन-संकीर्तन और मंत्रोच्चारण से पूरा वातावरण भक्तिमय दिखाई दिया।

शक्ति की पूजा कर मांगी गई मन्नते

बताया जा रहा है कि पश्चिम बंगाल में इस पवित्र पूजा को शक्तिपूजा भी कहते हैं। मां काली के सामने अखंड दीपक जलता रहता है. जो लोग शत्रु, मुकद्दमों और धन के अभाव से पीड़ित हैं, और जीवन में शांति चाहते हैं, वे भी इस दिन पूरी रात जाग कर मां काली का जाप करते हैं। काली पूजा के लिए मां काली की नई मूर्ति की स्थापना की जाती है और कोई विद्वान पंडित शुद्ध मंत्रों और विधि-विधानों से उनकी पूजा करवाते हैं।

धार्मिक मान्यताओं के तहत की गई पूजा अर्चना

बताया गया कि जहां दीपावली पर्व पर, पूरे देश में लोग मां लक्ष्मी और प्रथम आराध्य भगवान गणेश का पूजन करते है, वही बंगाल में दीपावली के दिन मां काली की पूजा की जाती है। बंगाली परंपरा में दिवाली को कालीपूजा भी कहा जाता है। मां काली की पूजा को लेकर धार्मिक मान्यता अनुसार रोचक कथा है। मान्यता है कि मां काली इसी दिन 64 हजार योगिनियों के साथ प्रकट हुई थीं और उन्होंने रक्त बीज सहित कई असुरों का संहार किया था।माना जाता है कि आधी रात को मां काली की विधिवत पूजा करने पर मनुष्य के जीवन के संकट, दुख और पीड़ायें समाप्त हो जाती हैं, शत्रुओं का नाश हो जाता है और जीवन में सुख-समृद्धि आने लगती है। ऐसा कहा जाता है कि एक समय चंड-मुंड और शुंभ-निशुंभ आदि दैत्यों का अत्याचार बहुत बढ़ गया था। उन्होंने इंद्रलोक तक पर अधिकार करने के लिए देवताओं से लड़ाई शुरू कर दी। सभी देवता भगवान शिव के पास पहुंचे और उनसे दैत्य रक्षा की प्रार्थना की। भगवान शिव ने माता पार्वती, जो जगज्जननी के रूप में पूजी जाती हैं, के एक रूप अंबा को प्रकट किया। माता अंबा ने इन राक्षसों का वध करने के लिए मां काली का भयानक रूप धारण किया और अत्याचार करने वाले सभी दैत्यों का वध कर दिया और उन्होंने संसार के सभी जीवों को आशीर्वाद दिया, इसीलिए कार्तिक अमावस्या को सर्वदुखहारिणी, सदा रक्षा करने वाली, सुखदात्री जगन्माता काली की विधिवत पूजा का विधान बना।

नगर में 62 वर्षो से चली आ रही परंपरा

ज्ञात हो कि अपनी संस्कृति और परंपरा का निर्वहन करते हुए मुख्यालय में निवासरत बंगाली समाज पिछले 62 वर्षो से जिले में काली पूजा करता चला आ रहा है। जिले में मां दुर्गा पूजा के बाद बंगाली समाज द्वारा मां काली की स्थापना कर चार दिनों तक विधिविधान से पूजा अर्चना की जाती है। दीपावली की रात बंगाली समाज द्वारा प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी मां काली की विधि-विधान से प्रतिमा स्थापना कर उसकी पूरी रात पूजा अर्चना की। नगर में पीजी महाविद्यालय के समीप स्कूल के खुले प्रांगण में मां काली की प्रतिमा स्थापित की गई। जहां आगामी तीन दिनों तक मां की पूजा अर्चना की जायेगी।वही 24 अक्तूबर को मां की प्रतिमा का विसर्जन किया जायेगा।

24 अक्टूबर को होंगा विसर्जन-

प्रतिमा स्थापना को लेकर की गई चर्चा के दौरान बंगाली समाज समिति सदस्यों ने बताया कि मुख्यालय में निवासरत बंगाली समाज विगत 62 वर्षो से अपनी संस्कृति और परंपरा का निर्वहन करते हुए साल में दो बार मां दुर्गा पूजा और दीपावली पर होने वाली मां काली की पूजा करता आ रहा है। दीपावली पर बंगाल में वृहद रूप से मां की प्रतिमा स्थापना की जाती है और उसका पूजन किया जाता है। उन्होंने बताया कि जहां सभी हिन्दु परिवार दीपावली पर मां लक्ष्मी की पूजा करता है वहीं बंगाली परिवार मां काली की पूजा करता है, जबकि मां लक्ष्मी की पूजा बंगाली परिवार द्वारा शरद पूर्णिमा पर की जाती है। उन्होंने बताया कि तीन दिनों तक मां की आराधना और उपासना की जायेगी जबकि चौथे दिन 24 अक्टूबर को मां काली प्रतिमा का विसर्जन, बंगाली समाज की पारंपरिक विधि-विधान एवं रीति-रिवाजों के अनुसार किया जाएगा। विसर्जन के दिन शोभायात्रा निकाली जाएगी, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल होंगे।

खैरी मंड़ई में कजरेली तोर नैना का आयोजन 11 को

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। उधर प्रतिवर्ष के अनुसार इस वर्ष भी ग्राम पंचायत खैरी में मंडई का आयोजन किया गया है। जहां 11 नवंबर दिन सोमवार को मड़ई का आयोजन कर सांस्कृतिक कार्यक्रम कराए जाएंगे।जहा तिथि दशमी को दिन रात की मंड़ाई का आयोजन किया गया है जिसमें ग्रामीणों के मनोरंजन के लिए रात्रि में छत्तीसगढ़ी कजरेली तोर नैना ग्राम मोहझरी लांजी के 25 कलाकारों के द्वारा मनमोहक कार्यक्रम की प्रस्तुति दी जाएगी।आयोजन समिति एंव समस्त ग्रामीणों द्वारा समस्त ग्रामीण जनता माता बहिनों क्षेत्रीय गणमान्य नागरिकों , जनप्रतिनिधियों से ज्यादा से ज्यादा संख्या में उपस्थित होकर मंड़ाई के कार्यक्रम को सफल बनाने में सहयोग करने की अपेक्षा की गई है।

बिहार चुनाव : मोहनिया सीट पर आरजेडी को बड़ा झटका, श्वेता सुमन का नामांकन रद्द

कैमूर। बिहार विधानसभा चुनाव 2025 में राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) को मोहनिया (एससी) सीट से बड़ा झटका लगा है। राजद की उम्मीदवार श्वेता सुमन का नामांकन रद्द कर दिया गया।

जानकारी अनुसार श्वेता सुमन ने मोहनिया (एससी) विधानसभा सीट पर अनुसूचित जाति (एससी) प्रमाण-पत्र के आधार पर नामांकन दाखिल किया था। लेकिन भाजपा ने दावा किया कि श्वेता सुमन मूल रूप से उत्तर प्रदेश की निवासी हैं और उनका जन्मस्थान भी उत्तर प्रदेश ही है। उनके पति का नाम विनोद राम है। भाजपा नेता विंध्याचल राय ने निर्वाचन विभाग को आवेदन देकर नामांकन रद्द करने की मांग की थी। निर्वाचन आयोग के नियमों के अनुसार, किसी राज्य में आरक्षित एससी सीट से चुनाव लड़ने के लिए उम्मीदवार को उसी राज्य की अनुसूचित जाति का सदस्य होना अनिवार्य है। श्वेता सुमन के पास उत्तर प्रदेश की 'रविदास' जाति का प्रमाण-पत्र है, जो बिहार में अनुसूचित जाति सूची में शामिल नहीं है।

श्वेता ने बताया साजिश

श्वेता सुमन ने आरोप लगाया, बीजेपी और उनके उम्मीदवार को मुझसे, मेरी पार्टी और आरजेडी की सरकार के आने का डर है, इसलिए साजिश के तहत मेरा नामांकन रद्द कर दिया गया। लोकतंत्र में ये अधिकार नहीं है। मैं यहां पिछले 20 साल से रह रही हूं।

मोहनिया एससी आरक्षित सीट पर अनुसूचित जातियों का वोट बैंक लगभग 45 फीसदी है। यादव और मुस्लिम वोट बैंक 20-25 फीसदी है, जो राजद का मजबूत आधार है। एनडीए ने भाजपा के निरंजन राम को उम्मीदवार बनाया है। निरंजन राम 2015 में विधायक चुने गए थे और 2020 में राजद की उम्मीदवार संगीता कुमारी से हार गए थे। इस बार श्वेता सुमन के नामांकन रद्द होने से उनकी जीत की राह आसान हो गई है।

फूलों से सजे गंगोत्री धाम के कपाट बंद

देहरादून। चारधाम यात्रा के प्रमुख तीर्थस्थलों में से एक गंगोत्री धाम के कपाट 22 अक्टूबर बुधवार को विधि-विधान के साथ शीतकाल के लिए बंद कर दिए गए। इस अवसर पर पूरे धाम में भव्य दीपोत्सव और विशेष पूजा-अर्चना का आयोजन किया गया। मंदिर परिसर को फूलों, झालरों और दीपों से सजाया गया, जिससे संपूर्ण क्षेत्र भक्ति और उत्साह से झूम उठा।

धार्मिक परंपरा के अनुसार, अन्नकूट पर्व पर पूर्वाह्न 11:36 बजे मां गंगा के कपाट बंद किए गए। इसके बाद मां गंगा की उत्सव मूर्ति को डोली में बैठाकर शीतकालीन प्रवास के लिए मुखवा गांव ले जाया गया। शीतकाल के दौरान श्रद्धालु वहीं स्थित गंगा मंदिर में मां गंगा के दर्शन कर सकेंगे। इस वर्ष गंगोत्री धाम की यात्रा 30 अप्रैल 2025 को अक्षय तृतीया के पावन दिन शुरू हुई थी।

हर्षोल्लास के साथ मनाया गया दीपावली पर्व

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। रौशनी का पर्व दीपावली जिले भर में बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाया जा रहा है।सोमवार को लक्ष्मी पूजा के दिन जिला मुख्यालय सहित अन्य तहसील व ग्रामीण अंचलों में दीपावली पर्व को लेकर लोगों में खासा उत्साह देखा गया, जहा लोगों ने अपने-अपने घरों के सामने एक से बढ़कर एक आकर्षक डिजाइनों की रंगोली उकेरी, तो वही सह परिवार माता लक्ष्मी की विधि विधान से पूजा अर्चना की।इस पर्व विशेष पर घरो को दीपक और रंगबिरंगी लाईटिंग से रौशन किया गया ।माता लक्ष्मी जी का पूजन कर बच्चों ,बड़ो ,युवाओं और बुजुर्गों सहित महिलाओं ने भी पटाखे फोड़कर इस पर्व को मनाया।आपको बताए कि कार्तिक मास की अमावस्या तिथि पर दीपावली पर्व मनाया जाता है यह पांच दिवसीय दीपोत्सव पर्व धनतेरस के दिन से शुरू हो जाता है जो भाई दूज तक चलता रहता है।

पटाखों की आवाज से गूंज उठा शहर

सोमवार को दीपावली पर्व के अवसर पर सुबह से ही लोगों द्वारा घर को सजाने का कार्य शुरू कर दिया गया। घर को साफ सुथरा कर बच्चों एवं महिलाओं द्वारा घर आंगन में आकर्षक रंगोलियां बनाई गई, वही नये वस्त्र धारण कर रात्रि में माता लक्ष्मी जी की पूजा अर्चना की गई। माता लक्ष्मी के पूजन के बाद पटाखे फोड़े गए। शाम से ही लोगों द्वारा अपने-अपने घरों में दीप जलाकर व आकर्षक लाइटिंग कर घर को रौशनी से जगमग कर दिया गया था। बच्चों द्वारा फुलझड़ियों एवं पटाखों का खूब लुत्फ उठाया गया। पटाखों की आवाज से पूरा शहर गूंज उठा, जहा शाम से ही पटाखे फोड़ने का क्रम शुरू हुआ जो देर रात्रि तक जारी रहा।

खरीददारी को लेकर मार्केट में रही भारी भीड़

दीपावली पर्व के अवसर पर वैसे तो खरीददारी 1 सप्ताह पूर्व से शुरू कर दी गई थी लेकिन दो-तीन दिनों से शहर में काफी भीड़ देखी जा रही है।सोमवार को दीपावली के दिन बाजार में भारी भीड़ रही।दोपहर से गुजरी मार्केट और मेन रोड में रात्रि 10 बजे तक

लोगों का जमावड़ा रहा, जहा लोगों ने पूजन सामग्री, नए वस्त्र, पटाखा मिठाईयां आदि की जमकर खरीददारी की।वही मिठाइयो के सभी प्रतिष्ठानों में दीपावली पर्व पर जमकर भीड़ देखी गई।

लोगों ने की सुख-समृद्धि कामना

दीपावली पर्व पर सारा शहर दीपों की रोशनी से सज गया था। हर तरफ दीपों के प्रकाश, आतिशबाजियों की गूंज सुनाई दे रही थी। शहर दुल्हन की तरह सजा था। सभी तरफ खुशियों का माहौल रहा।कई शुभातिशुभ संयोगों के बीच उत्साह और उल्लास के उजाले में मां लक्ष्मी हर घर में सुख-समृद्धि का आशीष लेकर आई। इस वर्ष भी दीवाली का पर्व पूरे सौहार्द और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया।शहर के हर घरों में दीवाली की रात शहर के हर घर रोशनी से सजे थे। गेंदे के फूलों की माला और आम की पत्तित की तोरन दरवाजे पर बांधकर लक्ष्मीजी के स्वागत की विशेष तैयारियां की गई थी। शाम को शुभ मुहूर्त पर सभी व्यापारियों और घरों में लक्ष्मी-गणेश, बही खातों और कुबेर धन की विधिवत पूजा अर्चना की गई।

देर रात तक छाई रही रौनके

सोमवार को सुबह से सभी व्यापारियों और मिठाई की दुकानों को पूरे साज-सज्जा के साथ सजाया गया था। दिनभर लोगों की भीड़ देखी गई। पटाखा दुकान, मिष्ठान और कपड़ा दुकान में भारी भीड़ रही, लोग खूब खरीदी करते देखे गए। देर रात तक लोगों ने पूरे उल्लास के साथ पर्व मनाया।

रंग बिरंगी रंगोली से सजा शहर

दीपावली के दिन महिलाओं और युवतियों में भी साज-सज्जा को लेकर काफी उत्साह दिखाई दिया। सुबह से महिलाएं घर-आंगन में लीपा-पोती और सफाई में व्यस्त नजर आई। जिन्होंने एक से बढकर एक लक्ष्मीजी, सांईबाबा, कार्टून और विशेष प्रकार की रंगोलियां उकेर कर घर में चार चांद लगाया। इन्हें देखते ही लोग मंत्र मुग्ध हुए। इसी तरह इस बार भी शहर के गुजरी स्थित शिव साईं मंदिर और सिंधी मोहल्ला में रंगोली के उम्दा कलाकारों ने हुबहू रंगोली उकेरी। जिसकी चहूओर प्रशंसा की गई। रंगोली के माध्यम से युवक-युवतियों ने वर्तमान परिदृश्य को प्रदर्शित किया।

बच्चों में दिखा खासा उत्साह

दीपावली के दिन बच्चों में नए कपड़े पहनने का काफी उत्साह देखा गया। बाजार में अपने माता-पिता के साथ बच्चों ने विभिन्न प्रकार की नई डिजाईन और आकर्षक कपड़ों की खरीदी की। शाम को सभी बच्चे नए कपड़ों में नजर आए। शहर के भटेरा चौकी वार्ड नंबर 02 में माँ लक्ष्मीजी की वेशभूषा में सजी रूही हितांशी यादव ने आस पड़ोस में घूमकर सभी को आशिर्वाद प्रदान किया। सभी ने लक्ष्मीजी के स्वरूप की पूजा अर्चना भी की। इसके बाद सभी बच्चों ने पर्यावरण को ध्यान में रखते हुए खूब मिठाईयां खाकर और पटाखे जलाकर दीवाली पर्व उत्साह पूर्वक मनाया। वहीं जागरूक युवाओं ने इको फ्रेंडली तरीके से दीप पर्व मनाया।

जगह जगह तैनात रहा पुलिस अमला

दुकानों में लगने वाली भीड़ को देखते हुये प्रशासन द्वारा चौपहिया वाहनों के लिए मार्ग डायवर्ट कर दिया गया था, वही मेन रोड़ में चौपहिया वाहनों का प्रवेश प्रतिबंधित रखा गया था। जिसके चलते आवागमन ज्यादा बाधित नही हुआ।प्रशासन द्वारा त्यौहार को देखते हुए मार्केट में अधिक पुलिस कर्मियों की तैनाती की गई थी, ताकि यातायात बाधित न हो और किसी प्रकार की घटना न हो। हालांकि लोगों की अधिक भीड़ होने के चलते जगह-जगह जाम की स्थिति भी नजर आई।

राजद प्रत्याशी सत्येंद्र साह की गिरफ्तारी...झामुमो और राजद के बीच बढ़ी खटास

रांची। बिहार विधानसभा चुनाव के बीच सासाराम से राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के प्रत्याशी सत्येंद्र साह की गिरफ्तारी ने राजनीतिक हलकों में हड़कंप मचा हुआ है। झारखंड पुलिस ने 20 वर्ष पुराने मामले में साह को गिरफ्तार किया, इस राजद ने राजनीतिक साजिश बताया है। इस कार्रवाई से गठबंधन के अंदर खाई और गहरा गई है।

राजद ने इसपर सवाल खड़े कर नाराजगी जाहिर की है। बीते 20 अक्टूबर को सत्येंद्र साह सासाराम विधानसभा क्षेत्र से नामांकन पत्र दाखिल करने के तुरंत बाद गिरफ्तार किए। नामांकन प्रक्रिया पूरी होते ही झारखंड पुलिस की टीम ने गैर जमानती वारंट के आधार पर उन्हें हिरासत में लिया।

साह के खिलाफ विभिन्न थानों में लूट, डकैती और आर्म्स एक्ट के उल्लंघन से जुड़ मामले दर्ज हैं। घटना को झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) और राजद के बीच बढ़ती खटास से जोड़ा जा रहा है। बिहार चुनावों में सीट बंटवारे पर सहमति न बन पाने के कारण झामुमो ने महागठबंधन से किनारा किया था।

झामुमो के वरिष्ठ नेता सुदिव्य कुमार ने राजद और कांग्रेस पर राजनीतिक साजिश का आरोप लगाकर कहा कि हमें धोखा दिया। छह सीटों पर हमारा दावा था, लेकिन हमें नजरंदाज किया गया। सोरेन की पार्टी ने झामुमो ने चकाई सहित धमदाहा, कटोरिया, मनिहारी, जमुई और पीरपैंती जैसी सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारने की घोषणा की थी, लेकिन अंतिम समय में पार्टी पीछे हट गई।

दिवाली के अवसर पर साई बाबा को पांच करोड़ रुपये के आभूषणों से सजाया गया

शिरडी। दिवाली के अवसर पर शिरडी के साईं संस्थान द्वारा मंगलवार को साई बाबा की मूर्ति को 5 करोड़ रुपये मूल्य के विभिन्न सोने और हीरे के आभूषणों से सुसज्जित किया गया। हर साल की तरह इस साल भी दिवाली के अवसर पर साईं बाबा मंदिर में परंपरा के अनुसार लक्ष्मी पूजन उत्सव मनाया गया। दिवाली के अवसर पर मंगलवार को शाम 5 से 5.55 बजे तक साईं बाबा समाधि मंदिर के प्रांगण में संस्थान के मुख्य कार्यकारी अधिकारी गोरक्ष गाडिलकर और उनकी पत्नी वंदना गाडिलकर द्वारा लक्ष्मी पूजन किया गया। इस अवसर पर श्री गणेश पूजन, लक्ष्मी-कुबेर पूजन, सरस्वती पूजन और साईं धूप-नैवेद्य जैसे कार्यक्रम किए गए। इस अवसर पर बड़ी संख्या में संस्थान के पदाधिकारी, शिरडी ग्रामीण और साईं भक्त उपस्थित थे। लक्ष्मी-कुबेर पूजन के बाद शाम 6 बजे श्री की धूपबत्ती की गई। धूपबत्ती के बाद साईं भक्तों के लिए दर्शन कतार शुरू कर दी गई। दिवाली के अवसर पर साईं बाबा मंदिर को बिजली से जगमगाया गया। साथ ही, साईंबाबा समाधि मंदिर और उसके आसपास के क्षेत्र को फूलों से आकर्षक ढंग से सजाया गया। किंवदंती है कि द्वारकामाई में दीपक जलाने के लिए तेल नहीं था इसलिए दिवाली पर साईंबाबा ने पानी से दीपक जलाए थे। इसलिए, आज भी शिरडी में कई साईं भक्त दीपक जलाकर साईंबाबा की स्मृति को जीवित रखते हैं। देश भर के विभिन्न स्थानों से साईं भक्त शिरडी आते हैं और साईंबाबा की द्वारकामाई के सामने और लेंडी बाग के प्रांगण में दीपक जलाते हैं। दिवाली के दौरान हर जगह मीठा भोजन परोसा जाता है। साईंबाबा, जिन्होंने शिरडी में एक फकीर का जीवन व्यतीत किया, आज भक्तों द्वारा सोने और चांदी से मढ़े हुए हैं। त्योहारों और उत्सवों के दौरान, साईंबाबा को सोने की थाली में प्रसाद चढ़ाया जाता है। साईंबाबा के दर्शन करने आने वाले भक्तों के लिए व्यवस्था करने के लिए लगभग साढ़े छह हजार कर्मचारी और अधिकारी तैनात हैं। वाहन चालकों-मालिकों, लॉज मालिकों व कर्मचारियों, छोटे-बड़े व्यापारियों व मजदूरों को मिलाकर एक लाख से अधिक परिवार प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से बाबा की कृपा से लक्ष्मी प्राप्त करते हैं। लक्ष्मी पूजा के अवसर पर कई घरों में साईं बाबा की तस्वीर रखकर उनकी पूजा की जाती है। कुछ भक्तों ने लेंडीबाग में अपने परिवार के साथ लक्ष्मी पूजा की। साईं मंदिर में लक्ष्मी पूजा की धूम कुछ और ही होती है। सोने की थाली, पंचरती, घंटा, समई, निरंजन, पाली-पंचपात्र, जाती और पूजा के बर्तन भी सोने के बने होते हैं। बाबा की मूर्ति को पांच करोड़ के रत्नजड़ित सोने के हार से सजाया गया था। सौ किलो सोने से मढ़ा साईं बाबा का सिंहासन और स्वर्णिम आभा से जगमगाता साईं मंदिर पर रखा सोने का कटोरा बाबा के दरबार की भव्यता की गवाही देते हैं। बाबा के दरबार में हमेशा ऋद्धि-सिद्धि का वास रहता है। इसी आस्था के साथ कई भक्त बाबा के दरबार में लक्ष्मी पूजा में अपने पैसों के बटुए रखते हैं। पूजा के बाद उन्हें रखवाले को सौंप दिया जाता है। लक्ष्मी पूजा के दिन, कई भक्त साईं दर्शन करके दिवाली मनाने शिरडी आते हैं और बाबा के दरबार में लक्ष्मी पूजा बड़ी धूमधाम से मनाई जाती है।

गायखुरी में तुलसी विवाह के दिन मेला

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी नगरीय क्षेत्र के वार्ड नंबर 33 गायखुरी वैनगंगा नदी तट शिव मंदिर समीप तुलसी विवाह ग्यारस पर्व पर वैनगंगा मेला समिति द्वारा मेला का आयोजन किया गया है। इस अवसर पर 1 नवम्बर को रात्रि 9 बजे से दो महिला शाहीरों की दुय्यम शायरी का आयोजन किया गया है। इसमें महिला शाहिर गीता बाई उपवंशी ग्राम खोंगाटोला मोहगांव धपेरा व महिला शाहिर लक्ष्मीबाई सराठे के बीच शायरी का मुकाबला होगा। महिला गायकों के द्वारा एक से बढकर एक शाहिरी की प्रस्तुति दी जावेगी। इस अवसर पर मेला समिति के पदाधिकारियों व वार्ड नंबर 33 के निवासियों ने दर्शकों से अधिकाधिक उपस्थिति की अपील की है।

मुरैना पुलिस ने सनसनीखेज डकैती का 6 दिन में किया राजफाश

- 30-30 हजार के इनामी इंटर स्टेट के 7 आरोपी गिरफ्तार

नगदी, सोने-चांदी के गहन, चार पहिया वाहन, अवैध हथियार सहित 20 लाख का माल जब्त

भोपाल। मुरैना में थाना स्टेशन रोड क्षेत्र के मुडियाखेड़ा बायपास, अम्बाह रोड निवासी मावा व्यवसायी के घर में हुई सनसनीखेज डकैती का 6 दिन के अंदर मुरैना पुलिस ने राजफाश कर दिया है। सनसनीखेज मामले में पुलिस ने 7 आरोपियों को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से सोने व चांदी के जेवरात, चार पहिया वाहन सहित अवैध हथियार जब्त किए हैं। घटना के बाद पुलिस महानिरीक्षक चंबल जोन सचिन कुमार अतुलकर ने मौके का निरीक्षण कर तत्काल पुलिस टीम का गठन कर आरोपियों पर 30-30 हजार रुपए का ईनाम घोषित कर उन्हें पकड़ने के निर्देश जारी करते हुए आरोपियों की तलाश के लिए पुलिस की कई टीमें बनाई। पुलिस अधीक्षक समीर सौरभ द्वारा प्रकरण की लगातार समीक्षा की गई। वहीं पुलिस उपमहानिरीक्षक, चंबल रेंज मुरैना सुनील कुमार जैन द्वारा भी घटना स्थल का जायजा लेकर आवश्यक निर्देश दिए थे।

यह था मामला

15 अक्टूबर 2025 को दोपहर करीब 1:15 बजे थाना स्टेशन रोड क्षेत्र के मुडियाखेड़ा बायपास, अम्बाह रोड निवासी एक मावा व्यवसायी के घर में 5 अज्ञात बदमाशों ने हथियारों की नोंक पर नगदी व सोने-चांदी के जेवरातो सहित लगभग 12 लाख रुपये की लूट की थी। मामले में थाना स्टेशन रोड में प्रकरण दर्ज किया गया था। डकैती की सूचना लगते ही एसपी समीर सौरभ घटना स्थल पहुंचे और पुलिस टीम का गठन कर आरोपियों के संबंध में जानकारी देने वाले पर 30 हजार रुपए का ईनाम घोषित किया। अति. पुलिस अधीक्षक मुरैना सुरेन्द्र पाल सिंह डावर तथा नगर पुलिस अधीक्षक मुरैना दीपाली चंदौरिया के नेतृत्व में आरोपियों की गिरफ्तारी के लिये अलग-अलग टीमों का गठन किया गया। टीमों ने घटनास्थल का निरीक्षण, संदेहियों की पूछताछ, सीसीटीवी फुटेज का विश्लेषण व तकनीकी और मुखबिरो की सूचना के आधार पर कई राज्यों में दबिश दी।

राजस्थान से पकड़ाया गिरोह

मुखबिर की सूचना पर थाना स्टेशन रोड की घटना में शामिल पांच आरोपियों को पुलिस ने राजाखेड़ा, जिला धौलपुर (राजस्थान) से गिरफ्तार किया है। पूछताछ में उन्होंने अपने साथी अजय सविता पुत्र रामबाबू निवासी उदयपुर खालसा, जिला आगरा एवं अन्य साथियों के साथ मिलकर मावा व्यापारी नवल किशोर गुप्ता के घर डकैती की घटना करने का खुलासा किया। उनसे पूछताछ के आधार पर दो और आरोपियों को भी राजाखेड़ा से गिरफ्तार कर लिया गया। इस तरह पुलिस ने कुल 7 आरोपियों को दबोच लिया। आरोपियों के पास से 5 तोला सोने के आभूषण, 750 ग्राम चांदी, 4 लाख 53 हजार 750 की नगदी सहित वारदात में इस्तेमाल की गई हुंडई औरा कार, 315 बोर के 2 देशी कट्टे, 4 जिंदा राउंड और 5 मोबाइल फोन सहित 20 लाख का माल जप्त किया है। मामले में पुलिस ने धारा 25, 27 आर्म्स एक्ट का इजाफा किया है। वहीं गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ के आधार पर डकैती में शामिल तीन अन्य आरोपियो की गिरफ्तारी के प्रयास किये जा रहे हैं।

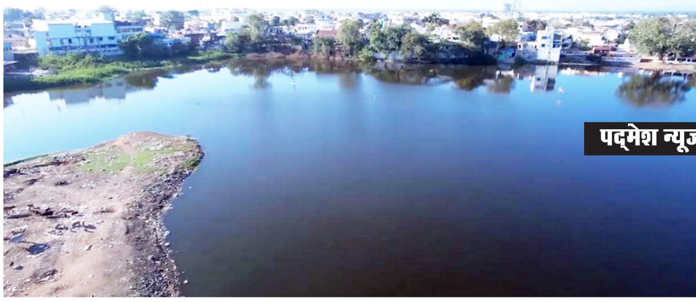

पद्मेश न्यूज़। जन सरोकार

देवी तालाब : सामाजिक जिम्मेदारी की घनघोर विफलता!!

..... जैसे किसी ने उसकी सांसें रोक दी हो ; जैसे किसी ने उसका गला घोंट दिया हो!!

विशेष संवाददाता
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

16 एकड़ 14 डिसमिल के विस्तार में फैला बालाघाट का यह तालाब अब अंतिम सांसे गिन रहा है। यह किसी मरते तालाब का सबसे नायाब मृत्यु गाथा है। फिर भी कोई द्रवित नहीं है ! यह इस शहर के बाशिंदो की सामाजिक जिम्मेदारी की घनघोर विफलता की मुनादी भी है कि कैसे आहिस्ता आहिस्ता एक शहर के बीचों बीच स्थित एक ऐतिहासिक तालाब तिल तिल कर बर्बाद हो रहा है, मर रहा है! प्रशासन की एक दिन की जवाबदेही इसके लिए जिम्मेदार नहीं है वरन एक लम्बे अरसे का सिस्टम भी जिम्मेदार है। बारिश हुई। रेकॉर्ड बारिश हुई। खेतों में नमी आई, आकाश में उमंग छाई, बादलों का लगातार फेरा रहा... फिर भी इस तालाब का गला सूखा ही रह जाता रहा है । जैसे किसी ने उनकी सांसें रोक दी हों, जैसे किसी ने उसका गला घोंट दिया हो।अगर बहाव तेज होता तो तालाब का सारा मटमैला पन और गंदगी बह जाता।

अब सवाल यह नहीं है कि इस तालाब को बचाने के प्रयास कम हुये , बल्कि यह है कि इस तालाब तक सही प्रक्रिया क्यों नहीं पहुंची। दोषी कौन है? आसमान नहीं, बादल नहीं, बारिशें नहीं। दोषी हैं हम। हमारी लालच भरी सोच, अतिक्रमण, अवैध निर्माण,और तीन प्रमुख नालों सहित अनगिनत नालियाँ । हमने खुद इस जल की जीवनरेखा पर पत्थर रख दिए हैं। कितने ही नाम हैं जिनकी कहानी एक जैसी है। इस ऐतिहासिक तालाब के पुनर्जीवन के लिए नौ साल, पंद्रह साल, इक्कीस साल... बचाने कोई नहीं आया। तालाब क्षेत्र में बड़ी-बड़ी बिल्डिंगे , रहवासी इमारतें, चारदीवारियां, गहरे गड्ढे। नालों को मोड़ दिया गया, रास्तों को काट दिया गया और नालियों का मुंह खोल दिया देवी तालाब की ओर. जब सारा शहर का गन्दा पानी बहाव के साथ इस तालाब में गया तो अधिकारियों ने फिर वही पुराना बहाना दोहराया – 'नालों का बड़ा छिद्र'। असल में देवी तालाब की ओर जाते इन नालों और असंख्य नालियों में छिद्र नहीं है, छिद्र तो हमारी नीयत में हो गए हैं।जिसको भर पाना अब असंभव है।

कभी यह तालाब शहर वासियों की जीवनरेखा हुआ करता था। मछली पालन होता था, छोटी मोटी सिंचाई होती थी, सिंघाड़े से रोजगार मिलता था। अब वे खेत खुद प्यासे हैं। कई बार देखा गया है कि इसकी मेंढ की मिट्टी पर घास भी नहीं उगता। इतना जहरीला हो गया है यहाँ का पानी.यह केवल जल संकट को न्योता नहीं है, यह हमारी प्रशासनिक व्यवस्था और सामाजिक जिम्मेदारी की घनघोर विफलता है। एनजीटी कोर्ट से लेकर हाईकोर्ट तक ने कई मामलों में इसके जलभराव के क्षेत्र से अतिक्रमण हटाने के आदेश दिए हैं, लेकिन एक लम्बे अरसे तक यहाँ तैनात रहे प्रशासन की नौकरशाही के कान पर जूं नहीं रेंगी.नतीजा ये है कि हालात जस के तस हैं। एनजीटी के आदेश तो बिना नाखून और दाँत वाले शेर जैसे हैं. डर कभी किसी स्तर पर पैदा ही नहीं होता, उधर वर्तमान कलेक्टर ने इस मामले में संज्ञान लेकर कार्रवाई का भरोसा दिलाया है।

बालाघाट का यह ऐतिहासिक देवी तालाब पूर्व की प्रशासनिक और सामाजिक विफलता का प्रतीक बन चुका है। जैसे उसकी कहानी सुनकर हर शहरी तालाब के आंसू बह निकलते हों । लेकिन अब यह स्पष्ट हो गया है कि ऐतिहासिक देवी तालाब अकेला नहीं है। जिले भर में बीसियों तालाब ऐसे ही या तो बेजा कब्जाये गए हैं या प्रदूषित कर बीमार पड़े हैं। ये सभी हमारे भविष्य के आईने हैं।जब हम पानी को रोक और सहेज नहीं पाएंगे,उसे प्रदुषण से बचा नहीं पाएंगे तो हमेशा ही प्यासे रहेंगे। पीढ़ियां प्यासी ही रहेंगी।

कब तक बालाघाट शहर इस तालाब के स्वच्छ वातावरण को तरसता रहेगा? कब तक हम अतिक्रमण करके ही जीवन जीते रहेंगे? कब तक यह सब सहते रहेंगे? शहर के अतिक्रमणकारियों और लापरवाह तंत्र का इस तालाब के बिना भी बिना पानी के काम चल जाएगा? लेकिन शहर के बाशिंदों के लिए तो इसका पुनर्जीवन बेहद जरूरी है।

अब वक्त है सामाजिक तौर पर दबाव बनाकर प्रशासन से सीधी कार्रवाई के माध्यम से इस तालाब को बचाने की जिद की, जिससे कि यह तालाब बचाया जा सके। बालाघाट शहर के समूचे बहाव क्षेत्र का तत्काल सोशल ऑडिट हो। अवैध कब्जों का कठोर उन्मूलन हो। नालों और नालियों की सफाई और मरम्मत हो। वैज्ञानिक मानकों के बिना बने नालों के बहाव की समीक्षा हो। और सबसे जरूरी–दोषियों पर व्यक्तिगत जवाबदेही तय हो। बारिश ने अपना काम हमेशा कर दिया है। अब शहर के बाशिंदो की बारी है। अगर आज भी हम नहीं चेते, तो अगले वर्षों में फिर यही कहानी लिखनी होगी– 'एक ऐतिहासिक देवी तालाब हुआ करता था।' बालाघाट की धरती और इसका नागरिक समाज इससे कहीं बेहतर के हकदार हैं।

5.30 एकड़ बेशकीमती जमीन पर कब्जा

सूत्र बताते हैं कि 16.14 डिसमिल क्षेत्र में विस्तारित यह तालाब वर्तमान में बेजा कब्जे की चपेट में है. अब इस तालाब का मूल रूप लौटा पाना बेहद मुश्किल है. इस तालाब के पुनर्जीवन का मुद्दा गंभीर है. यह ऐतिहासिक तालाब शहर के बीचों बीच स्थित है।

तालाब के चारों तरफ सीढ़ियां बने

शहर के बाशिंदो की मांग रही है कि इस तालाब के चारों तरफ प्रदूषित और गंदगी को हटाने के बाद सीढ़ियां बनायीं जाए तथा इसके चारों ओर तारों की कंटीली बाढ़ लगायी जाये। इस तालाब में जाने वाले नालों का प्रवाह रोकना पहली प्राथमिकता हो तभी भयंकर प्रदूषण रुकेगा।

1877 में ब्रिटिश शासन काल में अंग्रेजो द्वारा नगरपालिका का गठन करने के दौर से पूर्व में बने इस तालाब की ऐतिहासकता कहीं खो सी गयी है. बालाघाट के नागरिक समाज के लिए इस तालाब की महत्ता उसकी रगों में घुली मिली है। लालची और स्वार्थी लोगों के लिए यह उनकी सोच से परे है।

बाघ के नाखून की तस्करी करने वाला तीसरा आरोपी गिरफ्तार

न्यायालय में पेश कर भेजा गया जेल, चौथे की तलाश जारी

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले में वन्य प्राणी शिकार के मामले लगातार बढ़ते जा रहे हैं।जहां कुछ लोग वन्य प्राणियों का शिकार उनके अवशेषों की तस्करी के लिए कर रहे हैं तो वहीं कुछ लोग मांस के लिए वन्य प्राणियों का शिकार कर आए दिन इन वारदातों को अंजाम दे रहे हैं। लगातार बढ़ते जा रहे वन्य प्राणियों के शिकार वाले मामले के बीच पिछले दिनों उकवा वन विभाग की टीम ने बाघ के नाखूनों की तस्करी करते 2 आरोपियों को गिरफ्तार किया था, जबकि मामले में लिप्त 2 आरोपी फरार बताए गए थे, जिंसमे से एक आरोपी को वन विभाग की टीम ने गिरफ्तार किया है।जिससे आवश्यक जानकारी एकत्र कर उसे न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया है।जबकि मामले में लिप्त चौथे आरोपी की तलाश जारी है।ज्ञात हो कि बाघ के नाखूनों की तस्करी के आरोप में पहले ही 2 आरोपी महेंद्र पिता शोभाराम मड़ावी और महेंद्र राऊत पिता रामेश्वर राऊत की गिरफ्तारी हो चुकी है।जिनके पास से बाघ के 13 नाखूनों को जप्त कर उन्हें जेल भेजा जा चुका है, वही इसी मामले में तीसरी गिरफ्तारी तहसील लामता ग्राम मैरा से सतीश पिता प्रताप भलावी के रूप में की गई है।जिसे भी आवश्यक कार्यवाही के बाद जेल भेजा गया है।जबकि इसी मामले में लिप्त चौथे आरोपी मोहगांव के ग्राम फंडकी निवासी किशोर उर्फ नंदकिशोर पटले की तलाश जारी है।

जेब की तलाशी लेने पर लाल कपड़े की पोटली में बंधे थे बाघ के 13 नाखून

विभागीय टीम से मिली जानकारी के अनुसार,वन परिक्षेत्र अधिकारी की सूचना के आधार पर,आरोपियों को पकडने के लिए 12 अक्टूबर को डब्लूसीसीबी भोपाल से कान्हा टाइगर रिजर्व की टीम के साथ एक दल का गठिन किया गया था, बताया गया कि परिक्षेत्र अंतर्गत ग्राम उकवा से छपरवाही मार्ग पर अमरूटोला रोड़ के पास चार व्यक्तियों को दो मोटरसाइकिल के पास खड़े देखा गया, जो फॉरेस्ट के अधिकारी को देख भागने लगे, जिसमें से दो व्यक्तियों को मौके पर पकड़ा गया, जिन्होने नाम महेंद्र पिता शोभाराम मड़ावी तथा महेंद्र राऊत पिता रामेश्वर राऊत बताया, महेंद्र की तलाशी लेने पर उसके जेब से लाल कपड़े की बंधी एक पोटली में 13 नग नाखून वन्य प्राणी बाघ के मिले थे। उसके द्वारा बताया गया कि उक्त नाखून वन्य प्राणी बाघ के है। जिस व्यापारी को बेचने के लिए खड़े थे व्यापारिक को किशोर उर्फ नंदकिशोर पटले फंडकी मोहगांव निवासी को जानकारी है कि वह किसे बेच रहा था। उक्त अपराध में लिप्त अन्य 2 फरार आरोपी सतीश पिता प्रताप भलावी मैरा लामता निवासी एवं किशोर उर्फ नंदकिशोर पटले ग्राम फंडकी मोहगांव निवासी बताया गया था।जिंसमे से लामता मैरा निवासी आरोपी सतीश पिता प्रताप भलावी की गिरफ्तारी कर ली गई है।जबकि चौथे आरोपी नन्दकिशोर की तलाश जारी है।

बाघ के अन्य अवशेष भी जंगल से बरामद

उधर विभागीय टीम ,तीसरे आरोपी की सूचना पाकर ग्राम मैरा लामता पहुची ,जहा सतीश के घर से उसे पकड़ा गया, जिससे पूछताछ करने पर सतीश ने बताया कि उसने जंगल के एक नाले से वन्यप्राणी बाघ के नाखून को लाया गया था,जिसपर दल के सदस्य आरोपी की निशानदेही पर ग्राम मैरा लामता के जंगल कक्ष क्रमांक 1189 पहुंचे, जहां पर कुछ हड्डी के टुकड़े प्राप्त हुए, आरोपी के द्वारा बताया गया कि यह हड्डी बाघ की हड्डी है।आरोपी की उक्त जानकारी को सुनिश्चित करने के लिए जंगल मे मिली हड्डियों को जप्त कर, जाच के लिए फ़ारेसीक लैब भेजा गया है।आरोपी के द्वारा स्वयं वन्य प्राणी बाघ के नाखून को बेचने के लिए महेंद्र मरावी को देना स्वीकार किया गया।

पकड़ाए तीसरे आरोपी को भी न्यायालय में पेश कर भेजा गया जेल

बाघ के नाखूनों की तस्करी में पकड़ाए तीसरे आरोपी को बैहर न्यायालय में पेश किया गया है। जहां से उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया हैं। इस पूरे प्रकरण में कु. प्रियंका मरकाम वन क्षेत्रपाल वन परिक्षेत्र अधिकारी उत्तर उकवा, राजेंद्र कुमार गनवीर उपवन क्षेत्रपाल, कन्हैयालाल मडावी कार्यवाहक वनपाल, सचिन पदमें वनरक्षक, बजारीसिंह ठाकरे वनरक्षक, प्रताप चौरसिया वनरक्षक, कमलेश मसराम वनरक्षक एवं अन्य स्टाफ का सहयोग रहा।

सरेखा रेलवे ओवर ब्रिज पर दो मोटरसाइकिलों की हुई भिड़ंत

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। कोतवाली थाना क्षेत्र अंतर्गत आने वाले सरेखा रेलवे ओवर ब्रिज पर दो मोटरसाइकिल की जबरदस्त भिड़ंत हो गई।मंगलवार की देर रात हुए इस हादसे में दो युवक घायल हो गए जिसमें एक की हालत गंभीर बताई गई, जिसे देर रात करीब 11 से 11:30 बजे बेहतर उपचार के लिए जिला अस्पताल से रिफर कर दिया गया है।प्राप्त जानकारी के अनुसार मोटरसाइकिल सवार आशीष पिता गुलचंद माहुले और रोहित पिता योगेश हुमे 21 वर्ष दोनों ग्राम लिंगा निवासी हैं जो बालाघाट से अपने गांव जा रहे थे तभी सरेखा रेलवे ओवरब्रिज पर एक अन्य मोटरसाइकिल से उनकी भिड़ंत हो गई जिसमें रोहित की हालत गंभीर बताई गई है जिसे देर रात ही जिला अस्पताल से रिफर कर दिया है। वहीं आशीष को मामूली चोटे आई हैं साथ ही अन्य मोटरसाइकिल सवार का फिलहाल पता नहीं चल पाया है।

पैसा ठीक होने के बाद देना
शादी से पहले एवं शादी के बाद
उम्र की अधिकता से कमजोर सेक्स, शीघ्रपतन, स्वप्नदोष, लिंग का छोटापन, टेडापन, निःसंतान, शुक्राणुओं की कमी, शुगर से आयी कमजोरी आदि सभी सेक्स समस्याओं का शर्तिया ईलाज किया जाता है।
पता-जगजीवन आयुर्वेदिक दवाखाना
गुरूनानक पेट्रोल पंप के सामने समाजवाड़ी रोड, बालाघाट, मो. 9243880464

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस कार्यालय, काली पुतली चौक, बालाघाट(म.प्र.) से प्रकाशित, **प्रधान संपादक : उमेश बागरेचा**, मो.नं. :9425138710,
स्थानीय संपादक : विपिन बिहारी शांडिल्य, ई-मेल- balaghatexpress@gmail.com पंजीयन क्रं. M P /HIN/2009/32311 , न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट